सोमवार
01 जून
वर्ष-1
अंक-19

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12

₹04

RNI No.-JHHIN/26/A3481

www.raftaarmedia.com

मन की बातः सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन सहित कई मुद्दों पर बात की

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन, प्राचीन सांस्कृतिक संपदा की वापसी, ग्रीष्मकालीन आम की विविधता, पारंपरिक देसी पेय पदार्थों, युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ते उत्साह, सैनिक कल्याण में नागरिकों के योगदान, नदियों की सफाई और वन्यजीव संरक्षण जैसे अनेक प्रेरक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक प्रयासों की भावना को भी सराहा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड की शुरूआत खेल उपलब्धियों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में हाल ही में आयोजित नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 एथलीटों ने भाग लिया और चार अलग-अलग स्पर्धाओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए। प्रधानमंत्री ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार जैसे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा में महज दो दिनों के भीतर पुरुष वर्ग में यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस प्रदर्शन की चर्चा हो रही है और ऐसी सफलताएं न केवल खिलाड़ियों को बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेल के प्रति प्रेरित कर रही हैं। उनकी मेहनत और समर्पण भारत के खेल भविष्य को उज्ज्वल बना रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों

पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख

पीएम ने कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से संबंधित हैं।

इन पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं से चोल वंश की विशाल समुद्री शक्ति, दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ उनके मजबूत व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध तथा साम्राज्य की समृद्ध विरासत की जानकारी मिलती है। इस घटना से देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई है और खासकर तमिल समुदाय में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से लगातार संदेश आ रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति लोगों की गहरी लगाव को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया

प्रधानमंत्री ने आम को हर भारतीय घर की पहचान बताते हुए विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध आम किस्मों का विस्तृत जिक्र किया। उन्होंने महाराष्ट्र और कोंकण के हापुस व अलफांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगड़ा, बिहार के जदार्लू, चौसा और मालदा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल के हिमसागर तथा ओडिशा-आंध्र प्रदेश के सुवर्णरेखा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जगह-जगह आम का स्वाद, रंग और खुशबू बदल जाती है, लेकिन यह हमेशा गर्मियों की खुशियां लेकर आता है। आम उत्पादक किसान भाई-बहनें न केवल देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं बल्कि वैश्विक बाजार तक भारतीय आम की पहुंच बढ़ा रहे हैं।

पीएम ने अहिल्याबाई होल्कर को उनकी जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अहिल्याबाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि पूरा देश लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जनकल्याण के प्रति अटूट निष्ठा के लिए श्रद्धा के साथ स्मरण करता है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सुशासन, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ शासन किया। प्रधानमंत्री ने उनके न्याय और जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए योगदान को ऐतिहासिक बताया। साथ ही देशभर में धार्मिक स्थलों और तीर्थों के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका का विशेष उल्लेख किया। अहिल्याबाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है और आने वाली पीढ़ियों को लगातार प्रेरित करता रहेगा। अहिल्याबाई होल्कर 18वीं शताब्दी में इंदौर राज्य की शासक थीं।

प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तेज धूप और लू में लोग ज्यादा पानी पिएं, धूप से बचाव करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर भारत में आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा में ठंडी लस्सी, राजस्थान-गुजरात में छाछ, बिहार-झारखंड में सत्तू का शरबत, कोंकण-गोवा में कोकम शरबत और सोल कढ़ी तथा दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना जैसे पेयों का भी जिक्र करते हुए इन पेयों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ये पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित हैं तथा स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। प्रधानमंत्री कहा कि आजकल बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक एस्ट्रोनॉमी क्लब सक्रिय हो रहे हैं।

सांसद अभिषेक बनर्जी की भर्ती को लेकर बढ़ा विवाद, घमासान जारी

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय नया विवाद खड़ा हो गया जब तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती नहीं किए जाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में अभिषेक बनर्जी को भर्ती नहीं किए जाने पर ममता बनर्जी बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते दिखाई दे रही हैं। वीडियो के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि जिस मामले में ममता बनर्जी ने शनिवार रात अस्पताल प्रबंधन पर भाजपा और पुलिस अधिकारियों के दबाव का आरोप लगाया था, उसी मामले में अब वह स्वयं अस्पताल के शीर्ष अधिकारी पर दबाव बनाती नजर आ रही हैं। भाजपा विधायक तरुण ज्योति तिवारी ने वीडियो साझा करते हुए मुख्यमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी लंबे समय से झूठ की राजनीति करती रही हैं और विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद उनका रवैया नहीं बदला है। शनिवार को दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई एक घटना के बाद अभिषेक बनर्जी को पहले कोलकाता के अपोलो अस्पताल ले जाया गया था। वहां चिकित्सकों ने उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं बताई। इसके बाद उन्हें बेल व्यू क्लिनिक ले जाया गया। शनिवार रात अस्पताल के बाहर मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि बेल व्यू क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप टंडन पर दक्षिण कोलकाता के पुलिस उपायुक्त द्वारा दबाव बनाया जा रहा था।

बंगाल में बॉर्डर पर फेंसिंग लगाने पहुंची बीएसएफ स्थानीय बोले- अब चैन से सो सकेंगे

कोलकाता/एजेंसी

पश्चिम बंगाल बॉर्डर का 600 किलोमीटर का एक हिस्सा ऐसा है, जहां बांग्लादेश के साथ सीमा पूरी तरह खुली है। कोई फेंसिंग नहीं है। यहां बीते दिनों जब बीएसएफ की टीम बॉर्डर नापने के लिए पहुंची तो गांव वालों ने मिठाइयां बांटी। यह इलाका है मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार में जीरो लाइन पर बसा सकारपाड़ा गांव। 4 हजार की आबादी और 2500 मतदाता। इनमें 95% लोग खेती पर निर्भर हैं। गांव का भूगोल बेहद संवेदनशील है। घर खत्म होते ही खेत आ जाते हैं और खेत खत्म होते ही बांग्लादेश। ग्राम पंचायत सदस्य पिंटू मंडल का घर गांव में सबसे आखिर में है। परिवार के पास 30 बीघा जमीन है। पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में बांग्लादेश बॉर्डर से सटे गांव में फेंसिंग लगना शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में बांग्लादेश बॉर्डर से सटे गांव में फेंसिंग लगना शुरू हो गया है।

स्थानीय बोले- शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में नहीं जा पाते थे

स्थानीय पिंटू मंडल ने बताया कि हमें शाम 5 बजे के बाद अपने खेतों में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन बांग्लादेश के लोग कभी भी हमारे खेतों में घुस आते हैं और फसलें काटकर ले जाते हैं। बीते 30 साल में ऐसा कोई भी महीना नहीं बीता, जब उनसे विवाद न हुआ हो।

बीएसएफ को दी जा चुकी है 27 किमी जमीन

अब ऐसा नहीं होगा, क्योंकि बीएसएफ ने फेंसिंग लगानी शुरू कर दी है। वहां से जैसे कोई हरकत होती, जवान माइक से चेतावनी दे देते। इसलिए हमें उम्मीद रहती है कि रात को जैसी फसल छोड़ेंगे, सुबह वैसी मिलेगी। अब तो हम भी अराजक बांग्लादेशियों को ताल ठोककर चुनौती दे रहे हैं।

बंगाल में नई सरकार बनने के बाद से अब तक बीएसएफ को बॉर्डर की 27 किमी जमीन दी जा चुकी है। इनमें 18 किमी में फेंसिंग होनी है और 9 किमी में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित करने की योजना है। शुरूआत जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों से की गई है। 10 दिन में मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में बॉर्डर पर कुछ जगह बांग्लादेशियों ने सीमांकन का काम रोकने की कोशिशें कीं, पर बीएसएफ ने चेतावनियां देकर उन्हें भगा दिया।

सरकार का 45 दिनों में 600 एकड़ जमीन देने का लक्ष्य

सबसे ज्यादा जमीन मुर्शिदाबाद (38.80 एकड़) में दी गई है। इसके बाद जलपाईगुड़ी (35.16 एकड़) और कूचबिहार (22.92 एकड़) का स्थान है। यह जमीन भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाब्र्ड वायर फेंसिंग (कंटीले तार), इरत्रः आउटपोस्ट और सुरक्षा ढांचा बनाने के लिए दी गई है। राज्य सरकार ने कुल 600 एकड़ जमीन 45 दिनों के भीतर इरत्रःको देने का लक्ष्य रखा है।

सनातन है तो भारत है : चिदानन्द

कोलकाता/एजेंसी

"सनातन है तो भारत है और भारत है तो सनातन है। सनातन का अर्थ कुछ के लिए नहीं, सबके लिए है। हम अपने-अपने ढ़ंग से व्यक्तिगत देवभक्ति करें किन्तु आज समय आ गया है कि "देशभक्ति' हमसब मिलकर करें। सनातन कहता है जिओ और जीवन दो। यह लड़ने मिटने का नहीं, साथ साथ जीने का समय है। आज मानवता को महाभारत नहीं महान भारत की आवश्यता है। भारत पीस ऑफ लैंड नहीं अपितु लैंड ऑफ पीस है।' उपरोक्त बातें दिव्यांग मुक्त भारत के सूत्रधार एवं परमार्थ निकेतन के संस्थापक-अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द ससरस्वती ने श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय द्वारा नेशनल लाइब्रोरी सभागार में शनिवार को आयोजित 40वें विवेकानंद सेवा सम्मान समारोह में सम्मान प्राप्त करने के उपरांत कही। समारोह में स्वामी जी को सम्मान स्वरूप एक लाख रुपये की राशि एवं मानपत्र प्रदान किया। समारोह के प्रधान अतिथि पश्चिम बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि ऋषियों एवं विद्वानों की धरती पश्चिम बंगाल में आज जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह हिन्दू के एकजुट होने का परिणाम है। हिन्दू जगेगा तो देश जगेगा यानी हिन्दू एकजुट होता है तो कुछ भी असंभव नहीं है।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता लाभान्वित

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के 6 साल पूरे होने पर कहा कि इस योजना के तहत पिछले छह वर्षों में देशभर के 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को लाभ मिला है। योजना ने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के 6 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अगर्तला में आयोजित कार्यक्रम में मनोहर लाल ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की उपस्थिति में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान त्रिपुरा के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को ऋण स्वीकृति पत्र और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए। मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में शहरी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल बिना गारंटी ऋण उपलब्ध कराना नहीं बल्कि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक 1.12 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 17,800 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 2.59 लाख से अधिक ऋण वितरित किए गए हैं, जिनके माध्यम से 430 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में अब तक 9,300 से अधिक ऋण स्वीकृत किए जा चुके हैं और लगभग 15 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थियों को वितरित की गई है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, योजना का प्रभाव व्यापक रहा है। इसके तहत 34.81 लाख महिला रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को सशक्त बनाया गया है ।

बंगाल में मिली जीत के बाद झारग्राम में चम्पाई सोरेन का भव्य स्वागत

आदिवासी समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक संरक्षण का दिया संदेश

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया विशेष संवाददाता

झारग्राम/रांचीः हाल ही में झारखंड के पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के झारग्राम आगमन पर आदिवासी समाज द्वारा उनका भव्य एवं ऐत स्वागत किया गया। झारग्राम के बिनपुर इलाके में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए और पूर्व मुख्यमंत्री का पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ अभिनंदन किया।

पारंपरिक रीति रिवाजों से चम्पाई सोरेन का किया गया स्वागत

बता दें, पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन भारत जकात मांझी परगना महाल द्वारा आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। उनके आगमन पर बिनपुर के नवनिर्वाचित भाजपा विधायक डॉक्टर प्रणात टुडू , मांझी परगना महाल के पदाधिकारियों तथा स्थानीय सामाजिक संगठनों ने उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली, जहां ढोल और नगाड़ों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच लोगों ने उनका अभिनंदन किया।

अपनी सांस्कृतिक विरासत और परम्पराओं की रक्षा करने के लिए होना होगा एकजुट- चम्पाई सोरेन अपने संबोधन में चम्पाई सोरेन ने आदिवासी समाज से सामाजिक एकता बनाए रखने तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की रक्षा के लिए संगठित होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस चुनाव में अपने संस्कारों, सामाजिक मूल्यों और परंपराओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से मतदान किया और परिवर्तन का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जनता ने कई वर्षों के कथित उत्पीड़न और उपेक्षा को पीछे छोड़ते हुए विकास एवं सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में अपना जनादेश दिया है।

चुनावी परिणाम के लिए जनता के प्रति जताया आभार

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने जंगलमहल क्षेत्र की जनता के प्रति

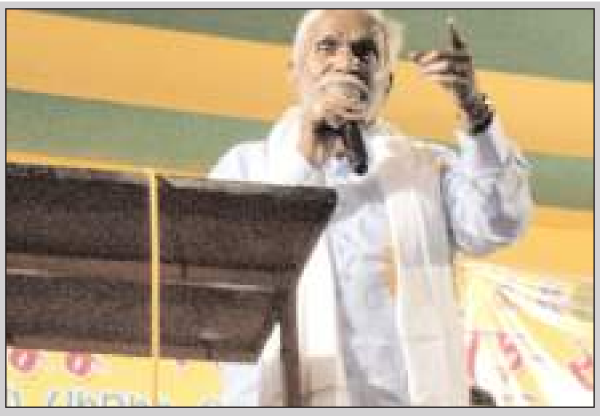

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र की 40 में से 38 सीटों पर भाजपा को मिली सफलता तथा राज्य की सभी 16 अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीटों पर पार्टी की जीत आदिवासी समाज के विश्वास और समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की आकांक्षाओं और अधिकारों की जीत भी है।

युवाओं को संकल्पित होकर अपने समाज के लिए काम करना होगा- चम्पाई सोरेन

चम्पाई सोरेन ने कहा कि आदिवासी समाज को अपनी रूढ़िजन्य परंपराओं, संस्कृति और पहचान को बचाने के लिए सतत प्रयास करना होगा। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपने इतिहास और महान नायकों से परिचित कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वीर सिदो कान्हू, बाबा तिलका मांझी, वीरांगना फूलो झानो और अन्य महान आदिवासी विभूतियों के संघर्ष एवं बलिदान की गाथाएं नई पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़कर ही समाज मजबूत और संगठित बन सकता है।

केंद्र सरकार द्वारा घुसपैठ के मुद्दे पर गंभीरता के साथ किया जा रहा है कार्य

चम्पाई सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने विकास और सुशासन के पक्ष में मतदान कर नया इतिहास रचा है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और जनता की अपेक्षाओं को पूरा किया जाएगा।सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए चम्पाई सोरेन ने कहा कि घुसपैठ की समस्या से निपटने के लिए सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

पश्चिम बंगाल चुनाव में चम्पाई सोरेन की अहम भूमिका- डॉ प्रणत टुडू

इस अवसर पर बिनपुर विधायक डॉ. प्रणत टुडू ने कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव में चम्पाई सोरेन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क कर लोगों को भाजपा की नीतियों से जोड़ने का कार्य किया। डॉ. टुडू ने कहा कि चम्पाई सोरेन का अनुभव, नेतृत्व और मार्गदर्शन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है तथा उनके बताए मार्ग पर चलकर आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए।

डॉ अब्बू कासीफ हसन के निर्देश पर स्वास्थ्य कर्मियों ने खाई कसम– न खुद तंबाकू छुएंगे न दूसरों को खाने देंगे।

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांडेय में तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चिकित्सा प्रभारी डॉ. अब्बू कासीफ हसन के दिशा-निर्देश पर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों ने तंबाकू का सेवन न करने और समाज को इसके प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए चिकित्सा पदाधिकारियों ने तंबाकू से होने वाले जानलेवा नुकसानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तंबाकू और सिगरेट का सेवन इंसान को धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल देता है।

तंबाकू से होने वाली मुख्य बीमारियां

मुख्य रूप से मुंह, गले और फेफड़ों का कैंसर।

हार्ट अटैक और ब्लड प्रेशर की गंभीर समस्याएं।

सांस फूलना, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी लाइलाज बीमारियां।

तंबाकू के अत्यधिक सेवन से लोग समय से पहले ही काल के गाल में समा जाते हैं।

स्वास्थ्य कर्मियों का संकल्प

हम शपथ लेते हैं कि हम स्वयं कभी भी किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन नहीं करेंगे और अपने परिजनों, मित्रों तथा अस्पताल में आने वाले मरीजों को भी इसके हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक कर तंबाकू छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

इस मौके पर डॉ मोनिका गाड़ी,प्रेमचन्द कुमार,सीमा रॉय, रामचंद्र मंडल,लता कुमारी,खुशबू कुमारी,सुष्मिता मुर्मू,रूपलाल टुडू,बिपिएम मोहन प्रसाद समेत एएनएम, एनएम और स्वास्थ्य कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित थे, जिन्होंने इस मुहिम को ग्रामीण स्तर तक ले जाने का संकल्प लिया।

स्वरवेद महामंदिर धाम की तर्ज पर बनेगा श्री रामलला पूजा समिति का दुर्गा पूजा पंडाल

सौरभ राय/ रफ्तार मीडिया

रांचीः पश्चिम बंगाल के बाद झारखंड की राजधानी रांची कि दुर्गा पूजा देश भर में चर्चित मानी जाती हैं। इस वर्ष भी दुर्गा पूजा भव्य रूप से मनाई जाएगी जिसकी तैयारी रामलला दुर्गा पूजा समिति ने कर दी है। बता दें, राजधानी रांची के जिला स्कूल मैदान में इस वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान वाराणसी स्थित स्वरवेद महामंदिर धाम के भव्य प्रारूप का दर्शन श्रद्धालुओं को कराया जाएगा। इसकी घोषणा रविवार को श्री रामलला पूजा समिति की बैठक में की गई, जो मेन रोड स्थित संकट मोचन मंदिर सभागार में समिति अध्यक्ष अशोक चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

इस वर्ष स्वरवेद महामंदिर धाम का प्रारूप तैयार किया जाएगा

बैठक के दौरान समिति के महासचिव कुणाल अजमानी ने बताया कि समिति पिछले दो वर्षों से भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन कर रही है। वर्ष 2024 में अयोध्या के श्रीराम मंदिर तथा 2025 में गुजरात के स्वामीनारायण मंदिर (भुज) के प्रारूप पर आधारित पंडाल का निर्माण किया गया था, जिसे श्रद्धालुओं ने काफी सराहा था।उन्होंने बताया कि इस बार दुर्गा पूजा 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित होगी और जिला स्कूल मैदान में स्वरवेद महामंदिर धाम का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

इसके निर्माण कार्य की शुरूआत अगस्त माह में भूमि पूजन के साथ होगी।

पूजा पंडाल के निर्माण में 60 दिनों का समय लगेगा

वहीं,अध्यक्ष अशोक चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि पूजा पंडाल के निर्माण में लगभग 60 दिनों का समय लगेगा।बैठक में पिछले वर्ष दुर्गा पूजा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग के लिए रांची के उपायुक्त, एडीएम एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।समिति ने बताया कि वाराणसी के उमरा गांव स्थित स्वरवेद महामंदिर धाम वर्ष 2023 में बनकर तैयार हुआ था। लगभग तीन लाख वर्गफुट क्षेत्र में फैला यह सात मंजिला भवन दुनिया का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र माना जाता है, जहां एक साथ 20 हजार लोग ध्यान कर सकते हैं। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

शहर का सबसे बड़ा पूजा समिति है राम लला दुर्गा पूजा समिति

बैठक में समिति के संरक्षक एवं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि श्री रामलला पूजा समिति झारखंड की प्रमुख पूजा समितियों में से एक है और इसके सफल आयोजन में सभी को योगदान देना चाहिए। उन्होंने समिति को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर महासचिव कुणाल अजमानी को पंजाबी हिंदू बिरादरी का अध्यक्ष मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया।

वहीं धुर्वा की पार्षद नीलम चौधरी को भी सम्मानित किया गया।बैठक में अध्यक्ष अशोक चौधरी, महासचिव कुणाल अजमानी, कोषाध्यक्ष प्रकाश धेलिया, प्रेमचंद श्रीवास्तव, धीरज तनेजा, रोहित अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राजू पोद्दार, मनीष सराफ, प्रवीण सिंह, दीपक चौधरी, प्रमोद सारस्वत, बादल सिंह सहित बड़ी संख्या में समिति सदस्य उपस्थित थे।

लॉटरी से सब्जी विक्रेताओं को मिली दुकानें, अतिक्रमण मुक्त शहर की ओर बढ़ा कदम

झुमरी तिलैया। नगर परिषद झुमरी तिलैया ने एक अशोक होटल के पीछे स्थित सब्जी मंडी में सब्जी विक्रेताओं के बीच लॉटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया।दुकान आवंटन कार्यक्रम नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर, उपाध्यक्ष मनोहर कुमार राम तथा कार्यपालक पदाधिकारी अंकित गुप्ता की मौजूदगी में आयोजित किया गया। लॉटरी के माध्यम से दुकानों का चयन किया गया, जिससे सभी पात्र विक्रेताओं को समान अवसर मिल सके।

नगर परिषद प्रशासन ने बताया कि स्टेशन रोड, हटिया रोड सहित शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर सड़क किनारे अस्थायी रूप से सब्जी बेचने वाले विक्रेताओं को अब व्यवस्थित बाजार परिसर में स्थान उपलब्ध कराया गया है। इस व्यवस्था से सड़क जाम, अतिक्रमण तथा आम लोगों को होने वाली परेशानियों में काफी कमी आने की उम्मीद है।कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद की टीम ने सफलतापूर्वक संपूर्ण प्रक्रिया का संचालन किया। इस अवसर पर नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार, पर्यवेक्षक बलराम कुशवाहा, दुलारचंद यादव, मिल्टन टंडन, मुकेश राणा, उमेश कुमार, शुभम कुमार सहित गृह रक्षक के जवान एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। नगर परिषद ने उम्मीद जताई कि इस पहल से शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और बाजार क्षेत्र अधिक सुव्यवस्थित रूप में विकसित होगा।

जामाडोबा गोलीकांड का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः

धनबाद के झरिया स्थित जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के जामाडोबा डुमरी नंबर-2 में हुई सनसनीखेज गोलीबारी की घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं। सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद महतो ने रविवार को प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी।एसडीपीओ ने बताया कि बीते 29 मई को डुमरी नंबर-2 निवासी 28 वर्षीय रिक्की सिंह को आपसी विवाद के दौरान गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घटना के बाद घायल की पत्नी चंदा कौर की लिखित शिकायत पर जोड़ापोखर थाना में कांड संख्या 64/26 दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न सुसंगत धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी।मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिंदरी एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया था। टीम ने मुस्तैदी से काम करते हुए सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और तकनीकी साक्ष्यों (साइबर सेल) की मदद से जांच आगे बढ़ाई। पुलिस ने छापेमारी कर दो नामजद आरोपियों नानक सिंह और आरिफ अंसारी को धर दबोचा। इनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दोनों बजाज पल्सर 220 मोटरसाइकिलें बोकारो स्टील रेलवे स्टेशन क्षेत्र से लावारिस हालत में बरामद की गईं।पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने कुबूल किया है कि वे अपने अन्य सहयोगियों हर्ष सिंह और गौरव सिंह के साथ रिक्की सिंह के घर के पास रखे रोपवे केबल को उठाने गए थे। इसी दौरान रिक्की सिंह और उसके भाई विजय उर्फ दारा सिंह के साथ उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज और मारपीट में बदल गया। इसके बाद जामाडोबा पेट्रोल पंप के समीप हर्ष सिंह ने रिक्की सिंह पर पिस्टल से गोली चला दी, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर गया।पुलिस तफ्तीश में यह बात भी सामने आई है कि पूर्व में घायल रिक्की सिंह और उसके दोनों भाई, आरोपी गौरव सिंह उर्फ गोपु के साथ मिलकर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे थे। हालांकि पुलिस वर्तमान विवाद की वास्तविक वजह और पूरे आपराधिक नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। एसडीपीओ प्रकाश चंद महतो ने साफ कहा कि मामले में फरार मुख्य आरोपी हर्ष सिंह और गौरव सिंह की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है, जिन्हें जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

रंगदारी के लिए गोलीबारी की साजिश नाकाम, राहुल सिंह गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

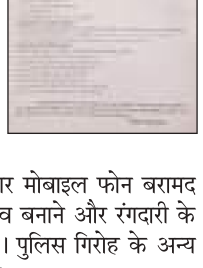

रफ्तार मीडिया संवाददाता मेदिनीनगर (पलामू) पुलिस ने हैदरनगर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात राहुल सिंह गिरोह के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अपराधी सड़क निर्माण कर रही डूअर्स कंस्ट्रक्शन कंपनी के कैंप पर गोलीबारी कर दहशत फैलाने और रंगदारी वसूलने की योजना बना रहे हैं। रऊढड हुसैनाबाद के नेतृत्व में छापेमारी कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से दो 9 एमएम पिस्टल, दो जिंदा कारतूस, छह मिसफायर गोलियां, एक खाली मैगजीन और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए।पूछताछ में आरोपियों ने कंपनी पर दबाव बनाने और रंगदारी के लिए गोलीबारी की योजना की बात स्वीकार की। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री परिवार ने चलाया नशामुक्ति अभियान, निकाली जागरूकता रैली

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभात फेरी व जनसंपर्क कार्यक्रम, नशामुक्त समाज निर्माण का लिया संकल्प

झुमरी तिलैया । विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा कोडरमा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक नशामुक्ति जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान डोमचांच प्रखंड के काराखुट, सपही एवं डोमचांच नगर, झुमरी तिलैया नगर तथा मरकच्चो प्रखंड के जामू ग्राम में प्रभात फेरी, जागरूकता रैली, नगर भ्रमण एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए।डोमचांच नगर में निकाली गई भव्य रैली के साथ-साथ काराखुट, सपही, झुमरी तिलैया और जामू में भी कार्यक्रम उत्साहपूर्वक संपन्न हुए। रैली में शामिल कार्यकताओं, युवाओं, मातृशक्ति एवं स्थानीय नागरिकों ने हाथों में बैनर, झंडे, मशाल और तख्तियां लेकर तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के

प्रति लोगों को जागरूक किया। रैली के दौरान तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशामुक्त समाज, स्वस्थ समाज और युवा जागे, देश आगे जैसे प्रेरक नारों के साथ गीतों के माध्यम से भी जनमानस को जागरूक किया गया। कार्यकताओं ने लोगों को बताया कि तंबाकू सेवन कैंसर, हृदय रोग सहित अनेक गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। उन्होंने सभी से नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

अभियान के दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्त जीवन का संकल्प भी दिलाया गया। ग्रामीणों से आग्रह किया गया कि वे स्वयं नशे की आदत छोड़ने का प्रयास करें तथा बच्चों और युवाओं को भी इससे दूर रखें, ताकि परिवार, समाज और राष्ट्र का समुचित विकास हो सके।कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा, उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज, वार्ड पार्षद नीतू देवी एवं गुड़िया देवी ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नगर अध्यक्ष उमेश वर्मा ने कहा कि नशामुक्ति की शुरूआत छोटे-छोटे संकल्पों से होती है और गायत्री परिवार का यह अभियान समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। वहीं उपाध्यक्ष आदर्श कुमार पंकज ने कहा कि नशे के कारण अनेक परिवार बबार्दी की कगार पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में इस प्रकार के जनजागरण कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सरकार की नशा नियंत्रण नीति पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशे पर प्रभावी रोक लगाने के लिए और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भविष्य में भी ऐसे अभियान चलाने में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

अभियान को सफल बनाने में शिव कुमार वर्णवाल, ओम प्रकाश विश्वकर्मा, रामस्वरूप विश्वकर्मा, राजकुमार मेहता, सीताराम मेहता, प्रकाश नारायण मेहता, अनिल पंडित, बिनोद साव, जीतू सिन्हा, रघुवीर मेहता, सुनीता वर्णवाल, मंजू वर्णवाल, शकुंतला मेहता, बबीता वर्णवाल, रेखा देवी, पूनम देवी, सुनीता देवी, अनीषा वर्णवाल, मधु वर्णवाल, सुनीता साव, गीता देवी, पुष्पा देवी सहित सैकड़ों महिला-पुरुष कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।झुमरी तिलैया में संतोष वर्णवाल, सुनीता सिंह एवं लक्ष्मण मंडल के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं जामू में राजेंद्र साव, गणेश साव, बालेश्वर साव, मनोहर प्रसाद, सीताराम यादव, सरजू यादव, संतोष यादव, सुनील राणा, रामशरण यादव, राजेश यादव एवं सुनैना देवी तथा सपही में श्यामसुंदर यादव, अश्विनी जी, गणेश सिंह, बिनोद राजवंशी, अमृत सिंह, फुलवा देवी, लाली कुमारी, यशोदा देवी, चंपा देवी और दुलारी देवी की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया गया।

भीषण गर्मी और मौसम की मार के बीच मसीहा बना विप्र फाउंडेशन!

रांची के लालपुर चौक पर उमड़ा जरूरतमंदों का हुजूम

विशेष संवाददाता, रामगढ़/ रांची/ डीके राठौर ।

मौसम का मिजाज बदला तो विप्र फाउंडेशन ने भी सेवा का ऐसा मोर्चा संभाला कि देखने वाले दंग रह गए! एक तरफ आसमान से बरसती आग और दूसरी तरफ अनियोजित बेमौसम बारिश की दोहरी मार झेल रही जनता की मदद के लिए विप्र फाउंडेशन झारखंड (जोन-6) मसीहा बनकर सामने आया है। रविवार, 31 मई 2026 को रांची का लालपुर चौक एक ऐतिहासिक सेवा कार्य का गवाह बना, जहां विप्र फाउंडेशन की ओर से आयोजित विशाल सामाजिक सेवा शिविर में जरूरतमंदों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

धूप और बारिश से मिलेगी राहतः बांटे गए छाते और गमछे

सुबह ठीक 11:30 बजे जैसे ही शिविर की शुरूआत हुई, लालपुर चौक पर राहगीरों और जरूरतमंदों की कतारें लग गईं। इस भीषण और जानलेवा गर्मी से सिर छुपाने के लिए फाउंडेशन की ओर से सैकड़ों लोगों के बीच छाते और गमछों का वितरण किया गया। विप्र फाउंडेशन की इस त्वरित और समयोचित पहल ने न सिर्फ लोगों को चिलचिलाती धूप से बचाया, बल्कि समाज में इंसानियत की एक नई मिसाल पेश की है। हर कोई इस कदम की खुलकर सराहना कर रहा है।

दिग्गजों ने संभाली कमान, महिला शक्ति ने दिखाया दम

यह पूरा विशाल आयोजन राष्ट्रीय पदाधिकारी श्री निरंजन शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विप्र फाउंडेशन के दिग्गज नेताओं ने जमीन पर उतरकर मोर्चा संभाला।

झारखंड प्रांतीय अध्यक्ष श्री जय प्रकाश शर्मा, झारखंड प्रान्तीय संगठन महामंत्री प्रदीप कुमार शर्मा, प्रांतीय महामंत्री अजय दधीचि, पूर्व प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत और पूर्व प्रांतीय सचिव श्री अमित मणि शर्मा खुद व्यवस्था संभालते नजर आए।

महिला शक्ति की गूंजः इस सेवा कार्य में महिला मंडल की सक्रियता ने चार चांद लगा दिए। महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती उमंग जोशी, श्रीमती प्रभा शर्मा और श्रीमती कृष्णा शर्मा सहित समस्त विप्र बंधुओं ने जी-जान से जुटकर इस अभियान को सफल बनाया।

संकट के समय विप्र फाउंडेशन की बड़ी हुंकार

विप्र फाउंडेशन के प्रांतीय अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा एवं संगठन महामंत्री प्रदीप कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम की सफलता की जानकारी देते हुए कहा कि संकट के इस दौर में समाज के हर तबके को राहत पहुंचाना ही उनका मुख्य संकल्प है।

इस ऐतिहासिक और सराहनीय कार्य के बाद पूरे झारखंड में विप्र फाउंडेशन की चौतरफा वाहवाही हो रही है। इस प्रकार के सतत प्रयासों ने यह साबित कर दिया है कि जब भी जनता पर मौसम या किसी अन्य संकट की मार पड़ेगी, विप्र फाउंडेशन ढाल बनकर खड़ा रहेगा!

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नवाडीह में जामताड़ा डीएलएसए ने चलाया जागरूकता अभियान, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :
विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के तत्वावधान में प्रखंड क्षेत्र के नवाडीह गांव में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ और नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्राधिकार के अधिकार मित्र विश्वजीत पाल एवं प्रकाश हेंब्रम ने संयुक्त रूप से उपस्थित ग्रामीणों, विद्यार्थियों और युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों सहित कई जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं का प्रमुख कारण है।वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों से तंबाकू एवं अन्य नशे से दूर रहने की अपील करते हुए इसके दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। शिविर के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य संबंधी कानूनी अधिकारों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण केवल सामूहिक जागरूकता और जनसहभागिता से ही संभव है।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों को तंबाकू का सेवन नहीं करने तथा अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लेकर तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एसएसबी जवानों ने ली तंबाकू मुक्त जीवन की शपथ

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/ वरीय संवाददाता
विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 29वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), गयाजी परिसर में रविवार को तंबाकू निषेध प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कमांडेंट कुणाल ने क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन) एवं 29वीं वाहिनी एसएसबी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों तथा जवानों को तंबाकू एवं नशीले पदार्थों से दूर रहने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर कमांडेंट कुणाल ने कहा कि तंबाकू का सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इससे न केवल व्यक्ति बल्कि उसका परिवार और पूरा समाज प्रभावित होता है। उन्होंने सभी बलकर्मियों से तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी खतरों के प्रति जागरूक करना और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी अंजय रजक, असीम उपाध्याय एवं दिनेश कुमार सहित क्षेत्रक मुख्यालय (विशेष प्रचालन) और 29वीं वाहिनी एसएसबी के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी तथा जवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से तंबाकू मुक्त जीवन और स्वस्थ समाज का संदेश दिया गया।

ऑपरेशन ऑल आउट-2 : कोडरमा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 39 वारंटी एवं फरार अभियुक्त गिरफ्तार

झुमरीतिलैया - कोडरमा पुलिस ने जिले में अपराध एवं फरार अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान "ऑपरेशन ऑल आउट-2" चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। 30 मई की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी अभियान चलाते हुए कुल 39 वारंटी एवं फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में तिलैया थाना से 10, चंदवारा थाना से 7, कोडरमा थाना से 5, नवलशाही थाना से 4, डोमचांच थाना से 3, तिलैया डैम ओपी से 3, सतगावां थाना से 3, मरकच्चो थाना से 2 तथा जयनगर थाना से 2 अभियुक्त शामिल हैं। अभियान की विशेष उपलब्धि यह रही कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में कई ऐसे वारंटी भी शामिल हैं जो लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर थे। इनमें डोमचांच थाना क्षेत्र का एक वारंटी पिछले 16 वर्षों से फरार चल रहा था, जबकि तिलैया डैम ओपी क्षेत्र के दो वारंटी सात वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहे थे। पुलिस ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए इन सभी को गिरफ्तार कर लिया।

5वीं फास्ट फाइव सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम के चयन की प्रक्रिया पूरी

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा :
झारखंड नेटबॉल संघ के तत्वावधान में गोड्डा जिला के गांधी मैदान में 5वीं फास्ट फाइव सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया गया। नेटबॉल महासंघ द्वारा नियुक्त ऑब्जर्वर साहेब मंडल की उपस्थिति में 31 मई 2026 को आयोजित इस ट्रायल में राज्य के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। चयन ट्रायल में गुमला, देवघर, जामताड़ा सहित विभिन्न जिलों के कुल 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों के तकनीकी कौशल, फिटनेस, खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना

का विशेष रूप से मूल्यांकन किया गया। इस ट्रायल के आधार पर चयनित खिलाड़ी आगामी 5वीं फास्ट फाइव सीनियर नेशनल नेटबॉल प्रतियोगिता में पुडुचेरी में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयनित खिलाड़ियों से राज्य को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। झारखंड नेटबॉल संघ के सचिव भूपेंद्र नाथ राम ने ट्रायल में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड की टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन करेगी।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला नेटबॉल संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सांसद के अध्यक्षता में पलामू जिला के समाहरणालय सभागार में आयोजित हुई दिशा की बैठक

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर पलामू
सांसद श्री विष्णु दयाल राम के अध्यक्षता में पलामू जिला समाहरणालय के सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुयी। इस बैठक में विशेषकर केंद्र प्रायोजित एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं/परियोजनाओं का विस्तृत समीक्षा की गयी।समीक्षा के क्रम में स्टे२८ के तहत बन रहे कुछ सड़को के निर्माण में अनियमितता की बात आने पर सांसद श्री राम ने प्रतिनिधियों को कहा कि लोग स्वयं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत खराब बना रही सड़कों का फोटो टैग करते हुए भारत सरकार के वेबसाइट मैनेजमेंट मॉनिटरिंग और अकाउंटिंग सिस्टम पर अपना कंप्लेंट डाल सकते हैं और अपने शिकायत का स्टेटस भी

चेक कर सकते हैं.शिक्षा विभाग द्वारा पाटन प्रखंड अंतर्गत मर्ज किये गए कुमहवा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के खुलवाने पर भी चर्चा हुई जिस पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि प्रखंड शिक्षा समिति से रिपोर्ट अप्राप्त होने के कारण विद्यालय को पुनः नहीं खोला जा सका है जिस पर झारखंड सरकार के वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को स्वयं 10 जून को जाकर शिक्षा समिति की बैठक करने की बात कही।वही लोहरा प्रखंड प्रमुख ने लोहरा पंचायत के गोरियाडीह में स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में जल से सम्बंधित मामले की ओर ध्यानाकृष्ट कराया जिसपर सम्बंधित पदाधिकारी को उक्त स्थल पर तत्काल डीप बोर करवाने हेतु आदेश दिया गया।भवन निर्माण निगम से बन रहे बालक एवं बालिका छात्रावास का जनप्रतिनिधियों के शिलान्यास के बगैर एवं बिना सुचना के निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से सांसद एवं विधायक ने काफी नाराजगी व्यक्त की।शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की हो रही लोड शडिंग एवं पावर कट की समस्या पर विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 50 मेगावाट की पावर ट्रांसफार्मर सितंबर 2026 तक लगाने का लक्ष्य है जिसके लगने के बाद जिले में पावर की समस्या से बहुत हद तक निजात मिलेगी।सांसद श्री राम ने सभी विभाग के पदाधिकारियों को विभागीय फोन को चालू रखने की बात कही उन्होंने कहा कि प्रायः देखा जा रहा है की सरकारी पदाधिकारी का विभागीय नम्बर अक्सर बंद रहता है जो अत्यंत निराशाजनक है। किसानों को धान के पैसा भुगतान नहीं होने से बीफरे सांसद ने कहा कि यदि किसानों का उनके धान का पैसा का भुगतान नहीं हुआ तो दोषी पैक्स के अनुज्ञप्तिधारियों का लाइसेंस रद्द किया जाए और उनके ऊपर विभागीय कारवाई की प्रक्रिया की जाए।

चूरी पश्चिमी: 55 लाख की लागत से बनने वाले स्वास्थ्य केंद्र के शिलान्यास पर विवाद, पंचायत प्रतिनिधियों में भारी आक्रोश

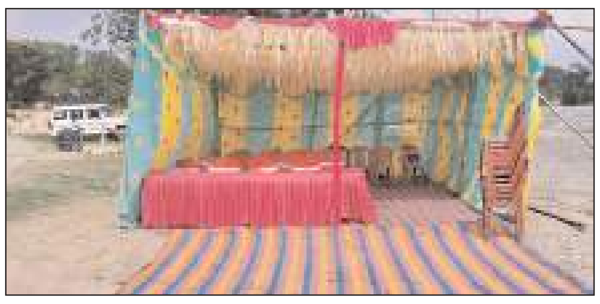

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता
खलारी : चूरी पश्चिमी पंचायत के भूत नगर बस्ती के समीप रेलवे लाइन ट्रैक के किनारे बनने वाले ?55 लाख की लागत के स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास विवादों के घेरे में आ गया है। इस स्वास्थ्य केंद्र का शिलान्यास करने के लिए कांके के माननीय विधायक सुरेश कुमार बैठा आ रहे हैं, लेकिन कार्यक्रम से ठीक पहले चूरी पश्चिमी के पंचायत प्रतिनिधियों ने इस पर अपनी भारी नाराजगी और विरोध दर्ज कराया है।

?प्रतिनिधियों का आरोपः "हमें अंधेरे में रखकर हो रहा है शिलान्यास"

?चूरी पश्चिमी की मुखिया शांति देवी, पंचायत समिति सदस्य कुंजिता देवी और कई वार्ड सदस्यों ने संयुक्त रूप से प्रशासन और विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि ?इतने बड़े जनहित के कार्य और शिलान्यास समारोह की जानकारी स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को नहीं दी गई।?न तो उन्हें इस कार्यक्रम में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया गया और न ही इस योजना को लेकर कोई पूर्व चर्चा की गई।?बिना स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लिए इस तरह का कदम उठाना लोकतंत्र और त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था का अपमान है।

?स्थान चयन पर उठे गंभीर सवालः रेलवे ट्रैक और धार्मिक स्थल का मामला

?जनप्रतिनिधियों और स्थानीय ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र के लिए चुने गए स्थान को पूरी तरह से अनुचित और गलत बताया है। विरोध के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं

?सुरक्षा का अभाव (रेलवे लाइन के समीप)ः जिस जगह पर स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है, वह बिल्कुल रेलवे लाइन ट्रैक के किनारे है। मरीजों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह स्थान सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद संवेदनशील और खतरनाक साबित हो सकता है।

?धार्मिक और सामाजिक भावनाएं आहतः

शांति देवी (मुखिया) एवं कुंजिता देवी (पंचायत समिति सदस्य), चूरी पश्चिमी के ग्रामीणों के अनुसार, जिस चिन्हित भूमि पर शिलान्यास किया जा रहा है, वहाँ लंबे समय से हिंदू समाज द्वारा 'दसगात्र' (दशकर्म) का धार्मिक कार्यक्रम संपन्न किया जाता है। इस स्थान पर स्वास्थ्य केंद्र बनने से समाज की धार्मिक गतिविधियों में बाधा आएगी और लोगों की भावनाएं आहत होंगी।हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन रेलवे ट्रैक के किनारे और धार्मिक गतिविधियों वाले स्थान पर स्वास्थ्य केंद्र बनाना जनहित में नहीं है। प्रशासन को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए और स्थानीय प्रतिनिधियों को विश्वास में लेना चाहिए।"

?ग्रामीणों में भी पनप रहा है आक्रोश

?इस पूरे मामले को लेकर भूत नगर बस्ती और चूरी पश्चिमी के ग्रामीणों में भी असमंजस और गुस्से का माहौल है। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र ऐसी जगह होना चाहिए जहाँ आम जनता आसानी से और सुरक्षित तरीके से पहुँच सके। रेलवे ट्रैक के पास अस्पताल बनने से हर वक्त दुर्घटना का डर बना रहेगा।?अब देखना यह होगा कि जनभावनाओं और पंचायत प्रतिनिधियों के इस भारी विरोध के बीच विधायक सुरेश कुमार बैठा और संबंधित विभाग इस शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर क्या रुख

साइकिल शर्म नहीं, शान है : पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह

सीनियर बच्चों को साइकिल से विद्यालय भेजने और शहर में सुरक्षित साइकिल ट्रैक बनाने की अपील

झुमरीतिलैया - कोल्हान के पूर्व डीआईजी राजीव रंजन सिंह ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने सीनियर बच्चों (कक्षा 7 एवं उससे ऊपर) को स्कूल, कॉलेज तथा दैनिक आवागमन के लिए साइकिल का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

राजीव रंजन सिंह ने कहा कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से बच्चों का शारीरिक विकास बेहतर होता है, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा मानसिक और आंतरिक शक्ति का विकास होता है। इसके साथ ही पेट्रोल पर होने वाला खर्च कम होता है और पर्यावरण प्रदूषण में भी कमी आती है, जो देशहित में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि

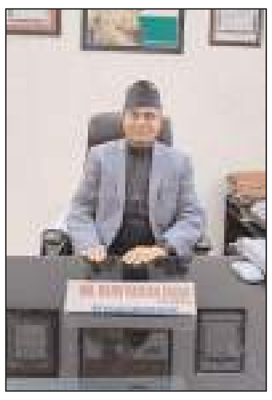

नीदरलैंड्स, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों में साइकिल चलाना गर्व और सम्मान की बात मानी जाती है। वहां साइकिल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए बेहतर आधारभूत संरचनाएं विकसित की गई हैं। इसके विपरीत भारत में आज भी कई लोग साइकिल चलाने को हीन भावना से जोड़कर देखते हैं, जबकि यह सोच बदलने की आवश्यकता है।

पूर्व डीआईजी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी समय-समय पर पेट्रोल और ऊर्जा की बचत का संदेश देते रहे हैं। ऐसे में साइकिल का उपयोग इस दिशा में एक व्यावहारिक और प्रभावी कदम साबित हो सकता है।

उन्होंने जिला प्रशासन एवं सरकार से मांग करते हुए कहा कि झुमरी तिलैया सहित सभी शहरों की मुख्य सड़कों पर साइकिल चालकों के लिए अलग और सुरक्षित साइकिल ट्रैक या लेन का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, ताकि बच्चे, विद्यार्थी और आम नागरिक सुरक्षित रूप से साइकिल चला सकें।

राजीव रंजन सिंह ने बताया कि नीदरलैंड्स में लगभग 28 प्रतिशत यात्राएं साइकिल से होती हैं और एम्स्टर्डम में करीब 46 प्रतिशत लोग साइकिल से अपने कार्यस्थल तक पहुंचते हैं। डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में 62 प्रतिशत लोग लंबी दूरी की यात्रा के लिए साइकिल का उपयोग करते हैं। जर्मनी के बर्लिन शहर में भी बड़ी संख्या में लोग साइकिल से आवागमन करते हैं। वहीं चीन ने बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए पुनः साइकिल संस्कृति को बढ़ावा देना शुरू किया है।

उन्होंने कहा कि भारत में 50 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास साइकिल उपलब्ध है, लेकिन सुरक्षित साइकिल ट्रैक और सकारात्मक सोच के अभाव में इसका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। जिन देशों ने साइकिल संस्कृति को अपनाया है, वहां मोटापा, मधुमेह, प्रदूषण और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं में उल्लेखनीय कमी देखी गई है।

अंत में राजीव रंजन सिंह ने कहा, ह्लसाइकिल चलाना पिछड़ेपन की नहीं, बल्कि समझदारी, स्वास्थ्य जागरूकता और देशभक्ति की निशानी है। साइकिल शर्म नहीं, शान है।

जगन्नाथ जैन कॉलेज का स्थानांतरण किसी भी सूरत में नहीं होने देंगे : झामुमो

झुमरीतिलैया - झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) छात्र मोर्चा एवं युवा मोर्चा की ओर से जगन्नाथ जैन महाविद्यालय को विनोबा भावे विश्वविद्यालय से हटाकर सर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध किए जाने के मुद्दे पर चंदवारा स्थित पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय के आवासीय कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष सुधाकर यादव एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम ने संयुक्त रूप से किया।

प्रेस वार्ता में झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा, जिला संगठन सचिव मोहम्मद कुदूस समेत पार्टी के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए छात्र मोर्चा जिला अध्यक्ष सुधाकर यादव एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम ने स्पष्ट कहा कि जगन्नाथ जैन महाविद्यालय का गिरिडीह विश्वविद्यालय में स्थानांतरण किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की वर्तमान स्थिति को बरकरार रखा जाएगा तथा विद्यार्थियों के हितों के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला समिति इस मामले को लेकर राज्य सरकार के संपर्क में है और सरकार ने भी आश्वासन दिया है कि विद्यार्थियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए महाविद्यालय की यथास्थिति बनाए रखी जाएगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित नेताओं ने हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन और सड़क जाम की घटना पर भी चिंता

व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आंदोलन में कुछ विपक्षी दलों के लोगों द्वारा हस्तक्षेप कर सड़क जाम करने का प्रयास किया गया, जिससे आम लोगों को असुविधा हुई। झामुमो जिला समिति ने इस पर खेद जताते हुए जिला प्रशासन से भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने कहा कि हाल की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है और इसके पीछे स्थानीय सांसद की भूमिका रही है। वहीं जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा ने भाजपा पर शिक्षा के प्रति उदासीन रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की महत्वपूर्ण परीक्षाओं के संचालन में पारदर्शिता बनाए रखने में केंद्र सरकार विफल रही है, जिससे विद्यार्थियों में निराशा का माहौल बना है।

झामुमो नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि झारखंड सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में युवाओं के लिए रोजगार और विकास के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि झारखंड की जनता अपनी अस्मिता और राज्य के विकास की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग है और भविष्य में भी ऐसे प्रयासों का समर्थन करती रहेगी।

12वीं के बाद क्या करें? इस सवाल का जवाब देने के लिए ग्लोबस एजुकेशन ने आज रांची में 'शिक्षा गौरव सम्मान 5.0' एक्सपो का आयोजन किया।

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)
रांचीः 12वीं के बाद क्या करें? इस सवाल का जवाब देने के लिए ग्लोबस एजुकेशन ने आज रांची में 'शिक्षा गौरव सम्मान 5.0' एक्सपो का आयोजन किया। एक निजी होटल में हुए इस एक्सपो में 32 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि पहुंचे। मकसद था झ बच्चों को उच्च शिक्षा और करियर के लिए सही मार्गदर्शन देना।

रांचीः ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से आज रांची के एक निजी होटल में 'शिक्षा गौरव सम्मान 5.0' एक्सपो का आयोजन किया गया। 12वीं पास छात्रों के लिए ये एक्सपो करियर की दिशा तय करने का बड़ा मंच बना।

एक्सपो में देशभर के 32 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उन्होंने छात्रों को कोर्स, एडमिशन प्रक्रिया, स्कॉलरशिप और प्लेसमेंट की जानकारी दी। ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से फैसिलिटी सेरेमनी और स्कॉलरशिप स्टूडेंट्स के लिए विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया।

रांची के कई नामी स्कूलों के प्रधानाचार्य और प्रतिनिधि भी एक्सपो में पहुंचे। छात्रों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और एक्सपर्ट्स से सीधे सवाल पूछे।

इस तरह के आयोजन बहुत जरूरी हैं। 12वीं के बाद बच्चे अक्सर कन्फ्यूज रहते हैं। यहां एक छत के नीचे 32 यूनिवर्सिटी की जानकारी, स्कॉलरशिप की डिटेल और एक्सपर्ट गाइडेंस मिल रही है। इससे बच्चे सही फैसला लेकर अपना भविष्य संवार सकते हैं।

मुझे इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट दोनों में इंटरेस्ट था। यहां आकर क्लियर हो गया कि कौन सा कोर्स मेरे लिए बेस्ट है। स्कॉलरशिप के

बारे में भी पता चला। बहुत हेल्पफुल रहा।

ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन का कहना है कि 'शिक्षा गौरव सम्मान' का मकसद सिर्फ एडमिशन कराना नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन देना है। एक्सपो में करियर काउंसलिंग, एप्टीट्यूड टेस्ट और वन-टू-वन सेशन भी कराए गए।

आयोजकों ने बताया कि झारखंड के छात्रों में टैलेंट की कमी नहीं, बस सही जानकारी और प्लेटफॉर्म की जरूरत है। इस तरह के एक्सपो से पलायन रुकेगा और बच्चे यहीं बेहतर विकल्प चुन पाएंगे।

ग्राफिक्स - शिक्षा गौरव सम्मान 5.0ः एक नजरः
आयोजकः ग्लोबस एजुकेशन फाउंडेशन
स्थानः निजी होटल, रांची
मकसदः 12वीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा-करियर मार्गदर्शन
भागीदारीः 32 मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि
खासः फैसिलिटी सेरेमनी, स्कॉलरशिप स्टूडेंट्स के लिए विशेष सत्र
उपस्थितिः रांची के स्कूलों के प्रधानाचार्य, छात्र, अभिभावक
फायदाः कोर्स, एडमिशन, स्कॉलरशिप, प्लेसमेंट की सीधी जानकारी

रिजल्ट आ गया, अब क्या? ये सवाल हर 12वीं पास छात्र के दिमाग में घूमता है। और इसी सवाल का जवाब बनकर आया 'शिक्षा गौरव सम्मान 5.0'। ग्लोबस एजुकेशन ने रांची में 32 यूनिवर्सिटी को एक छत के नीचे ला दिया। ना दलाल, ना कन्फ्यूजन झ सीधे एक्सपर्ट से बात, सीधी जानकारी।

स्कॉलरशिप का रास्ता भी खुला, करियर की राह भी साफ हुई। स्कूल प्रिंसिपल भी मान रहे हैं झ ऐसे एक्सपो से ही बच्चे भटकते नहीं, तराशे जाते हैं। डिग्री के लिए दूसरे राज्यों की दौड़ लगाने से पहले, एक बार अपने शहर में विकल्प देख लेना जरूरी है। क्योंकि सही मार्गदर्शन मिले तो मंजिल दूर नहीं।

स्वास्थ्य सेवाओं एवं मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिलन भगत/गोड्डा

रविवार को जिला दंडाधिकारी सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा द्वारा सदर अस्पताल, गोड्डा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं, दवा वितरण व्यवस्था, साफ-सफाई, मरीजों की देखभाल तथा विभिन्न विभागों के कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड, पुरुष एवं महिला वार्ड, दवा वितरण केंद्र, पंजीकरण काउंटर सहित अस्पताल परिसर के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं

उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के स्टॉक, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की स्थिति एवं विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि आवश्यक दवाओं एवं जांच सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने, जैव चिकित्सा अपशिष्टों के समुचित निष्पादन तथा मरीजों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को नियमित निगरानी एवं निरीक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा।*

सोनाहातु जर्जर राड़ू नदी पुल पर दौड़ रहे भारी वाहन, बड़े हादसे का खतरा

रफ़्तार मिडिया सोनाहातु संवाददाता

सोनाहातु। सिल्ली-रंगामाटी मुख्य मार्ग पर जाडेया मोड के समीप राड़ू नदी पर स्थित पुल अत्यंत जर्जर और खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है।पुल के कई हिस्सों से कंक्रीट उखड़ चुकी है तथा लोहे के सरिये बाहर दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद पुल से भारी वाहनों का आवागमन लगातार जारी है, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। जानकारी के अनुसार पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, रांची ग्रामीण द्वारा पुल की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग केवल सतही मरम्मत कर खानापूर्ति कर रहा है। उनका कहना है कि बाहर निकले सरियों पर केवल सीमेंट की परत चढ़ाई जा रही है, जिससे पुल की वास्तविक मजबूती सुनिश्चित नहीं हो पा रही है।पुल की गंभीर स्थिति को देखते हुए कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल रांची (ग्रामीण) द्वारा मरम्मत कार्य के दौरान पुल को अगले आदेश तक बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है। विभाग की ओर से इस संबंध में सूचना बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बावजूद प्रशासनिक निगरानी के अभाव में दिन-रात भारी वाहनों का आवागमन जारी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने हाल ही में खूंटी जिले में पुलिया धंसने की घटना का हवाला देते हुए प्रशासन को आगाह किया है।मानसून के आगमन से पहले स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। बरसात के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने तथा तेज बहाव के कारण पुल पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, जिससे इसके क्षतिग्रस्त होने का खतरा बढ़ जाएगा।क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से जर्जर पुल पर भारी वाहनों के आवागमन पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने, बैरिकेडिंग कर सख्ती से आदेश का पालन कराने, वैकल्पिक मार्ग से वाहनों का परिचालन सुनिश्चित करने तथा अविलंब नए पुल के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।

जामताड़ा के बूथों पर गूंजा प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम, भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना 134वां एपिसोड

रफ्तार मीडिया / संवाददाता जामताड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें संस्करण का रविवार को जामताड़ा जिले के विभिन्न बूथों पर भाजपा कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। जिले के सभी प्रमुख बूथों पर कार्यक्रम के प्रसारण को सुनने के लिए कार्यकताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। बूथ संख्या 237 पर नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जबकि बूथ संख्या 252 पर जिला महामंत्री कमलेश मंडल के नेतृत्व में कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण और जिला उपाध्यक्ष कमलेश मंडल ने बताया कि जिले के सभी

बूथों पर पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के विचारों को सुनने और जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए लोगों से स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा अत्यधिक आवश्यकता होने पर ही तेज धूप में बाहर निकलने की सलाह दी। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश आमजन के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर नेताओं ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 22 जून तक विभिन्न विशेष कार्यक्रम और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे। इसके लिए पार्टी कार्यकताओं ने तैयारियां भी प्रारंभ कर दी हैं। अभियान के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाएगी। नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं का विशेष रूप से उत्साहवर्धन किया।उन्होंने रांची में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों द्वारा बनाए गए नए रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए उनकी सराहना की। इससे युवाओं में खेल और राष्ट्र निर्माण के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सर्खेल, जिला मंत्री आभा आर्या, नगर मंत्री ब्रजेश राउत, बूथ अध्यक्ष धीरज प्रसाद, रमेश राउत, किशोर सर्खेल, बापी महता, अर्घ चटर्जी, सोनू महता, जीवन महता, जीत सर्खेल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दुकान आवंटन में फंसा पेंच: पुराने आवेदक बोले- नियम तोड़ा, नया टेंडर रद्द हो

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम

मिहिजाम स्थित पानी टंकी के समीप जिला परिषद की भूमि पर ऊपरी तल्ले में बनी 20 नई दुकानों के आवंटन को लेकर विवाद गहरा गया है। वर्ष 2024 में आवेदन करने वाले 12 आवेदकों ने उपायुक्त जामताड़ा को संयुक्त आवेदन देकर पुराने नियमों के तहत दुकान आवंटन और 20 मई 2026 को जारी नए विज्ञापन को रद्द करने की मांग की है। जिला परिषद ने 20 जुलाई 2024 को विज्ञापन संख्या पीआर 330019 रूरल डेवलपमेंट (24-25) डी जारी कर 20 दुकानों के लिए आवेदन मांगे थे। अंतिम तिथि 3 अगस्त 2024 तक कुल 12 लोगों ने शुल्क व दस्तावेजों के साथ आवेदन किया। विज्ञापन में स्पष्ट था कि दुकानों से अधिक आवेदन आने पर ही लॉटरी होगी। आवेदकों का तर्क है कि 20 दुकानों के मुकाबले सिर्फ 12 आवेदन आए थे, इसलिए सभी को सीधे दुकान मिलनी चाहिए थी। लेकिन आवंटन लंबित छोड़ दिया गया। बची 8 दुकानों के लिए 9 अगस्त 2024 को विज्ञापन संख्या पीआर 332179 जारी कर फिर आवेदन मांगे गए। आवेदकों का दावा है कि दूसरे चरण में आवेदन दुकानों के बराबर या थोड़े अधिक थे, ऐसे में लॉटरी से आवंटन होना था। तब दुकानों का निर्माण भी शुरूआती दौर में था। अब निर्माण पूरा होने के बाद जिला परिषद ने 20 मई 2026 को विज्ञापन संख्या पीआर 380120 डिस्ट्रिक (26-27) डी जारी कर उन्हीं दुकानों के लिए नए सिरे से आवेदन मांग लिए। 2024 के आवेदकों ने इसे अनुचित बताया। उनका कहना है कि नियमों के तहत बैंक ड्राफ्ट जमा करने के बावजूद उनके आवेदनों पर निर्णय नहीं लिया गया और बिना कारण नई प्रक्रिया शुरू कर दी गई। नए विज्ञापन की निष्पक्ष जांच तक प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए और जरूरत पड़े तो उसे निरस्त किया जाए। आवेदक सिर्फ पारदर्शी और नियमसम्मत आवंटन चाहते हैं। अब सबकी नजर जिला प्रशासन के फैसले पर है।

संघ की पाठशाला: चित्तरंजन में नए स्वयंसेवकों को मिला राष्ट्रसेवा का मंत्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता चित्तरंजन

चित्तरंजन नगर में वर्ष 2026 के नगर परिचिति वर्ग का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस वर्ग में बड़ी संख्या में नवागत स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। वर्ग के माध्यम से नए स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा, उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं संगठनात्मक संरचना से परिचित कराया गया। विभिन्न बौद्धिक और संवादात्मक सत्रों में उन्हें संघ के राष्ट्रनिर्माण के कार्य, सेवा गतिविधियों तथा समाज जीवन में स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया। उपस्थित स्वयंसेवकों ने पूर्ण उत्साह, अनुशासन एवं जिज्ञासा के साथ सहभागिता की और संघ कार्य को निकटता से समझा। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन नए स्वयंसेवकों के लिए संघ जीवन की ओर एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागी स्वयंसेवकों, कार्यकताओं एवं सहयोगियों का अभिनंदन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि सभी नवागत स्वयंसेवक संघे शक्ति कलियुगे की भावना के साथ राष्ट्रसेवा एवं समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए संघ कार्य को और अधिक सशक्त बनाएंगे। सभी ने सामूहिक रूप से इसका संकल्प लिया। इस मौके पर आरएसएस के कई सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल, छात्र नेता ने जताई चिंता

बड़ा सवाल: 6 हजार छात्रों वाले कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान क्यों खाली रहीं कुर्सियां। नियमित कक्षाओं के अभाव और संवादहीनता के कारण कॉलेज से दूर हो रहे विद्यार्थी: नितेश कुमार मोदी

रामगढ़।
रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

रामगढ़ महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्यार्थियों की नगण्य (ना के बराबर) उपस्थिति ने कॉलेज की वर्तमान शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। इस गंभीर स्थिति पर चिंता जताते हुए छात्र नेता नितेश कुमार मोदी ने कॉलेज प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति केवल किसी एक कार्यक्रम की विफलता नहीं है, बल्कि संस्थान और विद्यार्थियों के बीच बढ़ती गहरी खाई का साफ संकेत है।

वीआईपी जुटते रहे, पर छात्र रहे नदारद

छात्र नेता नितेश कुमार मोदी ने कहा कि जिस गरिमामय कार्यक्रम में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रॉक्टर, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष रामगढ़ के उपायुक्त और उप विकास आयुक्त सहित कई नामचीन शिक्षाविद मौजूद थे, वहां

छात्रों की अपेक्षित भागीदारी न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। लगभग 6000 की छात्र संख्या वाले इस बड़े महाविद्यालय के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में आखिर छात्र क्यों नहीं जुटे इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

उत्साह से आते हैं छात्र, पर अव्यवस्था तोड़ देती है हौसला

कॉलेज के माहौल पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि नए छात्र सत्र की शुरूआत में बड़े उत्साह के साथ परिसर आते हैं। लेकिनः

समय पर कक्षाओं का संचालन न होना,

मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव,

और छात्र-हितैषी माहौल की कमी के कारण धीरे-धीरे विद्यार्थियों की रुचि खत्म होने लगती है।

उन्होंने साफ किया कि शिक्षण संस्थानों का उद्देश्य सिर्फ नामांकन संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों को अकादमिक और सांस्कृतिक रूप से परिसर से जोड़कर रखना भी है।

"यदि कोई छात्र समूह स्वयं आगे बढ़कर शैक्षणिक, सांस्कृतिक या सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करना चाहता है, तो उसे संस्थागत सहयोग के बजाय निराशा हाथ लगती है। ऐसे में छात्रों की सहभागिता कैसे बढ़ेगी"

- नितेश कुमार मोदी, छात्र नेता

यही हाल रहा तो कैसे मिलेगा विश्वविद्यालय का दर्जा

नितेश मोदी ने कहा कि एक तरफ रामगढ़ महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने की मांग उठती रही है, वहीं दूसरी तरफ वर्तमान स्थिति में सबसे बड़ी चुनौती कॉलेज परिसर को छात्रों से आबाद रखने की हो गई है। अगर छात्र ही गायब रहेंगे, तो उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पूरी तरह प्रभावित होना तय है। इसके साथ ही उन्होंने 'नैक' मूल्यांकन की प्रक्रियाओं में भी पूरी पारदर्शिता बरतने और रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की।

ठोस कदम न उठाए तो आंदोलन की चेतावनी

छात्र नेता ने कॉलेज प्रशासन से मांग की है किः

नियमित कक्षाओं का संचालन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए।

आधारभूत सुविधाओं में तुरंत सुधार लाया जाए।

छात्र-शिक्षक संवाद को मजबूत करने के लिए समयबद्ध कदम उठाए जाएं।

उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि छात्रहित से जुड़े इन बुनियादी मुद्दों की अनदेखी जारी रही, तो छात्र समुदाय लोकतांत्रिक तरीके से एक बड़े और व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन की होगी।

सीसीएल तेतरिया खाड़ परियोजना में रोड सेल बंद होने से ट्रांसपोर्टरों में रोष, डीओ चालू कराने की मांग

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ सीसीएल तेतरिया खाड़ परियोजना में रोड सेल बंद किए जाने के विरोध में ट्रांसपोर्टरों ने परियोजना प्रबंधन को आवेदन सौंपकर तत्काल डीओ (डिलीवरी ऑर्डर) चालू कराने की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि तेतरिया खाड़ परियोजना से लगभग 35 वर्षों से रोड सेल के माध्यम से कोयले का परिवहन होता आ रहा था, लेकिन 28 अप्रैल 2026 से रोड सेल व्यवस्था पूरी तरह बंद कर दी गई है।आवेदन के अनुसार, परियोजना में लगभग एक लाख टन कोयले का डीओ लंबित है, जबकि सीसीएल प्रबंधन द्वारा डीओ जारी नहीं किया जा रहा है। इससे परिवहन कार्य से जुड़े ट्रांसपोर्टरों, वाहन मालिकों, चालकों एवं मजदूरों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। कई वाहनों का संचालन ठप पड़ गया है और संबंधित लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।ट्रांसपोर्टरों ने कहा है कि यदि शीघ्र रोड सेल के डीओ चालू नहीं किए गए तो आगामी दिनों में सभी डीओ धारक एवं ट्रांसपोर्टर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। आवेदन में चेतावनी दी गई है कि 4 जून 2026 तक रोड सेल पुनः शुरू नहीं होने की स्थिति में चक्का जाम एवं अन्य आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सीसीएल प्रबंधन की होगी।इस संबंध में ट्रांसपोर्टरों ने सीसीएल प्रबंधन से मामले में हस्तक्षेप कर जल्द समाधान निकालने और लंबित डीओ के आधार पर रोड सेल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

चूरी पश्चिमी के डकरा में 55 लाख की लागत से बनेगा उप स्वास्थ्य केंद्र, विधायक सुरेश कुमार बैठा ने किया शिलान्यास

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता।

खलारी : स्थानीय ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। चूरी पश्चिमी पंचायत के डकरा में 55 लाख रुपये की लागत से बनने वाले नए उप स्वास्थ्य केंद्र का रविवार को आधिकारिक तौर पर शिलान्यास किया गया। यह शिलान्यास कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार बैठा द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर किया गया।यह नया उप स्वास्थ्य केंद्र डकरा के भूतनगर के बगल में, रेलवे लाइन के किनारे खाली जमीन पर बनाया जाएगा। इस स्थान का चयन इसलिए किया गया है ताकि आस-पास के ग्रामीणों और रेल पटरी के किनारे बसे परिवारों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े और उन्हें अपने ही क्षेत्र में प्राथमिक चिकित्सा मिल सके।शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कहाःक्षेत्र का विकास और जनता को बुनियादी सुविधाएं जैसे स्वास्थ्य और शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस उप स्वास्थ्य केंद्र के बन जाने से चूरी पश्चिमी और डकरा के हजारों ग्रामीणों को छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए अब बड़े अस्पतालों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।"इस मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने विधायक का आभार जताया। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में एक स्वास्थ्य केंद्र की जरूरत महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी होने जा रही है। मौके पर काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

खोड़ाहर को मिली विकास की सौगात, पांच माइल-जतरा मेला सड़क निर्माण का हुआ शुभारंभ

रिपोर्ट रफ्तार मीडिया हजारीबाग

हजारीबाग के बरही प्रखंड की खोड़ाहर पंचायत में लंबे समय से प्रतीक्षित पांच माइल से जतरा मेला तक सड़क निर्माण कार्य का रविवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज यादव ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत लगभग 2.4 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 3.7 किलोमीटर लंबी इस सड़क का निर्माण कार्य सिद्धार्थ कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया जाएगा। सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से बेहतर होगा तथा ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार केंद्र और राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी सुविधाओं के विकास से गांवों की तस्वीर बदल रही है। इस सड़क के निर्माण से हजारों ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी।

विधायक मनोज यादव ने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों की यह वर्षों पुरानी मांग थी, जिसे पूरा करने के लिए लगातार प्रयास किए गए। उन्होंने निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।शिलान्यास समारोह में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मौके पर कार्यक्रम में जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि रंजीत चन्द्रवंशी, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, मोतीलाल चौधरी, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष नागेश्वर रजक, उपमुखिया रोहित यादव, सेवानिवृत्त रेंजर दिलीप एक्का, परमेश्वर यादव, अरुण चन्द्रवंशी, महेश यादव, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, संवेदक सौरभ यादव, जेई रामप्रसाद गोरई, एजाज रवानी, रामप्रवेश यादव, पंकज सिंह, पूनम कच्छप, मकडली बाड़ा, विक्टोरिया टोप्पो, बिक्सी टोप्पो, वार्ड सदस्य पूनम एक्का, गुलेन्द्र यादव, फुलकेरिया किंडो, चांदमुनी धान, सुक्रो लिंडा, मुन्नी तिर्की, जोनशन बाड़ा, बिपिन बाड़ा, सुजीत एक्का, रौशन टोप्पो, रवि बाड़ा, राहुल कच्छप, सोमर दा, दीपक, सुरेश एक्का सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर बालूमाथ थाना में दिलाई गई तंबाकू निषेध की शपथ

रफ्तार मीडिया बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को बालूमाथ थाना परिसर में तंबाकू सेवन के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना के सभी पदाधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों ने भाग लेते हुए तंबाकू और उससे बने उत्पादों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने कहा कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है और इससे कई गंभीर एवं जानलेवा बीमारियां उत्पन्न होती हैं। लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा तंबाकू उत्पादों से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने, युवाओं को नशे की लत से बचाने तथा जन-जागरूकता अभियान को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लिया।बालूमाथ थाना द्वारा आयोजित इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला कदम बताया।

गोविंदपुर में भीषण सड़क दुर्घटना: अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप गाड़ी, लगभग दो दर्जन महिला श्रमिक घायल, दो की स्थिति अत्यंत गंभीर

सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर मालवाहक वाहन में ढोई जा रही थीं महिलाएं, अवैध कोयला कारोबार से जुड़े होने की आशंका, जांच में जुटी पुलिस।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद (गोविंदपुर):-धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोविंदपुर-बलियापुर मुख्य मार्ग पर करमाटांड़ के समीप एक बड़ी सड़क दुर्घटना हो गई। महिला श्रमिकों से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप गाड़ी (संख्या- जेएच 01बी 7996) अचानक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर ही पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में गाड़ी में सवार लगभग दो दर्जन महिला श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई। स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तुरंत उपचार के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एसएनएमएमसीएच) भिजवाया, जहां दो महिलाओं की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है।रोजगार के नाम पर जीवन से खिलवाड़:घटना के प्रत्यक्षदर्शी आसिफ अंसारी ने बताया कि सभी

पीड़ित महिलाएं टुंडी क्षेत्र के चिरुडीह गांव की रहने वाली हैं। ये महिलाएं प्रतिदिन सुबह कोयला संबंधी कार्यों में मजदूरी करने जाती थीं और शाम को इसी मालवाहक गाड़ी के माध्यम से वापस लौटती थीं।प्रशासन की निष्क्रियता पर बड़ा प्रश्न:इस हादसे ने मालवाहक वाहनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर श्रमिकों को लादने के काले कारोबार को उजागर कर दिया है। क्षेत्र में यह चर्चा तेज है कि इन महिलाओं को किसी अवैध कोयला व्यापार में काम पर लगाया गया था। अब सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई करेगा, या फिर यह घटना भी महज एक साधारण 'हादसा' बनकर फाइलों में दब जाएगी फिलहाल स्थानीय पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक को हिरासत में लेकर थाने ले गई है, जहां उससे पूछताछ की जा रही है।

11000 वोल्ट का करंट बना काल: मिहिजाम जैन मंदिर के सामने ट्रांसफार्मर से टकराकर गाय की मौत

रफ्तार मीडिया संवाददाता मिहिजाम

मिहिजाम नगर परिषद क्षेत्र में बिजली विभाग की लापरवाही एक बार फिर जानलेवा साबित हुई। मिहिजाम के जैन मंदिर के सामने लगे ट्रांसफार्मर में 11000 वोल्ट की चपेट में आने से एक गाय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और लोगों ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गाय सड़क किनारे घूम रही थी। इसी दौरान वह ट्रांसफार्मर के बेहद करीब पहुंच गई। ट्रांसफार्मर से निकल रहे नंगे तारों के संपर्क में आते ही गाय को तेज करंट लगा और वह मौके पर ही गिर पड़ी। करंट का झटका इतना तेज था कि गाय की तुरंत मौत हो गई। घटना होते ही आसपास जमा हुए लोगों में दहशत फैल गई। कई लोग बाल-बाल बचे, क्योंकि हादसे के वक्त मंदिर के पास कुछ श्रद्धालु भी मौजूद थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि जैन मंदिर के सामने लगा यह ट्रांसफार्मर काफी पुराना है और इसके तार खुले हुए हैं। पहले भी कई बार विभाग से शिकायत की गई, लेकिन मरम्मत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती रही। लोगों ने आरोप लगाया कि अगर समय रहते ट्रांसफार्मर की घेराबंदी और तारों को कवर किया गया होता, तो यह हादसा टल सकता था। लोगों ने मांग की है कि शहर के सभी ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा जांच कराकर उन्हें ठीक से कवर किया जाए, ताकि दोबारा ऐसी अनहोनी न हो।

सीआईएसएफ की मुस्तैदी से डीजल चोरी की कोशिश नाकाम, 60 लीटर डीजल बरामद।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

डकरा : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने सीसीएल डकरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए डीजल चोरी के एक प्रयास को विफल कर दिया है। सीआईएसएफ की क्राइम एंड इंटेलिजेंस विंग ने गुप्त सूचना के आधार पर केडीएच चेक पोस्ट के पास संवेदनशील इलाके में एम्बुश लगाया था।एम्बुश के दौरान टीम ने केडीएच माइंस की तरफ से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया। सीआईएसएफ जवानों को देखकर बाइक सवार घबरा गया और पकड़े जाने के डर से भागने लगा। इस दौरान उसने अपने पास रखा जेरिकेन सड़क पर ही गिरा दिया और भूतनगर क्षेत्र की ओर तेजी से फरार हो गया।घटनास्थल से बरामद जेरिकेन की जांच

करने पर उसमें कुल 60 लीटर डीजल पाया गया। सीसीएल प्रबंधन के वर्कशॉप प्रभारी दिलीप कुमार द्वारा मापन किए जाने के बाद, 139 प्रति लीटर की दर से इस डीजल का कुल मूल्य 8,340 आंका गया है। बरामद डीजल को कानूनी प्रक्रिया के तहत सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया है।इस सफल अभियान का नेतृत्व उप निरीक्षक अनिल कुमार राय और उनकी टीम ने किया। मामले पर सीआईएसएफ यूनिट कमांडर व कमांडेंट श्री अमित कुमार ने कहा कि खदान क्षेत्र में राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के लिए ड्रोन, आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र के जरिए 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि डीजल या कोयला तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल तत्वों के खिलाफ आगे भी कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

कुएं से 13 वर्षीय छात्रा का शव बरामद, गांव में मातम का माहौल

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के हेसल घुघरी गांव से शुक्रवार को एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। गांव के समीप स्थित एक कुएं से 13 वर्षीय किशोरी का शव बरामद होने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान हेसल घुघरी निवासी कृष्णा महतो की पुत्री तन्नू कुमारी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार तन्नू कुमारी हेसमी स्थित मध्य विद्यालय में कक्षा सातवीं की छात्रा थी। वह पिछले शुक्रवार से लापता थी। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

शुक्रवार को मृतका के भाई ने गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक कुएं में शव को तैरते हुए देखा। इसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। मामले की जानकारी तत्काल मांडर पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से शव को कुएं से बाहर निकाला। परिजनों द्वारा शव की पहचान तन्नू कुमारी के रूप में की गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक और मातम का माहौल है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

सीएचसी मसलिया में स्वास्थ्य कर्मियों ने ली तंबाकू मुक्त जीवन की शपथ

दुमका : विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसलिया में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को तंबाकू के सेवन से होने वाली जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूक करना और एक तंबाकू मुक्त स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना था।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और सहियाओं ने एकजुट होकर तंबाकू निषेध की शपथ ली। उपस्थित सभी लोगों ने दृढ़ संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी भी धूम्रपान या किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पाद का सेवन नहीं करेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में समझाकर उन्हें इस लत से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करने का वचन दिया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर नुकसानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तंबाकू का उपयोग कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की गंभीर बीमारियों और स्ट्रोक जैसी घातक समस्याओं का प्रमुख कारण है। विशेषज्ञों ने जोर देते हुए कहा कि तंबाकू का त्याग करना एक स्वस्थ और खुशहाल भविष्य की सबसे पहली और महत्वपूर्ण सीढ़ी है।स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को तंबाकू के जाल से बचाने के लिए निरंतर जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

पाटन स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी चिकित्सक पर हमला

संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर पैरामेडिकल कर्मचारी संगठन सहित लोकतांत्रिक संवैधानिक आंदोलन को बाध्य होगा

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर (पलामू)28 मई 2026 की रात्रि ड्यूटी से लौट रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पाटन के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार पर हुए क्रूर हमले की हम घोर निंदा करते हैं। यह घटना न केवल एक चिकित्सक पर हमला है, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र और समाज की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

ड्यूटी से लौटते समय उन्हें रास्ते में रोककर गंभीर रूप से मारपीट की गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए और वर्तमान में रांची में उपचाररत हैं।

झारखंड की संपूर्ण चिकित्सा

बिरादरी, जिसमें IMA, JSHSA, JDN तथा विभिन्न पारा-मेडिकल कर्मचारी संगठन शामिल हैं, इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लेती है और एकजुट होकर निम्नलिखित मांगें करती है:

घटना की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच हो।

दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा हेतु प्रभावी और स्थायी व्यवस्था की जाए।

संबंधित क्षेत्र में सक्रिय अपराधी तत्वों एवं सड़क लूट की घटनाओं पर तत्काल अंकुश लगाया जाए।

हम राज्य सरकार एवं प्रशासन को स्पष्ट रूप से अवगत कराना चाहते हैं कि चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के प्रश्न पर अब किसी प्रकार की उदासीनता स्वीकार न की जाएगी।

यदि शीघ्र एवं संतोषजनक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो IMA, JSHSA, JDN एवं पारा-मेडिकल कर्मचारी संगठनों सहित संपूर्ण चिकित्सा समुदाय अपने सदस्यों की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा हेतु पेन-डाउन सहित सभी लोकतांत्रिक एवं वैधानिक आंदोलनों पर विचार करने के लिए बाध्य होगा।

आज पूरा चिकित्सा समुदाय डॉ. मिथिलेश कुमार के साथ खड़ा है। हम उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं तथा न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प लेते हैं।

गोपीकांदर में मवेशी को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलटा कोयला हाईवा, बाल-बाल बचा चालक।

रफ्तार मीडिया।
दुमका।

गोविंदपुर-साहिबगंज स्टेट हाईवे पर गोपीकांदर थाना क्षेत्र अंतर्गत दुगार्पुर ढलान के पास रविवार को एक कोयला हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित 10 फीट गड्ढे में गिर गयो घटना में हाईवा क्षतिग्रस्त हो गया एवं चालक घायल हो गयो दुर्घटनाग्रस्त जेएच 04 एक्स 9882 हाईवा के चालक किशोर कुमार का बाएं पैर में चोट लगी है और पैर जख्मी हो गयो स्थानीय लोगों ने चालक को वाहन से बाहर निकाल कर दुगार्पुर स्थित निजी क्लीनिक में इलाज करायो

चालक ने बताया कि दुमका कुरुवा साइडिंग से कोयला खाली करके हाईवा लेकर आमड़ापाड़ा स्थित आलूबेड़ा माइंस से कोयला लोड के लिए जा रहे थो इस दौरान गोपीकांदर थाना क्षेत्र दुगार्पुर ढलान के पास अचानक एक मवेशी सड़क पर आने से यह घटना घट गई बीजीआर कंपनी के पेट्रोलिंग मैनेजर मनोज चांद के देख रेख में क्षतिग्रस्त वाहन को जेसीबी मशीन और एक क्रेन के सहारे गड्ढे से निकाला गया।

पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में दिशा की बैठक आयोजित

जिले के सभी विभागों के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर (पलामू) समाहरणालय सभागार में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में ऊऊउटउ दिशा की बैठक आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में माननीय अध्यक्ष ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जिले को आकांक्षी जिला से सैचुरेटेड जिला के रूप में परिवर्तित करने हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें।

बैठक के दौरान माननीय अध्यक्ष द्वारा विभिन्न विभागों के अनुपालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उन्होंने इस बात पर कड़ी आपत्ति जताई कि कई विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप एवं अपेक्षित मानकों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रतिवेदन को सटीक, अद्यतन एवं तथ्यपरक बनाया जाए। माननीय अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति द्वारा विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता है, वहां अति शीघ्र आवश्यक सुधार सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या कोताही न बरती जाए। इस संबंध में उन्होंने उपायुक्त, पलामू को आवश्यक अनुश्रवण एवं समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं मुद्रा योजना के अंतर्गत प्रगति की समीक्षा के दौरान माननीय अध्यक्ष ने अत्यंत कम उपलब्धि पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल लाभुकों का पंजीकरण पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वास्तविक लाभ उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन धरातल पर दिखाई देना चाहिए तथा अंतर-विभागीय समन्वय के अभाव में कोई भी योजना लंबित नहीं रहनी चाहिए। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत आवास निर्माण की समीक्षा के क्रम में माननीय अध्यक्ष ने कहा कि कई स्थानों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि चयनित लाभुकों के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन लाभुकों का चयन हो चुका है, उनके भुगतान में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए।भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की समीक्षा अलग से करने हेतु उपायुक्त को निर्देशित किया गया।

परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग, अंडर-एज ड्राइविंग एवं नो-एंट्री उल्लंघन पर सख्ती से कार्रवाई की जाए।शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान माननीय अध्यक्ष ने कहा कि एक ही मामले की बार-बार जांच कर उसे लंबित रखना उचित नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य विभागों के माध्यम से जांच कराई जाए।भवन निर्माण विभाग एवं झारखंड राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा के दौरान प्रगति असंतोषजनक पाई गई। इस पर संबंधित कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया गया कि सभी कार्यों की जानकारी जनप्रतिनिधियों को नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाए।विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कई मामलों में किरायेदार एवं मकान मालिक के बीच बिजली बिल भुगतान हेतु लिखित समझौता (एग्रीमेंट) होने के बावजूद भी, प्रावधानों के उल्लंघन की स्थिति में वास्तविक दोषी पर कार्रवाई करने के बजाय मकान मालिक के विरुद्ध ही प्राथमिकी दर्ज कर दी जा रही है। इस पर माननीय अध्यक्ष ने कड़ी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि जो भी दोषी हो, उसी के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा इस प्रकार की विसंगतियों को तत्काल दूर किया जाए।

मानदेय भुगतान में देरी से आक्रोश, स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मियों का विरोध प्रदर्शन

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को पिछले चार माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने से कर्मचारियों में गहरा आक्रोश फैल गया है। इसी मुद्दे को लेकर रविवार को सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष आउटसोर्सिंग कर्मियों की एक बैठक आयोजित की गई, जो बाद में विरोध प्रदर्शन में बदल गई। बड़ी संख्या में जुटे कर्मचारियों ने सरकार और विभागीय व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। बैठक की अध्यक्षता आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राहुल तिवारी ने की। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबे समय से वेतन भुगतान में हो रही देरी के कारण कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय लापरवाही का सीधा असर उन कर्मियों पर पड़ रहा है जो सीमित संसाधनों के बावजूद स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।इस आंदोलन को झारखंड राज्य चिकित्सा, स्वास्थ्य कर्मचारी महासंघ का भी समर्थन मिला है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा आउटसोर्सिंग कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि यदि सरकार चाहे तो इन कर्मियों को नियमित कर स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बना सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा इसे सड़क से लेकर रांची तक ले जाया जाएगा।प्रदर्शन के दौरान नवल सिंह, पंकज मंडल, कार्तिक तिवारी, मोङ्क शहबाज, कल्पना हेम्ब्रम, नीता दास, जुलियाना हांसदा, शबनम, सचिन घोष, अविनव कुमार, चंदन मंडल, विधान पाल, आदित बाउरी, सूरज सिंह, रोहित दास, मुबारक, आरिफ अंसारी, रियाज अंसारी सहित सैकड़ों आउटसोर्सिंग कर्मी एवं संघ के पदाधिकारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने एक स्वर में मांग की कि लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए तथा भविष्य में समय पर वेतन सुनिश्चित किया जाए।

चिरकुंडा में प्रगतिशील बुद्धिजीवी मंच ने संगोष्ठी का किया आयोजन

समामा औसाल, धनबाद
संवाददाता समामा औसाल, निरसा : क्या लोकतंत्र में सवाल पूछना गुनाह है

क्या जनता के भीतर पनप रहा आक्रोश व्यवस्था के लिए चेतावनी है और आखिर क्यों एक छोटे से जीव "कॉकरोच" को लोकतंत्र, प्रतिरोध और संघर्ष का प्रतीक बनाया गयाइन्हीं सवालों के बीच चिरकुंडा में आयोजित हुई एक ऐसी संगोष्ठी, जिसने समाज, राजनीति और लोकतंत्र पर गंभीर विमर्श की नई दिशा देने का काम किया।

रविवार को प्रगतिशील बुद्धिजीवी मंच, चिरकुंडा चैप्टर के तत्वावधान में नेहरू रोड तालडांगा स्थित सेलिब्रेशन मैरिज हॉल में "कॉकरोच : सवाल, आक्रोश और लोकतंत्र" विषय पर एक विचारोत्तेजक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सुबह साढ़े दस बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, कलाकारों और सामाजिक कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई। इसके बाद विषय प्रवेश करते हुए फिल्मकार एवं कलाकार उमर फारूक ने "कॉकरोच" के प्रतीकात्मक अर्थ को सामने रखा और बताया कि किस प्रकार यह प्रतीक व्यवस्था के बीच संघर्ष कर

रहे आम नागरिक की जिजीविषा और प्रतिरोध की भावना को दशार्ता है।संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक सुशील भारती, आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रोफेसर डॉ. के.पी. अजीत, जेएनयू के प्रख्यात विचारक प्रोफेसर डॉ. अभय कुमार, वरिष्ठ अतिथि द्वारिका प्रसाद, राजद नेता विक्रम यादव, मुख्य वक्ता वी.के. सिंह, डॉ. प्रदीप सुमन, ऋषिकेश चौधरी तथा एसएचएमएस कॉलेज के कौशलेश कुमार सहित कई प्रबुद्ध वक्ताओं ने अपने विचार रखे।वक्ताओं ने लोकतंत्र में जनता की भागीदारी, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सामाजिक असमानताओं और जनसरोकारों से जुड़े सवालों पर विस्तार से चर्चा की।

वक्ताओं का कहना था कि लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के सवाल, उनकी आवाज और उनके अधिकार ही लोकतंत्र की वास्तविक ताकत हैं। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ते असंतोष और आक्रोश को समझना तथा संवाद के माध्यम से समाधान तलाशना समय की मांग है।

कार्यक्रम में विचार-विमर्श के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी माहौल को जीवंत बनाया। रितेश मिश्रा ने अपनी विशेष गीत प्रस्तुति से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं स्नेहा महतो, तुलसी महतो, अतहर इमाम और श्रीकांत सिंह सहित अन्य प्रतिभागियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।चिरकुंडा में आयोजित यह संगोष्ठी केवल एक बौद्धिक चर्चा नहीं रही, बल्कि लोकतंत्र, जनभावनाओं और सामाजिक सरोकारों पर गंभीर चिंतन का मंच बनी। "कॉकरोच : सवाल, आक्रोश और लोकतंत्र" विषय के माध्यम से वक्ताओं ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि लोकतंत्र तब तक मजबूत है, जब तक उसमें सवाल पूछने और जवाब मांगने की गुंजाइश बनी रहती है

वैट रिटर्न की अनिवार्यता खत्म होने से पेट्रोल डीजल डीलरों में खुशी, चेंबर ने की प्रोफेशनल टैक्स लगाने की मांग

धनबाद पहुंचे वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर को पेट्रोलियम एसोसिएशन और चेंबर ऑफ कॉमर्स ने सौंपा ज्ञापन, बकाया भुगतान का भी उठा मुद्दा।

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले मूल्य वर्धित कर (वैट) के लिए मासिक और त्रैमासिक रिटर्न दाखिल करने की अनिवार्यता को पूरी तरह से समाप्त करने के झारखंड सरकार के फैसले का पेट्रोलियम डीलरों ने स्वागत किया है। दौरे पर धनबाद पहुंचे सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर से सर्किट हाउस में झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन (जेपीडी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। डीलरों ने बुके देकर इस ऐतिहासिक फैसले के लिए सरकार के प्रति आभार जताया। इसके साथ ही एसोसिएशन ने पेट्रोल पंपों के करोड़ों रुपये के बकाया भुगतान और अतिरिक्त टैक्स की वापसी को लेकर एक मांग पत्र भी सौंपा।दूसरी ओर, बैंक मोड़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी वित्त मंत्री से मुलाकात कर राज्य में झारखंड प्रोफेशनल टैक्स (जेपीटी) लगाने की मांग की। चेंबर के सदस्यों ने इस संबंध में मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिस पर वित्त मंत्री ने जल्द ही विस्तार से सकारात्मक चर्चा करने का भरोसा दिलाया है।झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि वैट रिटर्न की अनिवार्यता समाप्त होने से राज्य के सैकड़ों पेट्रोल पंप संचालकों को अनावश्यक कागजी कार्यवाही और

विभागीय चक्करों से बड़ी राहत मिली है। हालांकि, उन्होंने सरकार के पास बकाया राशि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अकेले धनबाद में पेट्रोल पंपों का करोड़ों रुपया और पूरे राज्य में करीब 80 करोड़ रुपये का सरकारी विभागों पर बकाया है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस राशि का अविलंब भुगतान सुनिश्चित करे।चेंबर के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बैंक मोड़ चेंबर अध्यक्ष प्रमोद गोयल ने वित्त मंत्री से व्यापारिक हितों और राजस्व वृद्धि के लिए झारखंड प्रोफेशनल टैक्स की विसंगतियों को दूर करने और इसे उचित तरीके से लागू करने की मांग रखी।प्रमुख बयानःअशोक सिंह (प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन):"वैट रिटर्न दाखिल करने की अनिवार्यता खत्म होने से डीलरों को बड़ी राहत मिली है। अब कागजी कार्यवाही की उलझनें खत्म होंगी।

लेकिन राज्यभर के पेट्रोल पंपों का सरकारी स्तर पर करीब 80 करोड़ रुपये बकाया है। हमने वित्त मंत्री से इस राशि के अविलंब भुगतान और अतिरिक्त टैक्स वापसी की मांग की है।"प्रमोद गोयल (अध्यक्ष, बैंक मोड़ चेंबर):"हमने वित्त मंत्री को ज्ञापन सौंपकर झारखंड प्रोफेशनल टैक्स के विषय पर ध्यानाकर्षण कराया है। व्यापारिक सुगमता और स्थानीय राजस्व के दृष्टिकोण से यह बेहद जरूरी है। मंत्री जी ने हमारी मांगों को ध्यान से सुना है और इस पर विस्तृत चर्चा करने का आश्वासन दिया है।"

संपादकीय

तंबाकू,नशे का बदलता स्वरूप और आधुनिक दौर की चुनौती

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष 31 मई को पूरी दुनियाँ में वर्ल्ड नों टोबैक्को अर्थात विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। हर वर्ष इस अवसर पर भाषण होते हैं, शपथ ली जाती है, पोस्टर लगाए जाते हैं और तंबाकू के दुष्परिणामों पर चर्चा होती है।लेकिन एक कड़वा प्रश्न आज हमारे सामने खड़ा है,क्या केवल एक दिन का यह प्रतीकात्मक आयोजन उस भयावह महामारी को रोक सकता है जो प्रतिदिन लाखों लोगों के शरीर में कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और फेफड़ों की घातक बीमारियों का जहर घोल रही है? भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में नागरिकता कानून,आरक्षण,भ्रष्टाचार,किसानों की समस्याएं,भाषा विवाद, जल-जंगल-जमीन के प्रश्न, मंडल -कमंडल की राजनीति, जनलोकपाल आंदोलन, महिला सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे बड़े जनांदोलनों का रूप ले चुके हैं।सड़कों पर लाखों लोग उतरते हैं,संसद और विधान सभाओं में बहस होती है, सरकारें झुकती हैं और नीतियां बदलती हैं।परंतु तंबाकू, जो हर वर्ष लाखों परिवारों को उजाड़ देता है, आज भी उतना बड़ा राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन क्यों नहीं बन पाया? जब किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकूजनित कैंसर से मरता है, जब किसी बच्चे का पिता गुटखा या सिगरेट के कारण असमय दुनियाँ छोड़ देता है, जब किसी मां की आंखों के सामने उसका जवान बेटा निकोटीन की लत का शिकार होकर जीवन हार जाता है, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं रह जाती,बल्कि यह राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है। मेरे अपने एक निकट संबंधी की मृत्यु भी तंबाकूजनित कैंसर के कारण हुई। ऐसे हजारों-लाखों परिवारों का दर्द यह संकेत देता है कि अब तंबाकू निषेध को केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं बल्कि एक व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम तंबाकू व नशीली चीजों के खिलाफ बहुत बड़े आंदोलन की करें तो तंबाकू निषेध आंदोलन को इस तरह के आंदोलन समकक्ष बनाने की जरूरत है जैसे भारतीय लोकतंत्र का इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जब किसी मुद्दे को जनआंदोलन का रूप मिला, तब उसने सरकारों की नीतियों,कानूनों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित किया। वर्ष 1974 का जेपी आंदोलन (संपूर्ण क्रांति आंदोलन), वर्ष 1990 का मंडल आयोग आरक्षण आंदोलन 1980 और 1990 के दशक का राम जन्मभूमि आंदोलन,वर्ष 2011 का अन्ना हजारे के नेतृत्व वाला भ्रष्टाचार विरोधी जनलोकपाल आंदोलन, वर्ष 2019- 20 का नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी आंदोलन, वर्ष 2020-21 का कृषि कानूनों के विरुद्ध किसान आंदोलन, वर्ष 2015 और उसके बाद विभिन्न राज्यों में हुए पटीदार आरक्षण आंदोलन,जाट आरक्षण आंदोलन, मराठा आरक्षण आंदोलन, गुर्जर आरक्षण आंदोलन तथा हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में जातीय, सामाजिक और क्षेत्रीय पहचान से जुड़े आंदोलनों ने यह सिद्ध किया है कि संगठित जनदबाव लोकतांत्रिक व्यवस्था में परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।इन आंदोलनों ने न केवल राजनीतिक विमर्श को प्रभावित किया बल्कि सरकारों को अपनी नीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए भी बाध्य किया। आज 30 मई 2026 से महाराष्ट्र में शुरू हुआ मनोहर जरॉंगे का मराठा आरक्षण आंदोलन सहित देश के अनेक हिस्सों में सामाजिक, जातीय और आरक्षण से जुड़े आंदोलन लगातार सुर्खियों में हैं, जो यह दशार्ते हैं कि जनता जब किसी विषय को अपने अस्तित्व, अधिकार या भविष्य से जोड़ लेती है तो वह एक विशाल जनशक्ति का रूप धारण कर लेता है। तो फिर तंबाकू व नशीली चीजों के विरुद्ध ऐसा आंदोलन किसी राजनीतिक सामाजिक या व्यक्तिगत संगठन में क्यों नहीं उठाया है यह विचारणीय प्रश्न है?

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक : दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरूआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है।

पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीघार्यु का महत्वपूर्ण स्त्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही अमृत अथवा पूर्ण आहार माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद केसीन नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है।

संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयुःप्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्त्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूजीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं।

भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में ऑपरेशन फ्लड अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरूआत वर्ष 1970 में मिल्कमैन ऑफ इंडिया के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ ऑपरेशन फ्लड उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था। बिल गेट्स सहित अनेक वैश्विक विचारकों ने इसे एकाधिकार और गरीबी के विरुद्ध सबसे सफल लोकतांत्रिक आंदोलनों में से एक बताया है, क्योंकि इसने किसी बड़ी कॉर्पोरेट कंपनी के बजाय सीधे छोटे किसानों को सशक्त बनाया। आज वैश्विक दुग्ध उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान भारत का है। इस दृष्टि से भारत को विश्व की दुग्ध महाशक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। भारत के अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका, पाकिस्तान, चीन, ब्राजील, जर्मनी, रूस, फ्रांस, न्यूजीलैंड और तुर्किये विश्व के प्रमुख दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल हैं। वहीं, डेनमार्क भी अपने विकसित डेयरी उद्योग के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

विश्व शांति के लिये सबसे बड़ा खतरा है इस्राईल

तनवीर जाफरी

दशकों से वैश्विक स्तर पर ईरान को एक खलनायक राष्ट्र के रूप में पेश करने की घिनौनी साजिश रची जाती रही है। इस्राइल यह बार बार दोहराता रहा है कि उसे डर है कि यदि ईरान परमाणु बम बना लेता है तो उसका अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। यह दुष्प्रचार तब किया जाता है जबकि ईरान में इस्लामी क्रांति के नेता आयतुल्लाह खुमैनी द्वारा परमाणु बम को मानवता विरोधी बताते हुये इसके निर्माण के विरुद्ध फतवा तक दिया जा चुका है। उधर ईरान के किसी भी धर्मगुरु या नेता ने आज तक परमाणु बम बनाने की बात भी नहीं की है। परन्तु इराक में सद्दाम हुसैन की तर्ज पर ईरान को भी केवल मीडिया प्रोपेगंडा कर बार बार खलनायक प्रमाणित करने की कोशिश की जाती रही है। दरअसल इसकी एक वजह यह भी है कि अमेरिकी-इस्त्राईली प्रभाव वाले ईरानी शासक मोहम्मद रजा शाह पहलवी ने तो 1948 में इस्राइल को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता तो दी थी परन्तु 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान ने इस्राइल की मान्यता भी समाप्त कर दी साथ ही उसे ह्लसियोनवादी शासनह्व भी घोषित कर दिया।

परन्तु यदि हम ईरान व इस्राईल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखें तो 1967 के युद्ध में इस्राइल ने वेस्ट बैंक और गजा पर कब्जा जमाकर फि लिस्तीन पर अपना नियंत्रण करना शुरू कर दिया था। तब से लेकर आज तक इस्राइल पूरे क्षेत्र में बर्बरीयत व हिंसा करता आ रहा है। इसके पीछे उस ग्रेटर इस्राइल के गठन व निर्माण की एक जायोनिस्ट (यहूदीवादी) विस्तारवादी अवधारणा काम कर रही है जिसके तहत एक ऐसे विशाल यहूदी राज्य की कल्पना की गई है, जो वर्तमान इस्राइल से कहीं ज्यादा बड़ा हो और इसमें मध्य पूर्व के कई अरब देशों के क्षेत्रों को शामिल किया जा सके। इस योजना को आधुनिक राजनीतिक संदर्भ में एक विवादित इस्राईली विस्तारवादी परियोजना के रूप में देखा जाता है । जायोनिस्ट के इस काल्पनिक ग्रेटर इस्राइल की भौगोलिक सीमाएं मिस्त्र की नील नदी से लेकर इराक की फुरात (यूफ्रेट्स) नदी तक और मदीना से लेकर लेबनान तक शामिल हैं। यहाँ तक कि पूरा जॉर्डन, फिलिस्तीन (पश्चिमी तट व गजा), लेबनान, सीरिया, इराक, मिस्त्र, सऊदी अरब के बड़े हिस्से,पवित्र स्थल मक्का, मदीना, और माउंट सिनाई पर कब्जा भी इस योजना में शामिल माना जाता है। इसी दूरगामी योजना के मद्देनजर इस्राईल की सरपरस्ती करते हुये अमेरिका ने दशकों से ईरान का भय दिखाकर तथा शिया सुन्नी मतभेदों को हवा देकर इसी की आड़ में मध्य पूर्व के अनेक देशों में अपने सैन्य ठिकाने भी बना रखे हैं।

दरअसल ईरान ही एक अकेला ऐसा देश है जोकि न केवल ग्रेटर इस्राइल रुपी इस विस्तारवादी परियोजना को खुलकर खारिज करता है बल्कि फिलिस्तीनी क्षेत्रों गजा,वेस्ट बैंक व लेबनान आदि में इस्राईल द्वारा कब्जा की गयी जमीन को भी मुक्त कराये जाने का पक्षधर है। यही वजह है कि ईरान, इस्राईल व अमेरिका की नजरों में खटकता रहता है। ईरान की तेल सम्पदा पर भी अमेरिका अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये रखता है। उधर अपनी इसी योजना को आगे बढ़ाते हुये अब तक इस्राईल ने आतंक व बर्बरता का वह इतिहास रचा है जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। उदाहरण के तौर पर गजा में 7 अक्टूबर 2023 से 19 मई 2026 के मध्य इस्राइली सैन्य कार्रवाई में 72,772 से अधिक निहत्थे बेगुनाह फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि घायलों की संख्या 172,707 से भी अधिक है । मृतकों में आधे से अधिक महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं। इसी तरह लेबनान में भी मई 2026 तक इस्राईल के हमलों में 2,255 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यहाँ भी मरने वालों में 122 बच्चे, 83 महिलाएं और 42 चिकित्सा कर्मी भी शामिल हैं।

यह इस्राइल ही है जिसने ईरान को ग्रेटर इस्राईल के रास्ते का सबसे बड़ा अड़ंगा समझते हुये अमेरिका को ईरान पर हमला करने के लिये उकसाया। हद तो यह है कि अमेरिका और इस्राइल ने परमाणु वार्ता के दौरान ईरान पर कम से कम दो बार हमला किया। पहला हमला 13 जून 2025 को यानी ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के 5 राउंड की वार्ता के दो दिन बाद किया गया था। इस में इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर भीषण हमला किया, जबकि दोनों देश आगे बातचीत की योजना बना रहे थे। इसी तरह इस्राइल और अमेरिका ने दूसरा हमला 27 फरवरी 2026 को, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता के बीच किया जिसमें ईरान में 30 जगहों पर हमला किया गया, जिसमें तेहरान में ईरानी खुफिया एजेंसी की इमारतें, एयरपोर्ट्स, राष्ट्रपति भवन और रिहायशी इलाके शामिल थे। साथ ही तेहरान और इस्फहान जैसे 30 शहर भी अमेरिका-इस्राइल के निशाने पर थे। इसी हमले में मिनाब में स्कूल के 165 मासूम बच्चे,सर्वोच्च ईरानी नेता खामनेई व अनेक उच्चाधिकारी शहीद हुये थे।इसके अतिरिक्त विश्व में हिंसा व अशांति फैलाने के लिये इस्राईल अनेक बार युद्धविराम का उल्लंघन भी करता आया है। चाहे वह गजा का युद्ध विराम हो या लेबनान का युद्ध विराम। इस्राइल गजा युद्ध विराम 10 अक्टूबर 2025 को अमेरिकी मध्यस्थता में लागू हुआ था। परन्तु युद्धविराम के बाद से अब तक लगभग 2000 बार इस्राईली सेना युद्धविराम का उल्लंघन कर चुकी है। और विराम के बाद 700 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 3 हजार से ज्यादा घायल हो चुके हैं। मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध के कारण ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। इसके अतिरिक्त, तुर्की ने भी नेतन्याहू और 36 अन्य इस्राईली अधिकारियों के विरुद्ध नरसंहार के आरोप में अलग से गिरफ़्तारी वारंट जारी किए हैं । आश्चर्यजनक है कि परमाणु हथियार रखने वाला देश इस्राइल, जिसे विश्व के सबसे बड़े नरसंहारक देश के रूप में देखा जा रहा है, व उसका संरक्षक अमेरिका, यदि ईरान जैसे देश को परमाणु हथियार बनाने की झूठ आधारित कथित संभवनाओं के चलते महज प्रोपेगंडा फैलाकर विश्व शांति के लिये बड़ा खतरा बता रहे हैं जबकि ईरान का मानवता के विरुद्ध अपराध,युद्ध अपराध या दूसरे देशों की जमीन पर घुसपैठ जैसे कोई आरोप नहीं हैं। सच तो यह है कि इस्राईल ही विश्व शांति के लिये इस समय सबसे बड़ा खतरा है।

रेल यात्रा में सेहत से समझौता: कटे फल व खीरे में भिनभिनाती रहती है मक्खियां

दिनेश कुमार रजक
मिहिजाम

रेल यात्रा अब सिर्फ सफर नहीं, सेहत के लिए खतरा भी बनती जा रही है। ट्रेनों और स्टेशन परिसरों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की साफ-सफाई भगवान भरोसे है। हालात यह है कि विक्रेता जिस हाथ से ट्रेन की जंजीरें और दरवाजे पकड़कर चलते हैं, उसी हाथ से यात्रियों को झालमुड़ी व अन्य खाद्य सामग्री परोस देते हैं। वहीं स्टेशन पर खुले में कटे फल, चाट, समोसा, इडली, लिट्टी, पूड़ीझसब्जी इत्यादि और अन्य सामानों पर मक्खियां भिनभिना रही होती हैं। यात्री भी बिना सोचे-समझे बड़े चाव से इन चीजों का सेवन कर रहे हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा उत्पन्न हो रहा है।

ट्रेन में संक्रमण बांट रहे विक्रेता

लोकल और एक्सप्रेस ट्रेनों में झालमुड़ी, चना, घुघनी, पूड़ी-सब्जी, लिट्टी-चोखा और मूंगफली आदि बेचने वाले विक्रेताओं की भरमार है। सुरक्षा के लिए ये विक्रेता बार-बार ट्रेन की जंजीरों, खंभों और दरवाजों का सहारा लेते हैं। इसके तुरंत बाद बिना हाथ धोए उसी हाथ से झालमुड़ी में मसाले, प्याज, मिर्च मिलाकर यात्रियों को परोस देते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश विक्रेता दस्ताने का इस्तेमाल नहीं करते। यात्रियों को भी इस बात की परवाह नहीं होती कि जो हाथ ट्रेन की गंदी सतहों को छू रहा है, वही उनके खाने को भी छू रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, ट्रेन की जंजीरें, हैंडल और सीटें हजारों लोगों द्वारा छुई जाती हैं। इन पर बैक्टीरिया और वायरस की भरमार होती है। बिना धोए हाथों से खाना परोसने से ई.कोलाई, साल्मोनेला और स्टैफ जैसे बैक्टीरिया आसानी से खाने में पहुंच जाते हैं। इससे डायरिया, उल्टी, पेट दर्द और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

स्टेशन परिसर में खुले में बिक रहा जहर

सिर्फ ट्रेन ही नहीं, स्टेशन परिसर का हाल भी बेहद खराब है। यहां प्लेटफॉर्म पर खुले में कटे पपीते, खीरे, तरबूज और अन्य फल बेचे जा रहे हैं। यात्रा के दौरान रफ्तार मीडिया संवाददाता दिनेश कुमार रजक ने इस संबंध में पूरे भारत के लोगों में जागरूकता को लेकर विभिन्न स्टेशन परिसर, ट्रेन पर पाया कि एक विक्रेता के पास रखे कटे पपीते और खीरे पर मक्खियों का झुंड भिनभिना रहा था। ये मक्खियां कूड़ेदान, शौचालय और गंदी नालियों पर बैठने के बाद सीधे खाने पर बैठती हैं। इनके पैरों के जरिए टाइफाइड, हैजा और पेचिश के कीटाणु भोजन में पहुंच जाते हैं। इसके अलावा समोसे, कचौड़ी और पकौड़े तले हुए सामान के जैसे अन्य खाद्य पदार्थों भी खुले में रखे जाते हैं। इन्हें ढककर रखने की व्यवस्था नहीं होती। धूल, मिट्टी और प्रदूषण के साथ मक्खियां इन पर बैठकर इन्हें दूषित कर देती हैं। यात्री जल्दबाजी और भूख के कारण बिना देखे समझे इन्हें खरीद कर सेवन कर लेते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। साथ ही जब वे अपने गंतव्य पर पहुंचते हैं, उन्हें भी यह अंदाजा नहीं हो पाता कि वो बीमार कैसे हो गए?

दस्ताने और जागरूकता से सुधर सकते हैं हालात

खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या का समाधान बहुत मुश्किल नहीं है। यदि विक्रेता डिस्पोजेबल दस्ताने पहनकर और खाने को ढककर बेचें तो संक्रमण का खतरा 80 प्रतिशत तक कम हो सकता है। इससे यात्रियों का भरोसा भी बढ़ेगा और विक्रेताओं का व्यवसाय भी बेहतर चलेगा। साफ-सफाई रखने वाले विक्रेताओं की बिक्री ज्यादा होती है, यह बात कई जगह साबित हो चुकी है।

रेलवे और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल रेलवे प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की भूमिका पर उठ सकता है। स्टेशन परिसर में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने की जिम्मेदारी रेलवे के स्वास्थ्य विभाग और एफएसएसएआई की है। लेकिन जमीनी स्तर पर कोई निगरानी नहीं दिखती। न तो विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है, न ही नियमित जांच होती है। जागरूक नागरिकों में मांग उठ रहा है कि रेलवे को तत्काल अभियान चलाकर सभी खाद्य विक्रेताओं के लिए दस्ताने और सिर ढकना अनिवार्य करना चाहिए। साथ ही स्टेशन पर खाद्य सुरक्षा हेल्पलाइन के बोर्ड लगाए जाएं ताकि यात्री खराब खाने की शिकायत कर सकें। यात्रियों को भी जागरूक होना होगा। उन्हें खुले में रखे और मक्खियों से घिरे खाद्य पदार्थों को खरीदने से बचना चाहिए।

यात्रियों की लापरवाही भी बड़ी भूल

इस पूरे मामले में यात्रियों की लापरवाही भी कम जिम्मेदार नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि लोग स्वाद के चक्कर में साफ-सफाई को नजरअंदाज कर देते हैं। पैक्ड फूड या फल खरीदते समय भी यह नहीं देखते कि विक्रेता ने उसे साफ तरीके से रखा है या नहीं। जब तक यात्री खुद जागरूक नहीं होंगे, तब तक सिर्फ प्रशासन के भरोसे बदलाव मुश्किल है। कुल मिलाकर, रेल यात्रा के दौरान खान-पान की शुद्धता एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। समय रहते यदि रेलवे, स्वास्थ्य विभाग और यात्रियों ने मिलकर कदम नहीं उठाए तो यह लापरवाही किसी बड़ी स्वास्थ्य समस्या का कारण बन सकती है।

जरूरत है कि सुरक्षित सफर के साथ सुरक्षित भोजन को भी प्राथमिकता दी जाए। साथ ही जो भी गरीब तबके के विक्रेता हैं उन पर सख्त कदम न उठा कर उन्हें स्वास्थ के प्रति जागरूक किया जाए।

क्या गुंडागर्दी ही अब नई राजनीति है?

दिलीप कुमार पाठक

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला बेहद परेशान करने वाला है। लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं हो सकती, फिर चाहे वह किसी भी नेता या दल के खिलाफ क्यों न हो। मतभेद अपनी जगह हैं, राजनीति अपनी जगह है, लेकिन जब बात मारपीट, कपड़े फाड़ने और जानलेवा हमलों तक पहुंच जाए, तो समझ लेना चाहिए कि हमारा समाज और हमारी राजनीति बहुत गलत दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

किसी भी सभ्य समाज में ऐसी हरकतों को सही नहीं ठहराया जा सकता। बंगाल को हमेशा से एक बेहद खास राज्य माना गया है। यह रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की धरती है। इस मिट्टी से हमेशा ज्ञान, कला, संस्कृति और बड़े-बड़े विचारों की खुशबू आती रही है। बंगाल के लोग अपनी तेज बुद्धि और वैचारिक बहस के लिए जाने जाते हैं। लेकिन आज उसी बंगाल से जब रोज-रोज राजनीतिक हिंसा, मारपीट और बमबाजी की खबरें आती हैं, तो दिल दहल जाता है। ऐसा लगता है कि जैसे पुरानी पहचान कहीं खो गई है और उसकी जगह सिर्फ सत्ता की भूख ने ले ली है। आखिर ऐसा कैसे हो गया कि जिस धरती को देश का मार्गदर्शक होना चाहिए था, वह आज राजनीतिक रंजिश का अखाड़ा बन चुकी है? आज की राजनीति में एक अजीब सा बदलाव देखने को मिल रहा है। चुनाव आते-जाते रहते हैं, सत्ता बदलती रहती है, लेकिन आज ऐसा माहौल बन गया है कि जैसे हर कोई अपनी पुरानी निष्ठाएं बदलकर सत्ताधारी खेमे में शामिल होना चाहता है। दल-बदल और विचारधाराओं का यह खेल सिर्फ कुर्सी के लिए हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ, जब हम तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियों के कार्यकताओं और समर्थकों का रवैया देखते हैं, तो गंभीर सवाल उठते हैं।

एक राजनीतिक दल का काम जनता की सेवा करना और अपनी नीतियों से उनका दिल जीतना होता है। लेकिन जब कोई दल अपने विरोधियों को डराने-धमकाने लगे, हर बात का जवाब लाठी और पत्थरों से देने लगे, तो जनता के मन में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह कोई राजनीतिक संगठन है या फिर भय फैलाने वाला कोई गिरोह?

लोकतंत्र में किसी को भी कानून हाथ में लेने का हक नहीं है।इस हमले के बाद हमेशा की तरह राजनीति भी शुरू हो गई है। टीएमसी इसके लिए सीधे तौर पर भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं विपक्ष इसे जनता का गुस्सा बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस और अन्य दलों के बड़े नेताओं ने भी इस घटना का विरोध किया है। सच तो यह है कि जब नेता और पार्टियां एक-दूसरे को सिर्फ राजनीतिक विरोधी न मानकर जानी दुश्मन समझने लगते हैं, तो ऐसी ही हिंसक तस्वीरें सामने आती हैं। नफरत की यह राजनीति हमारे देश के भविष्य के लिए एक बहुत ही खतरनाक मिसाल बन रही है। अगर आज बंगाल में इस तरह की हिंसा को सामान्य मान लिया गया, तो कल को पूरे देश में यही तरीका अपना लिया जाएगा। हमें यह समझना होगा कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी विविधता और शांतिपूर्ण चचाओं में है। लाठी-डंडों से किसी की आवाज को दबाया तो जा सकता है, लेकिन किसी का दिल नहीं जीता जा सकता। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि इंसानियत ही खत्म हो जाए। चाहे हमला करने वाले किसी भी दल के हों, उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए ताकि कानून का डर बना रहे।

सभी दल और आम जनता मिलकर इस बात पर विचार करें कि हम कैसा समाज बनाना चाहते हैं। राजनीति सिर्फ चुनाव जीतने और सत्ता हथियाने का जरिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका असली मकसद देश और समाज का भला करना होना चाहिए। लोकतंत्र तभी बचेगा जब हम एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करना सीखेंगे।

शीघ्र सुंदर दिखने की चाहत

डॉ विजय गर्ग

आज के दौर में सुंदर दिखने की इच्छा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी है। सोशल मीडिया, विज्ञापन और मनोरंजन उद्योग ने सौंदर्य के ऐसे मानक स्थापित कर दिए हैं, जिन्हें पाने की दौड़ में लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। यही कारण है कि ह्लजल्दी सुंदर दिखनेह्व की चाहत लगातार बढ़ रही है।

मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई देने वाली चमकदार तस्वीरें और फि ल्टरयुक्त चेहरे अक्सर वास्तविकता से दूर होते हैं, लेकिन लोग उन्हें ही आदर्श मान बैठते हैं। युवा वर्ग विशेष रूप से इस प्रभाव में आकर विभिन्न ब्यूटी प्रोडक्ट्स, कॉस्मेटिक उपचारों और त्वरित सौंदर्य बढ़ाने वाले उपायों का सहारा लेने लगता है। कई बार बिना पर्याप्त जानकारी के अपनाए गए ये उपाय त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी साबित हो सकते हैं।

सुंदरता केवल चेहरे की चमक या त्वचा के रंग तक सीमित नहीं है। वास्तविक सुंदरता स्वस्थ शरीर, आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और अच्छे व्यवहार से भी झलकती है। दुर्भाग्य से त्वरित सुंदरता की चाहत लोगों को इन मूलभूत बातों से दूर कर देती है। वे रातों-रात बदलाव की उम्मीद करते हैं, जबकि स्वास्थ्य और आकर्षक व्यक्तित्व का निर्माण समय, अनुशासन और संतुलित जीवनशैली से होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव नियंत्रण और त्वचा की उचित देखभाल ही लंबे समय तक सुंदर और स्वस्थ बने रहने का सबसे प्रभावी तरीका है। इसके विपरीत, चमत्कारी दावों वाले उत्पाद और त्वरित उपचार अक्सर निराशा का कारण बनते हैं।

समाज को भी यह समझने की आवश्यकता है कि हर व्यक्ति की प्राकृतिक बनावट और सौंदर्य अलग होता है। यदि हम बाहरी रूप की बजाय व्यक्तित्व, प्रतिभा और चरित्र को अधिक महत्व दें, तो अनावश्यक सौंदर्य-दबाव कम हो सकता है।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है।

अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही है, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही है।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती है, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान हैं। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए।

इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आई कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है।

निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

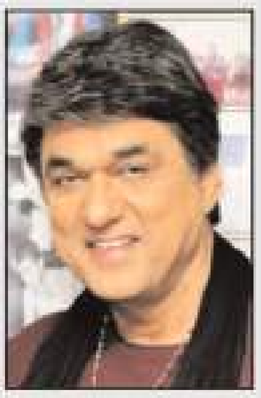

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती है, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गई ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म चिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूड के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में चिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बनी

ब्रिस्टल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में एक नया रिकार्ड बनाया है। हरमनप्रीत ने इस मैच में 22 गेंदों पर 22 रन बनाने के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने 4000 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत हालांकि इस पारी के बाद भी भारतीय टीम को जीत दिलाने में असफल रहीं। अब हरमनप्रीत न्यूजीलैंड की अनुभवी बल्लेबाज सूजी बेट्स और अपनी ही साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ 4000 रन बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी बन गयी है। हो गई हैं।

हरमनप्रीत का टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 196 मैचों में 29.77 की औसत और 109.93 के स्ट्राइक रेट से कुल 4019 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 16 अर्धशतक भी लगाये हैं। इससे उनकी निरंतरता और मैच विजेता क्षमता नजर आती है। गौरतलब है कि महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम है। सूजी ने 183 मैचों में कुल 4720 रन बनाए हैं। वहीं मंधाना 165 मैचों में 4325 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं।

इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 169 रनों का लक्ष्य मिला था जिसे वह हासिल करने में विफल रही और 9 विकेट पर 142/9 रन ही बना सकी और उसे इंग्लैंड के हाथों 26 रन से हार का सामना करना पड़ा। टीम इस मैच में अच्छी शुरुआत का लाभ नहीं उठा पायी। मध्यक्रम में बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से निचले क्रम पर अधिक दबाव आ गया। मैच के बाद हरमनप्रीत ने हार का कारण मध्यक्रम के विफल होने को माना है। उन्होंने माना कि यदि बल्लेबाज एक दो रन लेते रहते तो परिणाम कुछ और होता। इस हार के साथ ही तीन मैचों की ट्20 सीरीज में अब दोनों ही टीमें 1-1 से बराबरी प आ गई है। दोनों टीमों के बीच निर्णायक मुकाबला 2 जून को टॉन्टन में खेला जाएगा, जो सीरीज विजेता का फैसला करेगा।

सात्विक-चिराग ने जीता सिंगापुर ओपन का खिताब, रोमांचक मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पूर्व विश्व नंबर एक जोड़ी ने रविवार को पुरुष युगल फाइनल में इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी की जोड़ी को हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन बैडमिंटन खिताब जीता। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन इस भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए दो वर्षों में अपना पहला खिताब जीता। यह उनके करियर का नौवां BWF विश्व टूर खिताब है।

भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में पिछड़ने के बाद रोमांचक मुकाबले में 18-21, 21-17, 21-16 से जीत दर्ज करते हुए सुपर 750 स्तर का अपना तीसरा खिताब भी हासिल किया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी के लिए यह जीत विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही, क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। सात्विक और चिराग ने पिछली बार 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था। तब से वे चार फाइनल में पहुंचे थे लेकिन हर बार उपविजेता रहे।

सिंगापुर में जीत के साथ उन्होंने खिताबी सूखे को भी समाप्त कर दिया। फाइनल से पहले भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ खेले गए तीन मुकाबलों में से दो में हार का सामना करना पड़ा था। इस प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ उनकी पिछली हार जनवरी में मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में हुई थी। कड़े मुकाबले वाले पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद भारतीय जोड़ी ने अपने खेल की गति बढ़ाई और लंबी रैलियों में दबदबा बनाते हुए विश्व नंबर तीन इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ मुकाबले का रुख पलट दिया।

यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए शानदार सप्ताह का समापन भी रही। उन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के मौजूदा विश्व चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त किम वोन-हो तथा सियो सेउंग-जे की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जीत का निर्णायक अंक हासिल होते ही सात्विक और चिराग जश्न मनाने के लिए कोर्ट पर लेट गए। इसके बाद सात्विक ने बच्चों जैसी खुशी का प्रदर्शन किया, जबकि उत्साहित चिराग ने जोरदार दहाड़ लगाई और अपने साथी पर कूद पड़े। बाद में दोनों खिलाड़ियों ने कोर्ट पर नृत्य किया और पोडियम के शीर्ष पायदान पर लंबे समय बाद वापसी का भरपूर आनंद लिया।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे। इस दौरान उनकी शारीरिक स्थिति और मैच फिटनेस का आकलन किया जाएगा। पंड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने को लेकर फैसला फिटनेस जांच में पास होने पर ही होगा। यदि वह सीओई में निर्धारित सभी फिटनेस मानकों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तभी उन्हें सीरीज में खेलने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि आईपीएल के इसी सत्र में पंड्या पीठ में ऐंठन के कारण दर्द से परेशान रहे। इसी वजह से वह कई मुकाबलों में मुंबई इंडियंस के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उनकी फिटनेस को लेकर चयनकर्ता और टीम प्रबंधन गंभीर है।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से हुई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईइ) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज को धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली त्रई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए है। उसमे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरु होने वाले त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा, इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उनका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युध्वीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान. वैभव सूर्यवंशी का शानदार आगाज

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला : सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्ब आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थी, और इन्ही कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया। उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। वही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल मे सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा । भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट मे लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज, श्रुति कुमारी और किरण पक्षा ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल म्योंगमिन रयु ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत मे ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी।

सचिन भी हुए वैभव के प्रशंसक, बोले वह स्लॉगर नहीं अद्भुत खिलाड़ी

टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते हैं

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी 15 साल के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने वैभव की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी है और जिस प्रकार वह कलाई के जरिये शॉट खेलता है उससे ये साफ है कि वह स्लॉगर नहीं है। वैभव की धुआंधार खेल शैली से क्रिकेट विशेषज्ञ और प्रशंसक भी हैरान है। यहां तक कि सचिन भी उनके प्रशंसक बन गये हैं। सचिन ने एक कार्यक्रम में वैभव की सराहना करते हुए उन्हे अद्भुत खिलाड़ी बताया है। माना जा रहा है तेंदुलकर के इस बयान के बाद वैभव को भारतीय टीम में जगह मिलना लगभग तय ही गया है। इस महान बल्लेबाज ने कहा कि वैभव मैदान के हर कोने में शॉट खेल लेता है। इसलिए उसे आप स्लॉगर नहीं कह सकते है। बल्कि वह अन्य खिलाड़ियों की तुलना मे गेंद की लाइन और लेंथ को शुरुआत मे ही पकड़ लेते है। इसी गहरी समझ के कारण, वह आसानी से बड़े-बड़े छक्के लगा लेते है। जिससे पता चलता है कि वह एक परिपक्वता खिलाड़ी है। सचिन ने कहा कि वह वैभव को किसी न किसी स्तर पर टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहते है। उन्होंने कहा, सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि हर कोई उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलते देखना चाहेगा। मुझे नहीं पता कि ऐसा कब होगा पर एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। तेंदुलकर ने साथ ही कहा कि हमें इस युवा खिलाड़ियों को अपने अनुसार खेल का आनंद लेने देना चाहिए और उन पर लगातार यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि उन्हें कौन सा फॉर्मेट खेलना चाहिए या किस टीम में चुना जाना चाहिए। उनके अनुसार ऐसा फैसला उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो इसके लिए जिम्मेदार है, जिससे खिलाड़ी बिना किसी अनावश्यक बोझ के अपने खेल पर ध्यान दे सके। सचिन ने ऐसे ही उनकी तरीफ नहीं की है बल्कि वैभव ने अपने को साबित भी किया है। आईपीएल के 19 वे सत्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी की शुरुआत करते हुए वैभव ने 16 मैचों में 776 रन बनाए, जिसमें पांच शानदार अर्धशतक और एकशतक शामिल है। क्वालीफायर मैच में इस 15 साल के क्रिकेटर ने 97 और 96 रनों की आक्रामक पारिया खेलकर अपने को साबित किया।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी : जुरेल

-नये गेंदबाजों का हौंसला बढ़ाने की भी थी जिम्मेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते है। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनाना पड़ता है। के हमारी टीम इसी सोच पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, ''एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लें, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।'' उन्होंने आगे कहा, ''मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देता था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।'' इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभाविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मध्यक्रम में एक बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी साझेदारियां बनाने पर भी रही है। उनका ध्यान स्ट्राइक बदलते रहने और यशस्वी जायसवाल तथा वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक बल्लेबाजों की मदद करने पर रहता है, जिससे टीम के लिए बड़ी साझेदारियां बनती रहे हैं।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये है। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सके। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है। भारत ए टीम, श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छा अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी। बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए है। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलम्बो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व मे टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हसिमा करुणारत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल है। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

टीम इस प्रकार है - चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविशा दिलहारी, हसिमा करुणारत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करूंगी

-सोशल मीडिया में समर्थन में उतरे लोग, बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय मे उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश मे कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नही मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी। इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया। विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम । तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले मे दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पलाकड़ावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओ का यौन शोषण किया। इस मामले मे अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले मे कहा गया है कि यदि दोषी जुर्माने की राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त ढाई साल की जेल की सजा भुगतनी होगी। यह मामला तिरुवनंतपुरम के एक प्रतिष्ठित क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र से जुड़ा है, जहाँ कई छात्राओ के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएँ सामने आई, जिससे पूरे खेल जगत में हड़कंप मच गया। जांच मे पाया गया कि आरोपी कोच विशेष फिटनेस और प्रशिक्षण के बहाने छात्राओं को अकादमी के जिम में ले जाता था और वहीं उनका यौन शोषण करता था। उसकी यह हरकतें यहीं तक सीमित नही थी; उसने कुछ छात्राओ से आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने की भी मांग की थी। छात्राओं द्वारा उसकी अनुचित मांगों को इनकार करने पर, वह उन्हें उचित क्रिकेट प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने से कतराता था, जिसके कारण उन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। लगातार हो रहे उत्पीड़न और अनुचित व्यवहार के कारण कई छात्राओं को मजबूरन अकादमी को छोड़ना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

काला सागर में तुर्किये के मालवाहक जहाज पर ड्रोन हमला, अंकारा ने दी तनाव बढ़ने की चेतावनी

इस्तांबुल, एजेंसी। काला सागर में तुर्किये के एक मालवाहक जहाज पर हमला हुआ है। इस घटना के कुछ घंटों बाद तुर्किये ने शुक्रवार को युद्ध में शामिल सभी पक्षों को कड़ी चेतावनी दी है। तुर्किये ने कहा है कि सभी पक्ष ऐसे कदम उठाने से बचें जिससे तनाव अनियंत्रित होकर गंभीर रूप से बढ़ जाए। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि वानुअतु के झंडे वाला एक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से सूखा माल लेकर तुर्किये आ रहा था। 28 मई की रात एक मानव रहित विमान (ड्रोन) ने इस जहाज पर हमला कर दिया। इस हमले में चालक दल के दो तुर्किये नागरिक मामूली रूप से घायल हुए हैं। ओडेसा में तुर्किये का दूतावास घायल नागरिकों की हालत पर लगातार नजर रख रहा है। मंत्रालय ने कहा कि काला सागर में युद्ध की वजह से बढ़ते खतरों को लेकर वह बहुत चिंतित है। तुर्किये ने सभी संबंधित पक्षों को अपनी चिंताओं और चेतावनियों से अवगत करा दिया है। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि काला सागर में आम नागरिकों के जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। तुर्किये ने बातचीत के जरिए लड़ाई खत्म करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। तुर्किये ने यह भी कहा कि वह शांति प्रक्रिया को तेज करने और लड़ाई को रोकने के लिए प्रभावी उपाय करने को तैयार है। इसी बीच, रोमानिया से भी एक बड़ी खबर आई है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एक रूसी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस गया। यह ड्रोन एक रिहायशी इमारत से टकरा गया, जिससे वहां आग लग गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रोमानियाई मंत्रालय के अनुसार, रूस ने रोमानिया की नदी सीमा के पास यूक्रेन के ठिकानों पर फिर से ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। इन घटनाओं ने पूरे इलाके में सुरक्षा को लेकर जोखिम बढ़ा दिया है। तुर्किये ने साफ किया है कि वह इस स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

अमेरिका में महंगाई दर 3.8% : पिछले तीन वर्ष में सबसे अधिक, खाने-पीने की बढ़ती कीमत से खर्च की क्षमता प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में महंगाई (मुद्रास्फीति) दर अप्रैल में बढ़कर 3.8 फीसदी पहुंच गई। यह पिछले तीन वर्षों का सबसे उच्च स्तर है। यह वृद्धि ईंधन और खाने-पीने की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल के कारण हुई है। यह संकेत है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव अमेरिकी लोगों की भी आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने गुरुवार को बताया कि अप्रैल में महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 3.8 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.5 प्रतिशत थी। यह मई 2023 के बाद का सबसे उच्च स्तर है। मासिक आधार पर कीमतों में 0.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, हालांकि मार्च में यह बढ़ोतरी 0.7 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में बताया गया कि गैस के अलावा कई अन्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ी हैं। इससे संकेत मिलता है कि महंगाई लंबे समय तक बनी रह सकती है और इस साल होने वाले मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन नेताओं के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। महंगाई अभी भी अमेरिकी फेडरल रिजर्व के 2 फीसदी तय लक्ष्य से काफी ऊपर है। इसका अर्थ है कि फेडरल रिजर्व इस साल ब्याज दरों में कटौती करने से बच सकता है। कुछ अधिकारियों ने संकेत दिया है कि अगला कदम ब्याज दर में कटौती की बजाय बढ़ोतरी भी हो सकता है।

कोई देश नहीं थोप सकता अपना वर्चस्व' :अमेरिका की चीन को दो टूक, पीट हेगसेथ ने भारत को बताया ताकतवर देश

सिंगापुर, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को कहा कि भारत एक ताकतवर देश है और अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के पास भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता है, जो उसे उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने में सक्षम बनाती है। हेगसेथ ने सिंगापुर में शांगरी-ला संवाद के दौरान प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत खास तौर से हिंद महासागर क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए हुए है। शांगरी-ला संवाद में बोलते हुए उन्होंने जिक्र किया कि भारत उच्च-स्तरीय सैन्य अभियानों को बनाए रखने के लिए भारी औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्षमता का निर्माण भी कर रहा है। हेगसेथ ने कहा, "हमने क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की भी प्रतिबद्धता जताई है।" उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने रक्षा क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर विनिर्माण के विस्तार की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, आसियान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा-संबंधी संबंधों का भी आकलन किया। हेगसेथ ने क्षेत्र में अमेरिका की रक्षा रणनीति पर कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एशिया-प्रशांत दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है और इस क्षेत्र की सुरक्षा असंतुलित रूप से अमेरिकी सैन्य शक्ति पर टिकी हुई है। उन्होंने देशों से अपनी रक्षा में गंभीरता से निवेश करने का आह्वान किया।

बातचीत और बमबारी साथ-साथ: दशकों बाद इस्राइल-लेबनान की सीधी सैन्य वार्ता, पेंटागन में शांति प्रयासों पर चर्चा

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष के बीच शुक्रवार को इस्राइली सैनिक दक्षिणी लेबनान के दिब्बीन गांव में दाखिल हो गए। इससे उनका अभियान देश के भीतर और आगे बढ़ गया। इसी दौरान इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पांच लोगों की मौत देर कानीन अल नहर और अब्बासियेह गांवों पर हुए हवाई हमले में हुई, जबकि एब्बा गांव में एक नगरपालिका पुलिसकर्मी की जान चली गई। उधर, वॉशिंगटन स्थित पेंटागन में लेबनान और इस्राइल के सैन्य अधिकारियों के बीच दशकों बाद पहली प्रत्यक्ष सैन्य वार्ता हुई। छह सदस्यीय लेबनानी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने इस्राइली अधिकारियों से मुलाकात की। पेंटागन ने वार्ता को सकारात्मक बताया और कहा कि इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता के लिए व्यावहारिक ढांचे तैयार करने पर चर्चा हुई। वार्ता के निष्कर्ष अगले सप्ताह अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा राजनीतिक नेताओं के बीच होने वाली बातचीत का आधार बनेंगे।

लेबनान ने क्या मांग रखी : लेबनानी प्रतिनिधिमंडल ने संघर्षविराम को व्यापक रूप से लागू करने और 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम की निगरानी करने वाली समिति को फिर से सक्रिय करने की मांग रखी। लेबनानी अधिकारियों ने यह भी कहा कि संघर्षविराम के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद सीमा पर लेबनानी सेना की तैनाती और दक्षिणी लेबनान से इस्राइली सैनिकों की वापसी जैसे मुद्दों पर बातचीत हो सकती है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बातचीत में कहा कि किसी भी अन्य मुद्दे पर आगे बढ़ने से पहले संघर्षविराम का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बीच इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों के लिए निकासी चेतावनी जारी की, जिसके बाद सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित क्षेत्रों में जाना पड़ा।

दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी : दक्षिणी लेबनान में योहमोर और जवतर अल-शर्कियेह गांवों के आसपास इस्राइली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाकों के बीच झड़पें जारी रहीं। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने योहमोर के भीतर इस्राइली सैनिकों को निशाना बनाया। ये गांव ऐतिहासिक ब्यूफोर्ट किले के पास स्थित हैं, जो इजरायल-लेबनान सीमा से करीब 15 किलोमीटर दूर है।

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उत्तरी मोर्चे का दौरा करते हुए कहा कि उनकी सेना लितानी नदी पार कर रणनीतिक क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित कर चुकी है और हिजबुल्लाह को करारा झटका दे रही है। उन्होंने कहा कि इस्राइल बेरूत, बेका घाटी और पूरे मोर्चे पर अभियान चला रहा है।

अमेरिका-ईरान में युद्धविराम को बढ़ाने पर चर्चा : इस बीच अमेरिका और ईरान के वार्ताकारों के बीच गुरुवार को युद्धविराम को 60 दिनों के लिए बढ़ाने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने को लेकर एक प्रारंभिक सहमति बनने की खबर सामने आई। हालांकि ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी एक संभावित समझौते की बात कही, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे मंजूरी देंगे या नहीं।

हिजबुल्लाह सांसद ने क्या कहा : हिजबुल्लाह सांसद हसन फदलल्लाह ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होता है तो लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई रुक सकती है। मार्च में शुरू हुए ताजा इस्राइल-हिजबुल्लाह संघर्ष में अब तक लेबनान में 3,200 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

चीन की सीक्रेट एजेंट निकली पूर्व अमेरिकी मेयर: अदालत में कबूला गुनाह, 10 साल के लिए जाएंगी जेल!

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया से एक चौंकाने वाली खबर आई है। अर्काडिया शहर की पूर्व मेयर एलीन वांग ने अदालत में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उन पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को बिना बताए चीन के एजेंट के रूप में काम किया। 56 साल की वांग ने माना कि उन्होंने चीनी अधिकारियों के इशारे पर काम किया था। वे अपनी वेबसाइट पर चीन के पक्ष वाली खबरें शेयर करती थीं। अमेरिकी कानून के मुताबिक ऐसा करने से पहले सरकार को सूचना देना जरूरी है।

मंगेतर के साथ मिलकर चलाया प्रोपेगैंडा : संघीय वकीलों के मुताबिक यह पूरा मामला साल 2020 से 2022 के बीच का है। वांग और उनके तत्कालीन मंगेतर याओनिंग 'माइक' सन ने चीनी अधिकारियों के लिए काम किया। दोनों मिलकर 'यूएस न्यूज सेंटर' नाम की वेबसाइट चलाते थे। इस वेबसाइट के जरिए वे चीन का प्रचार करते थे। जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग को एक लिंक भेजा था। यह लॉस एंजेलिस टाइम्स में छपा एक पत्र था। इसमें शिनजियांग प्रांत में उइगर मुसलमानों पर हो रहे अत्याचारों को झूठा बताया गया था। वांग ने कुछ ही मिनटों में इसे अपनी वेबसाइट पर पोस्ट कर दिया था।

कार्रवाई में क्यों हुई देरी : एलीन वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया की सिटी काउंसिल में चुनी गई थीं। इसके बाद वे मेयर बनीं। जब उनके खिलाफ एफबीआई की जांच शुरू हुई, तो लोगों ने इस्तीफे की मांग की। लेकिन कार्यवाहक मेयर पॉल चेंग ने कहा कि उनके हाथ कानून से बंधे थे। शहर के नियमों के मुताबिक किसी को दोषी साबित होने से पहले पद से नहीं हटाया जा सकता था। एलीन वांग ने इस महीने की शुरुआत में खुद ही इस्तीफा दे दिया था। लॉस एंजेलिस की अदालत में जज वेस्ली ह्सू के सामने वांग ने अपना दोष स्वीकार किया। सुनवाई के दौरान एक चीनी दुभाषिया भी मौजूद था। वांग के वकीलों का कहना है कि उनका यह रिश्ता 2024 में खत्म हो चुका है। वांग ने कहा कि उन्होंने गलत इंसान पर भरोसा किया, जिसने उन्हें भटका दिया। उनके पूर्व मंगेतर माइक सन को पिछले साल अक्टूबर में ही चार साल की जेल हो चुकी है।

रूस ने आर्मेनिया को दी धमकी: कहा- ईयू से बढ़ाई नजदीकियां, तो झेलना होगा निलंबन; पुतिन ने दी यूक्रेन जैसी चेतावनी

मॉस्को, एजेंसी। रूस के नेतृत्व वाले आर्थिक संगठन ने आर्मेनिया को बड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने कहा है कि वह आर्मेनिया को बाहर निकाल सकता है। दरअसल, आर्मेनिया अब यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होना चाहता है। रूस के गुट को आर्मेनिया की यह बात पसंद नहीं आ रही है। कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में एक बड़ा सम्मेलन हुआ। इस बैठक में रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के नेता शामिल हुए। इन सभी नेताओं ने कहा कि आर्मेनिया के इस कदम से हमारी आर्थिक सुरक्षा को भारी खतरा है। इन चारों देशों के नेताओं ने अपने अधिकारियों को एक आदेश दिया है। अधिकारी दिसंबर में एक रिपोर्ट पेश करेंगे। इस रिपोर्ट में देखा जाएगा कि आर्मेनिया को हटाने से क्या असर पड़ेगा। इन नेताओं ने आर्मेनिया से अपने देश में जनमत संग्रह कराने को भी कहा है। वे चाहते हैं कि आर्मेनिया की जनता खुद चुने कि उन्हें यूरोपीय संघ में जाना है या रूस के आर्थिक गुट में रहना है। हालांकि, आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान इस मांग को पहले ही ठुकरा चुके हैं।

चुनाव से ठीक पहले बढ़ा विवाद : यह सारा विवाद आर्मेनिया के संसदीय चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ है। आर्मेनिया में सात जून को वोट डाले जाएंगे। निकोल पाशिन्यान साल 2018 से प्रधानमंत्री हैं। वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। पिछले साल अमेरिका ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दशकों पुराना झगड़ा खत्म कराया था। इसके बाद से आर्मेनिया लगातार अमेरिका और यूरोपीय संघ के करीब जा रहा है। पाशिन्यान सरकार ने रूस के सैन्य संगठन में भी शामिल होना बंद कर दिया है। आर्मेनिया का पश्चिम की तरफ झुकाव रूस को नाराज कर रहा है।

पुतिन ने दी बड़ी आर्थिक तबाही की धमकी : रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आर्मेनिया को साफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी देश एक साथ दोनों संगठनों का हिस्सा नहीं रह सकता। पुतिन के मुताबिक, अगर आर्मेनिया इस गुट से बाहर गया तो उसे अपनी जीडीपी का 14 प्रतिशत नुकसान होगा। रूस ने आर्मेनिया पर दबाव बनाना भी शुरू कर दिया है। रूस ने आर्मेनिया की ब्रांडी, फलों और सब्जियों के आयात पर रोक लगा दी है।

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का पलटवार, बोला- होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण नहीं पा सकेगा यूएस

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान की नई समुद्री प्रबंधन संस्था फारस की खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण (पीजीएसए) ने उस पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना की है। संस्था ने कहा है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी गतिविधियां बिना किसी रुकावट के जारी रखेगी और गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को आवाजाही की अनुमति देती रहेगी। पीजीएसए ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि अमेरिका युद्ध और कूटनीति के जरिए जिस तरह होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने में विफल रहा, उसी तरह वह प्रतिबंध लगाकर भी अपने मकसद में सफल नहीं होगा। संस्था ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनुचित बताते हुए कहा कि इससे उसके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। दरअसल,

अमेरिका ने हाल ही में पीजीएसए पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि ईरान इस संस्था का इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों से कथित तौर पर अवैध शुल्क वसूलने और उससे मिलने वाली आय को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) तक पहुंचाने के लिए कर रहा है। अमेरिकी वित्त विभाग के अनुसार, पीजीएसए को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था। अमेरिका का दावा है कि यह संस्था आईआरजीसी और उसकी नौसेना के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर दबाव बनाने का काम कर रही है। इसी वजह से इसे अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की यह पहल दिखाती है कि अमेरिकी आर्थिक दबाव के कारण तेहरान को धन जुटाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के तेल निर्यात और उसके वित्तीय नेटवर्क पर दबाव बनाए रखेगा। वहीं, पीजीएसए ने स्पष्ट किया है कि वह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी में जहाजों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने के लिए काम करती रहेगी। संस्था ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने निगरानी क्षेत्र की सीमाएं भी तय की हैं और कहा है कि इस क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों को उसके साथ समन्वय कर आवश्यक अनुमति लेनी होगी। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में अमेरिका और ईरान के बीच इस मुद्दे पर बढ़ता टकराव अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार के लिए अहम माना जा रहा है।

शांगरी-ला डायलॉग: तकनीक से मजबूत होगा हिंद-प्रशांत क्षेत्र, भारत ने डाला प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रकाश

सिंगापुर, एजेंसी। भारत ने शांगरी-ला संवाद 2026 के दौरान उच्च स्तरीय राजनयिक प्रयासों और अकादमिक सहभागिता के जरिये एक स्थिर व सुरक्षित हिंद-प्रशांत बनाने की बात कही है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को एक्स पर कहा, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने हिंद-प्रशांत सुरक्षा संरचना की मजबूती, रक्षा औद्योगिक सहयोग तथा उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारियों पर अग्रणी थिंक टैंक व शिक्षाविदों से भारतीय रक्षा कूटनीति पर प्रकाश डाला।

रक्षा सचिव ने एक स्थिर, सुरक्षित और समावेशी हिंद-प्रशांत के लिए भारत की रक्षा कूटनीति विषय पर क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक सहभागिता के लिए भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। पोस्ट के अनुसार, इस चर्चा में सिंगापुर में भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले भी उपस्थित थीं, जो इस चर्चा के राजनयिक महत्व को रेखांकित करती है। बातचीत का मुख्य जोर सैन्य-से-सैन्य सहयोग मजबूत करने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने पर रहा। इस बीच, अमेरिकी रक्षा (युद्ध) मंत्री पीट हेगसेथ ने मुख्य भाषण से पहले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीतिक हितों की रक्षा के दूरदर्शी दृष्टिकोण की रूपरेखा स्पष्ट की। उनकी हिंद-प्रशांत क्षेत्र की यह चौथी यात्रा है।

रणनीतिक जुड़ाव की जरूरत पर जोर : भारत-अमेरिका ने शांगरी-ला संवाद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा-सुरक्षा सहयोग की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने नाटो सैन्य समिति के अध्यक्ष, नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ भी बातचीत की। इस दौरान, रक्षा सचिव राजेश सिंह ने अमेरिका के इंडोपैकॉम के कमांडर, एडमिरल सैमुअल जे. पपरो के साथ चर्चा की। उन्होंने नाटो के साथ निरंतर रणनीतिक जुड़ाव बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया।

सुरक्षा चुनौतियों में बदलावों पर चर्चा : रक्षा सचिव ने नाटो एडमिरल ज्यूसेपे कैवो ड्रैगन के साथ वैश्विक-क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने कहा, राजेश सिंह की वार्ता का केंद्र रणनीतिक संवाद बढ़ाने और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों में हो रहे बदलावों पर विचारों का आदान-प्रदान करना था। उन्होंने प्रमुख बहुपक्षीय रक्षा संगठनों के साथ रचनात्मक जुड़ाव बनाए रखना जरूरी बताया। दोनों पक्षों ने उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी पर प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों से भी चर्चा की।

राजनयिक संबंध गहरे करेंगे: ऑस्ट्रेलिया : संवाद के दौरान ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने कहा, हम सहयोग को मजबूत करने के लिए राजनयिक और रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह शांगरी-ला संवाद एशिया का प्रमुख रक्षा-सुरक्षा शिखर सम्मेलन माना जाता है, जहां एशिया-प्रशांत, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के रक्षा मंत्रियों, सैन्य प्रमुखों, नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों को क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए जुटते हैं।

ट्रंप-शी मुलाकात के बाद बढ़ा तनाव: अमेरिकी पत्रकार को चीन ने देश से निकाला, अब US ने ऐसे लिया बदला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच विवाद बहुत ज्यादा बढ़ गया है। बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के ठीक बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के पत्रकारों पर कार्रवाई की है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में काम कर रहे चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिनुआ के एक पत्रकार का वीजा रद्द कर दिया है।

अमेरिका ने यह कदम चीन के फैसले के जवाब में उठाया है। दरअसल, चीन ने कुछ दिनों पहले 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की महिला पत्रकार विवियन वांग को अपने देश से निकाल दिया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर वीजा रद्द होने की पुष्टि की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने भी माना कि सरकार की ऐसी योजना थी।

ताइवान के मुद्दे पर चीन का गुस्सा : इस पूरे विवाद की असली वजह ताइवान से जुड़ा एक कार्यक्रम है। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' के 'डीलबुक समिट 2025' में ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का एक रिकॉर्डेड इंटरव्यू दिखाया गया था। इस शो के होस्ट एंड्रयू रॉस सोर्किन थे। सोर्किन ने इंटरव्यू के दौरान ताइवान को एक देश कह दिया था। इस बातचीत में लाई चिंग-ते ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के आक्रामक रवैये की आलोचना की थी। उन्होंने अपने देश की रक्षा करने का संकल्प भी लिया था। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसी नाराजगी में

चीन ने पत्रकार विवियन वांग को देश छोड़ने का आदेश दे दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे कार्यक्रम में विवियन वांग की कोई भूमिका नहीं थी।

चीन में मिली थी सीधे टकराव की चेतावनी : यह पूरा विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब मध्य मई में राष्ट्रपति ट्रंप ने बीजिंग का दौरा किया था। उस शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ तौर पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तो चीन और अमेरिका के बीच सीधा टकराव हो सकता है।

चीन में लगातार सिमट रहा है विदेशी मीडिया : विदेशी पत्रकारों के संघ के अनुसार, साल 2020 से ही दोनों देशों के बीच पत्रकारों को लेकर खींचतान चल रही है। चीन लगातार अमेरिकी पत्रकारों के वीजा की अवधि घटा रहा है। अब उन्हें केवल एक से तीन महीने का वीजा मिल रहा है। इसके चलते चीन में अमेरिकी मीडिया घरानों के दफ्तरों में अब नाम मात्र के कर्मचारी बचे हैं। चीन के इस सख्त रवैये से अब दूसरे पश्चिमी मीडिया संगठन भी डरे हुए हैं। उन्हें डर है कि ताइवान के नेताओं का इंटरव्यू करने पर उन्हें भी चीन से बाहर निकाला जा सकता है।

ईरान से डील को लेकर दुविधा में ट्रंप: परमाणु और होर्मुज संकट पर टली बड़ी घोषणा, अंतिम फैसले का अब भी इंतजार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक बड़ी बैठक की। यह बैठक सिचुएशन रूम में हुई। इसमें ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ चर्चा की। इस बैठक में ईरान के साथ चल रहे तनाव पर बात हुई। दो घंटे की इस बातचीत के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो पाया। दोनों देशों के बीच युद्धविराम बढ़ाने को लेकर बातचीत चल रही है। इसके साथ ही होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने पर भी चर्चा हो रही है। ईरान ने कहा है कि यह सौदा अभी पक्का नहीं हुआ है।

इस बैठक से पहले ट्रंप ने एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस मामले में अंतिम फैसला लेना चाहते हैं। प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बैठक की जानकारी दी। उन्होंने समाचार एजेंसी एपी को नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप अपनी शर्तों पर ही समझौता करेंगे। वह ईरान के परमाणु मंसूबों को रोकना चाहते हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि ईरान को यह मानना होगा कि वह कभी परमाणु बम नहीं बनाएगा। ईरान के पास अभी 440.9 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम का भंडार है। यह 60 प्रतिशत तक शुद्ध है। परमाणु हथियार बनाने के लिए 90 प्रतिशत शुद्धता चाहिए होती है। ट्रंप चाहते हैं कि इस सामग्री को जमीन से खोदकर निकाला जाए। फिर इसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाए।

होर्मुज जलमार्ग का संकट : नए समझौते में होर्मुज जलमार्ग को खोलना सबसे बड़ी शर्त है। यह दुनिया का एक

बहुत ही महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। ईरान को 30 दिनों के भीतर यहां से सभी समुद्री बारूदी सुरंगें हटानी होंगी। ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टैक्स नहीं लगा पाएगा। इसके बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों से नाकेबंदी हटाएगा। अमेरिका प्रतिबंधों में भी ढील देगा ताकि ईरान अपना तेल बेच सके। इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान पर एक अचानक हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता और अन्य अधिकारी मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने इस रास्ते को बंद कर दिया था। पहले यहां से रोज 100 से ज्यादा जहाज निकलते थे। अब सिर्फ दो दर्जन जहाज ही निकल पाते हैं। ईरान ने यहां टैक्स वसूलने के लिए एक नई एजेंसी बनाई है। इस वजह से अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने ओमान को भी इस मामले में दूर रहने की चेतावनी दी है।

दोनों पक्षों में अविश्वास : ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालीबाफ ने अमेरिका पर भरोसा करने से इनकार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम बातचीत से नहीं बल्कि मिसाइलों से रियायतें हासिल करते हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि उनका ध्यान अभी सिर्फ युद्ध खत्म करने पर है। वे परमाणु योजना पर बात नहीं कर रहे हैं। ईरान चाहता है कि लेबनान में हिजबुल्ला और इस्राइल के बीच भी लड़ाई रुके। इसके साथ ही ईरान अपनी फ्रीज की गई अरबों डॉलर की रकम भी वापस चाहता है। ईरान की संसद के एक वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने साफ कहा कि हम कैश के बदले कैश की नीति पर ही काम करेंगे। फिलहाल दोनों देशों के बीच सात हफ्तों से युद्धविराम जारी है। दोनों तरफ से छोटे-मोटे हमले और आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। लेकिन फिर भी दोनों पक्ष बातचीत की मेज पर बने हुए हैं।

एक जश्न, सैकड़ों मुस्कान' -बीएफसीएल ने रचा इतिहास!

रामगढ़ में 'पीपुल फर्स्ट कल्चर' का महा-उत्सव, 148 कर्मचारियों ने एक साथ काटा केक!

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

रामगढ़, 31 मईः औद्योगिक जगत में अक्सर काम के दबाव और टारगेट की खबरें सुर्खियां बनती हैं, लेकिन रामगढ़ के बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड बीएफसीएल ने कुछ ऐसा कर दिखाया है जिसने पूरे कॉर्पोरेट जगत को चौंका दिया है! कंपनी ने अपने कर्मचारियों को केवल 'वर्कफोर्स' नहीं, बल्कि 'परिवार' मानते हुए एक अभूतपूर्व सामूहिक जन्मदिन समारोह का आयोजन किया।

"वन सेलिब्रेशन, मेनी स्माइल्स" (एक जश्न, कई मुस्कान) की थीम पर आधारित इस मेगा इवेंट में मई महीने में जन्म लेने वाले 148 कर्मचारियों का जन्मदिन एक साथ,

एक ही छत के नीचे बेहद भव्य तरीके से मनाया गया।

कड़ाके की मेहनत के बीच खुशियों का 'मेगा ब्लास्ट'

30 मई को आयोजित इस भव्य समारोह में उस समय अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब बिफ सी एल के जीएफए एचएसपीए और रांची हेड ऑफिस के कर्मचारी एक साथ झुमते-गाते नजर आए। विभिन्न विभागों के 148 कर्मचारियों ने जब एक साथ मिलकर केक काटा, तो

पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट और बधाई संदेशों से गूंज उठा।

कप्तानों ने बढ़ाया 'जांबाजों' का हौसला

इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने और कर्मचारियों की खुशियों को दोगुना करने के लिए कंपनी के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ अधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति ने कर्मचारियों के भीतर एक नया जोश और ऊर्जा भर दी।

वरिष्ठ अधिकारियों का बड़ा बयानःहमारी कंपनी की तरक्की की असली चाबी हमारे कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम और समर्पण में है। बिएफ सी एल अपने हर एक कर्मचारी को अपने परिवार का अटूट हिस्सा मानता है। ऐसे आयोजन दफ्तर के माहौल को एक घर जैसा पारिवारिक माहौल देते

हैं।"

तीन जगहों पर एक साथ गूंजी 'हैप्पी बर्थडे' की धुन

मैनेजमेंट ने इस जश्न को इतना भव्य रूप दिया कि इसका आयोजन किसी एक जगह नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग केंद्रों पर किया गयाः एचएएसपी कैंटीन

जीएफए कैंटीन मुख्य कार्यालय (हेड ऑफिस)

इन तीनों ही जगहों पर उत्सव का माहौल ऐसा था, मानो कोई बड़ा त्योहार मनाया जा रहा हो। क्यों खास है यह 'पीपुल फर्स्ट कल्चर' आमतौर पर कंपनियां सिर्फ मुनाफे की बात करती हैं, लेकिन बी फ सी एल ने 'पीपुल फर्स्ट कल्चर' (कर्मचारी पहले) की नीति को धरातल पर उतारकर यह साबित कर दिया है कि कर्मचारियों क खुशी ही कंपनी की असली सफलता है। प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य टीम भावना को मजबूत करना और एक ऐस सकारात्मक कार्य संसको बढ़ावा देना है, जहां हर कर्मचारी खुद को खास महसूस कर सके।

समारोह के अंत में प्रबंधन ने सभी 148 जन्मदिनधारी कर्मचारियों को उपहार और बधाई संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल, समृद्ध और स्वस्थ भविष्य की हार्दिक कामना की।

सड़क हादसे में बैल का पैर टूटा, आक्रोशित ग्रामीणों ने गोविंदपुर-साहेबगंज रोड पर लगाया घंटों जाम

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद(पूर्वी टुंडी): गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर कोलडीह के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बैल का पैर टूट गया। इस घटना से आक्रोशित आदिवासी ग्रामीणों ने सहरपुरा से दुम्मा तक सड़क जाम कर दिया। घंटों चले इस जाम के कारण आवागमन पूरी तरह ठप रहा। सबसे ज्यादा परेशानी बीएड और एमएड की परीक्षा देने जा रहे परीक्षार्थियों को हुई, जो समय पर केंद्र पहुंचने के लिए जाम में फंसे रहे।खेत में बिछड़ा देने गए थे किसान जानकारी के अनुसार, कोलडीह निवासी शिशु लाल मुर्मू (पिता स्वर्गीय हरि मुर्मू) सुबह अपने दोनों बैलों को लेकर खेत में बिछड़ा (धान की पौध) देने के लिए जुताई करने गए थे। सुबह करीब आठ बजे जब वह खेत जोतकर घर लौट रहे थे, उसी समय गोविंदपुर-साहेबगंज रोड पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनके बैल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बैल का पैर टूट गया। ग्रामीणों का कहना है कि एक किसान के लिए बैल उसकी रीढ़ की हड्डी के समान होता है। इस हादसे से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर बैरिकेडिंग करने और घायल पशु के तुरंत इलाज के लिए पशु चिकित्सक को बुलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।पुलिस और प्रशासन की तत्परता से हटा जाम घटना की सूचना मिलते ही पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने तुरंत पुलिस बल, एएसआई और पशु चिकित्सा वाहन को मौके पर भेजा। अंचल निरीक्षक चंदन कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों और स्थानीय नेताओं ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। प्रशासन ने हादसे वाली जगह पर तुरंत बैरिकेडिंग लगवाई। वहीं मौके पर पहुंचे एआई तकनीशियन संतोष रजक और मुनीलाल ने पशु चिकित्सक के रूप में घायल बैल का तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया।ये लोग रहे मुस्तैदजाम को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कराने में झामुमो नेता रामचंद्र मुर्मू, संदीप हंसदा, बबलू अंसारी, सामाजिक कार्यकर्ता कीर्तन मंडल, एएसआई जगदीश टोप्पो, रामगुलाम महतो और भोला राय ने सक्रिय भूमिका निभाई।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। धनबाद में लगातार हो रही बाइक चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने में सरायढेला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाउसिंग कॉलोनी गायत्री मंदिर रोड निवासी अरुणेश कुमार और अनिमेष कुमार के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार, दो दिन पूर्व गोविंदपुर थाना क्षेत्र के केजी आश्रम जेलगोंडा निवासी अनोज कुमार की बाइक चोरी हो गई थी। अनोज की दुकान पर तीन युवक सामान खरीदने के बहाने पहुंचे थे। आरोपियों ने दुकानदार को सामान दिखाने के बहाने अपनी बातों में उलझा लिया और मौका पाकर उनकी बाइक लेकर भागने लगे। हालांकि, घटना के समय ही एक चोर को स्थानीय लोगों की मदद से रंगेहाथ पकड़ लिया गया था।सरायढेला थाना के सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि रंगेहाथ पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने छापेमारी कर अरुणेश और अनिमेष को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच कराने के बाद उन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

हजारीबाग में विकास कार्यों को मिली रफ्तार, विधायक प्रदीप प्रसाद ने कई योजनाओं का किया शिलान्यास व उद्घाटन,

हजारीबाग, संवाददाता।

हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में विधायक प्रदीप प्रसाद ने विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव, टोला और वार्ड तक विकास की किरण पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है।कार्यक्रम की शुरूआत नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-3 स्थित नूरा में कुंवर कल्याण चौक के समीप विधायक निधि से निर्मित पेवर ब्लॉक सड़क के उद्घाटन से हुई। स्थानीय लोगों ने इस सड़क के निर्माण पर खुशी जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा तथा स्थानीय आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

इसके बाद विधायक ने कटकमसांडी प्रखंड की दक्षिणी पेलावल पंचायत में राजन जी के घर से अलहिरा विद्यालय तक लगभग 730 मीटर लंबी पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। लंबे समय से लंबित इस मांग के पूरा होने पर ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। सड़क निर्माण से विद्यार्थियों, किसानों एवं ग्रामीणों को विशेष लाभ मिलेगा।

वहीं नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-6 स्थित मटवारी जागों निवास पथ में आरसीसी नाली निर्माण एवं मरम्मतीकरण कार्य का भी विधिवत शिलान्यास किया गया। इस योजना के पूर्ण होने से जलजमाव और निकासी संबंधी समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर होगी।

भाषा नियमावली में सभी क्षेत्रीय भाषाओं को मिले समुचित सम्मानः वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर*

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादः धनबाद पहुंचे झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य में चल रहे भाषा विवाद जैसे संवेदनशील और अहम मुद्दे पर खुलकर सरकार का पक्ष और अपनी राय रखी। सर्किट हाउस में कार्यकताओं द्वारा स्वागत किए जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में जो स्थिति बनी है, वह कोई भाषा विवाद नहीं है, बल्कि नियमावली बनाने में हुई एक प्रशासनिक चूक है। इसे सुधारने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। उन्होंने मांग की कि राज्य की सभी क्षेत्रीय भाषाओं को उनका हक और सम्मान मिलना चाहिए।जहां जनजातीय भाषा के शिक्षक नहीं, वहां उसे अनिवार्य करना तर्कसंगत नहीं

भाषा नियमावली में आवश्यक संशोधन की वकालत करते हुए वित्त मंत्री ने व्यावहारिक दिक्कतों को सामने रखा। उन्होंने कहाः बिहार राज्य की सीमा से सटे झारखंड के कई जिलों में भोजपुरी, मैथिली और अंगिका जैसी भाषाएं व्यापक रूप से जनमानस द्वारा बोली जाती हैं। ऐसे में रोजगार और परीक्षाओं की नियमावली में इन भाषाओं का भी पूरा सम्मान होना चाहिए। हम सभी जनजातीय भाषाओं का सम्मान करते हैं, लेकिन जिन क्षेत्रों में जनजातीय भाषा बोलने वाले लोग ही नहीं हैं, जहां न तो उस भाषा में पढ़ाई होती है और न ही शिक्षक उपलब्ध हैं, वहां उसे अनिवार्य करना किसी भी दृष्टिकोण से तर्कसंगत नहीं है।उन्होंने कहा कि सरकार से उनकी मांग सिर्फ इतनी है कि नियमावली में क्षेत्रीय और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सभी भाषाओं को समुचित स्थान दिया जाए, ताकि किसी भी वर्ग के विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित न हो।तीन जून को होने वाली समिति की बैठक पर टिकी नजरें

वित्त मंत्री ने जानकारी दी कि भाषा नियमावली की विसंगतियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आगामी तीन जून को प्रस्तावित है। इस बैठक में नियमावली के तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं में आवश्यक संशोधन पर गंभीर चर्चा की जाएगी, जिससे राज्य के युवाओं में फैला भ्रम और असंतोष दूर हो सके।

प्रदेश अध्यक्ष से व्यक्तिगत विवाद नहीं, सिर्फ वैचारिक मतभेद

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और उनके बीच चल रही कथित राजनीतिक खींचतान और गुटबाजी के सवाल पर भी वित्त मंत्री ने अपनी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि उनका प्रदेश अध्यक्ष के साथ किसी भी प्रकार का कोई व्यक्तिगत विवाद या मनमुटाव नहीं है। लोकतंत्र में और एक बड़े दल के भीतर मतभेद होना स्वाभाविक है। उनके बीच जो भी असहजता है, वह केवल पार्टी की नीतियों, कार्यप्रणाली और सिद्धांतों को लेकर है, किसी व्यक्ति विशेष को लेकर नहीं।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकली प्रभात फेरी, युवाओं को नशामुक्त जीवन का दिया संदेश

झुमरी तिलैया। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर शनिवार को झुमरी तिलैया में तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप चौक से ब्लॉक मैदान तक निकाली गई इस जागरूकता रैली में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया।

प्रभात फेरी का शुभारंभ सिविल सर्जन कोडरमा डॉ अनिल कुमार एवं जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी-सह-राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के नोडल पदाधिकारी डॉ. रमण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली के दौरान तम्बाकू निषेध से जुड़े नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों को तम्बाकू एवं निकोटीन उत्पादों से दूर रहने की अपील की गई।

इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की थीम अनमास्किंग द अपील : तम्बाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की राजनीति को उजागर करना निर्धारित की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तम्बाकू नियंत्रण को लेकर विशेष जागरूकता अभियान अगले एक माह तक जिलेभर में चलाया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

रैली में शामिल 45 झारखंड बटालियन एनसीसी के कैडेट्स ने युवाओं को तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण के लिए आगे आने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि तम्बाकू की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी सहित कई घातक रोगों का प्रमुख कारण बनती है। इसलिए युवाओं को इस आदत से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। प्रभात फेरी का समापन ब्लॉक मैदान में हुआ, जहां उपस्थित लोगों को जीवनभर तम्बाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में शामिल सैकड़ों लोगों ने तम्बाकू मुक्त जीवन अपनाने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर एएनओ सेकेंड ऑफिसर नवीन चौधरी, सूबेदार चंद्रहास, हवलदार दिलेश्वर, जिला परामर्शी दीपेश कुमार, अविनाश आनंद, हिमांशु कुमार, गणेश कुमार दास, प्रकाश रवि, ललन कुमार, आदित्य कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के माध्यम से तम्बाकू नियंत्रण और जनस्वास्थ्य संरक्षण का मजबूत संदेश दिया गया।

चिरेका में जल संरक्षण की अलखः पोस्टर-नारों के साथ निकली रैली, कर्मियों ने लिया संकल्प

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना में विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 के तहत जल संरक्षण ड्राइव का आयोजन किया गया। 15 मई से 5 जून 2026 तक चलने वाले इस पर्यावरण जागरूकता अभियान की शुरूआत 15 मई को शपथ ग्रहण कार्यक्रम के साथ हुई थी। इसी कड़ी में 31 मई 2026 को जल विभाग कार्यालय के समक्ष विशेष ड्राइव आयोजित कर जल बचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। सभी ने जल संरक्षण के जरिए जल चक्र को अनुकूल बनाए रखने में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने माना कि जल ही जीवन है और इसकी एक-एक बूंद कीमती है। भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह जल संरक्षण ड्राइव जल विभाग कार्यालय से शुरू होकर पेट्रोल पंप के समीप समाप्त हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में जल संरक्षण से जुड़े स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर आम लोगों को जागरूक किया। जल है तो कल है, बूंद-बूंद से बने सागर जैसे नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक, सभी ने उत्साहपूर्वक ड्राइव में भाग लिया और शहरवासियों से जल की बबार्दी रोकने की अपील की। गौरतलब है कि चिरेका में 15 मई से विश्व पर्यावरण दिवस अभियान चलाया जा रहा है, जो 5 जून तक चलेगा। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शपथ ग्रहण से शुरू हुए इस अभियान में वृक्षारोपण, स्वच्छता और जल-ऊर्जा संरक्षण जैसे विषयों पर लगातार जागरूकता फैलाई जा रही है। चिरेका प्रशासन का मानना है कि ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों के साथ-साथ आम लोगों में भी पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति चेतना बढ़ेगी। जल संरक्षण ड्राइव को सफल बनाने में जल विभाग के अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका सराहनीय रही।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर प्रेरणा शाखा की जागरूकता पहल, छात्रा काशवी वैभव ने दिया प्रेरणादायक संदेश सोशल मीडिया पर हजारों लोगों की सराहना

झुमरी तिलैया : विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रेरणा शाखा द्वारा जनजागरूकता को ले एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रिजली विद्यालय की कक्षा 8वीं की छात्रा काशवी वैभव द्वारा तंबाकू निषेध पर एक प्रेरणादायक भाषण रिकॉर्ड करवाया गया और सोशल मीडिया पर डाला जिसे हजारों लोगों ने देखा और सराहना की। अपने संबोधन में काशवी ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों एवं गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, फेफड़ों की बीमारी, हृदय रोग एवं सांस संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तंबाकू की लत केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की खुशियों और आर्थिक स्थिति को भी प्रभावित करती है। काशवी ने अपने भाषण में यह भी बताया कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों के इलाज में लाखों रुपये खर्च होते हैं, जिससे परिवार आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करता है। कई बार परिवार के सदस्यों को अपनों को खोने का दुख भी सहना पड़ता है। उसने युवाओं से अपील की कि वे तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहें तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशामुक्त समाज बनाने एवं आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। प्रेरणा शाखा ने सभी नागरिकों से तंबाकू मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग देने की अपील की।इस कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच की मंडल 1 सहायक मंत्री श्रेया केडिया झारखंड प्रांतीय जीव दया संयोजक सारिका लड्ढा प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष आकृति चौधरी उपाध्यक्ष स्नेह चौधरी और आर्ची जैन सचिव प्रिया अग्रवाल सहसचिव दीपा गुप्ता कोषाध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल तथा स्वस्थ शिविर की पर्योजना निर्देशक नेहा हिसारिया आदि इस कार्यक्रम से जुड़ी

गांडेय की सड़कों पर मौत का सफर।95 फीसदी लोग बिना हेलमेट के उड़ा रहे नियमों की धज्जियां।

स्टाइल के चक्कर में जिंदगी से खिलवाड़, थाना प्रभारी ने की हेलमेट पहनने की अपील। रफ्तार मीडिया की गुहार- पुलिस के डर से नहीं, परिवार की खातिर लगाएं हेलमेट

रफ्तार मीडिया संवाददाता, राजू मंडल गांडेय।

गांडेय प्रखंड की सड़कों पर इन दिनों लापरवाही का एक ऐसा खतरनाक मंजर देखने को मिल रहा है, जो किसी को भी सोचने पर मजबूर कर दे। लोग सुबह घरों से निकलते तो हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि घर पर कोई उनका इंतजार कर रहा है। आज गांडेय की मुख्य सड़कों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक बिना हेलमेट के बेधड़क मोटरसाइकिल दौड़ाना, सीधे-सीधे मौत को दावत देने जैसा साबित हो रहा है।

95 प्रतिशत बाइक सवारों को अपनी जान की परवाह नहीं

सड़कों पर लापरवाही का आंकड़ा बेहद डराने वाला है। स्थिति यह है कि करीब 95 प्रतिशत लोग बिना हेलमेट के ही सड़कों पर मोटरसाइकिलें धुआंधार दौड़ा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सिर्फ चालान या पुलिस के डर का

मामला नहीं है, बल्कि यह खुद की सुरक्षा के प्रति घोर उदासीनता है। जब कोई बिना हेलमेट के घर से निकलता है, तो वह अकेले नहीं होता, उसके पीछे उसकी उम्मीद में पूरा परिवार बैठा होता है। एक छोटी सी लापरवाही हंसते-खेलते परिवार को उम्र भर का दर्द दे सकती है।

थाना प्रभारी ने की हेलमेट पहनने की अपील

क्षेत्र में लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए गांडेय थाना प्रभारी अमित कुमार चौधरी ने मोटरसाइकिल चालकों से बेहद संजीदगी से अपील की है। उन्होंने कहा कि वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनकर ही सड़कों पर निकलें। पुलिस प्रशासन का मकसद किसी को परेशान करना नहीं, बल्कि सबकी जान सुरक्षित रखना है।

नेताओं ने भी जताई चिंता

भाजपा के समर्पित कार्यकर्त्ता बुधुडीह के छोटीलाल वर्मा ने कहा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हम सबकी जिम्मेदारी है। युवा पीढ़ी को खास तौर पर समझना होगा कि हेलमेट बोझ नहीं, सुरक्षा कवच है। एक दुर्घटना पूरे परिवार को तबाह कर देती है।

झामुमों नेता प्रमोद राम ने कहा आए दिन हो रहे हादसों से कई घर उजड़ रहे हैं। लोगों को खुद जागरूक होना होगा। पुलिस की सख्ती से ज्यादा जरूरी है कि लोग खुद अपनी और अपने परिवार की **सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनें।**

रफ्तार मीडिया की अपील

रफ्तार मीडिया ने गांडेय के तमाम बाइक सवारों से हाथ जोड़कर यह अपील करता है कि कृपया स्टाइल के चक्कर में या केवल पुलिस के डर से बचने के लिए हेलमेट न पहनें। हेलमेट अपने परिवार की मुस्कान और सुरक्षित घर लौटने के लिए जरूर लगाएं। याद रखिए, सड़क पर आपकी जिंदगी सिर्फ आपकी नहीं, आपके पूरे परिवार की अमानत है। हेलमेट पहनिए, सुरक्षित रहिए।

मनीष राज के झारखंड मीडिया पैनलिस्ट बनने पर कांग्रेसियों में खुशी ।

राजधनवारः--गिरिडीह जिले के राजधनवार का युवा कांग्रेस नेता मनीष राज को कांग्रेस पार्टी के झारखंड मीडिया पैनलिस्ट में शामिल किए जाने पर धनवार क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की। धनवार प्रखंड अध्यक्ष निरंजन तिवारी ने कहा कि मनीष राज का मीडिया पैनलिस्ट बनने से पार्टी को मजबूती मिलेगी तथा वे झारखंड के जनहित से जुड़े मुद्दों और पार्टी की नीतियों को मजबूती से जनता के बीच रखेंगे। कहा कि मनीष राज लम्बे समय से संगठन के प्रति सक्रिय और समर्पित रहे हैं। उनके चयन से युवा कार्यकताओं में उत्साह का महौल है।

तंबाकू का जहर शरीर के साथ परिवार भी कर देता है बर्बादः उपायुक्त

ऋतुराज ने दिखाई हरी झंडी, गांव-गांव गूंजेगा तंबाकू के खिलाफ हल्ला बोल! स्लो पॉइजन बेच रही कंपनियों की अब खैर नहीं, रामगढ़ को 'स्मोक-फ्री' बनाने सड़क पर उतरी साहियाओं की फौज

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर

जिंदगी निगल रहे तंबाकू के काले कारोबार और जानलेवा लत के खिलाफ रामगढ़ जिला प्रशासन ने अब तक का सबसे बड़ा मोर्चा खोल दिया है! विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर रामगढ़ के उपायुक्त श्री ऋतुराज ने खुद कमान संभालते हुए मौत के इस सौदागर (तंबाकू) के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया। उपायुक्त ने समाहरणालय परिसर से विशेष 'जागरूकता रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जिले के कोने-कोने में जाकर तंबाकू माफियाओं के फैलाए जाल को काटेगा।

"तंबाकू यानी सीधे मौत को बुलावा!" झ उपयुक्त ऋतुराज की दोटूक

"तंबाकू का हर एक कश और हर एक दाना सिर्फ आपके शरीर को नहीं, बल्कि आपके हंसते-खेलते परिवार को भी तबाह कर रहा है। यह एक धीमा जहर है जो सीधे जानलेवा बीमारियों के दलदल में धकेलता है। अब वक्त आ गया है कि हर नागरिक तंबाकू उत्पादों को उखाड़ फेंके और अपने समाज को इस अभिशाप से मुक्त कराए।"

— श्री ऋतुराज, उपायुक्त, रामगढ़ जिले के हर कोने में मचेगा

हड़कंपः हाई-टेक रथ खोलेगा तंबाकू के काले सच के राज

स्वास्थ्य विभाग द्वारा तैयार किया गया यह 'जागरूकता रथ' कोई आम गाड़ी नहीं, बल्कि तंबाकू के खिलाफ एक चलता-फिरता हथियार है। यह रथ रामगढ़ के शहरी इलाकों से लेकर सुदूर गांवों और कस्बों की खाक छानेगा।

क्या करेगा यह रथ लाउडस्पीकरों और बैनरों के जरिए यह लोगों को झकझोरेगा कि कैसे तंबाकू कंपनियां आपकी जेब और जिंदगी दोनों साफ कर रही हैं।

मिलेगी सीधी चेतावनीः रथ के माध्यम से तंबाकू से होने वाले भयानक कैंसर, दिल की बीमारियों और सरकार के कड़े कानूनों की जानकारी देकर लोगों को आगाह किया जाएगा।

सड़कों पर उतरीं 'साहिया बहनें', गूंजे तंबाकू मुक्त समाज के नारे

इस महा-अभियान में उस वक्त जोश दोगुना हो गया जब जिले की साहियाओं ने सड़कों पर उतरकर एक विशाल जागरूकता रैली निकाली। हाथों में तंबाकू विरोधी तख्तियां लिए जब साहियाओं की फौज आगे बढ़ी, तो पूरा शहर तंबाकू मुक्त समाज के नारों से गूंज उठा। इस रैली ने साफ संदेश दे दिया कि अब रामगढ़ की जनता तंबाकू के इस जानलेवा खेल को बर्दाश्त नहीं करेगी।

कैंपेन के पीछे के मुख्य चेहरे

मौत के खिलाफ इस जंग को जमीन पर उतारने के लिए स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारी भी पूरी मुस्तैदी से डटे रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित रहेः

डॉ. स्वराज (प्रभारी सिविल सर्जन)
डॉ. तूलिका रानी (नोडल पदाधिकारी, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम)
एनडीसी सहित स्वास्थ्य विभाग के तमाम आला अधिकारी और जांबाज कर्मी।

सरकारी जमीन पर लगे अकेशिया के पेड़ों को आग लगाकर किया नष्ट, बचे पेड़ काटकर ले गए अज्ञात लोग

बिरनी/गिरिडीह। रफ्तार मीडिया संवाददाता श्याम मोदी

बिरनी थाना क्षेत्र के मौजा पड़रिया में सरकारी भूमि पर वन विभाग द्वारा लगाए गए अकेशिया के पेड़ों को आग लगाकर नष्ट करने तथा बचे हुए पेड़ों को काटकर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, हल्का संख्या-1 के आरएसआई प्रशांत कुमार ने बिरनी थाना में आवेदन देकर मामले की जांच कराने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि 30 मई 2026 को अंचल अधिकारी एवं अंचल निरीक्षक के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी अधिकारियों को दी।

ग्रामीणों के अनुसार, मौजा पड़रिया के खाता संख्या-45, प्लॉट संख्या-106 स्थित लगभग एक एकड़ गरमजरुआ खास भूमि पर वन विभाग द्वारा ट्रेंच कटिंग कर अकेशिया के पौधे लगाए गए थे। यह भूमि सरकारी अभिलेखों में दर्ज है और वर्षों से सरकारी जमीन के रूप में चिन्हित है। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 15 से 20 दिन पूर्व संध्या के समय कुछ अज्ञात लोगों ने जंगल में आग लगा दी थी। आग की चपेट में आने से बड़ी संख्या में अकेशिया के पेड़ जलकर नष्ट हो गए। इसके बाद आग से बच गए पेड़ों को भी काटकर अज्ञात लोग अपने साथ ले गए।

आरएसआई प्रशांत कुमार ने अपने आवेदन में कहा है कि इस घटना से सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। साथ ही पर्यावरण और वन संरक्षण के प्रयासों को भी गंभीर क्षति हुई है। पेड़ों के नष्ट होने से क्षेत्र की हरियाली प्रभावित हुई है और वन विभाग की ओर से किए गए पौधारोपण कार्य को बड़ा झटका लगा है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन से दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं ग्रामीणों ने भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों को चिन्हित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।

पतरातू के कडरू गांव में मंडा पूजा में पहुंचीं पूर्व विधायक अंबा प्रसाद

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौर भुरकुंडा से गुड्डू की रिपोर्ट

पतरातू प्रखंड के ग्राम कडरू में आयोजित ऐतिहासिक मंडा पूजा में बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुईं। उन्होंने मंडा स्थल पर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की पूजा की और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

पूर्व विधायक ने मंडा खूंटा के पास झूल रहे भोक्ताओं से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मंडा पूजा झारखंड की आत्मा है। भोक्ताओं की तपस्या और आस्था हमें हमारी जड़ों से जोड़ती है। यह त्याग और विश्वास का पर्व है।

कडरू मंडा मेला में बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से श्रद्धालु जुटे थे। अंबा प्रसाद ने मेला समिति के सदस्यों से बातचीत की और आयोजन को सफल बनाने के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि मंडा पूजा जैसे आयोजनों से सामाजिक समरसता बढ़ती है।

अंबा प्रसाद ने कहा कि कडरू गांव में मंडा पूजा की परंपरा काफी पुरानी है मैं यह हमेशा से आती रही हूं। यहां हर साल जेठ महीने में भोक्ता निर्जला व्रत रखकर पीठ में हुक लगाकर 21 बार मंडा खूंटा पर झूलते हैं। मान्यता है कि इससे भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और गांव में सुख-शांति बनी रहती है।

दुलाडीह से चारेडीह आदिवासी टोला तक सड़क निर्माण का शिलान्यास, विकास का नया अध्याय : डॉ. इरफान अंसारी

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा प्रखंड अंतर्गत दुलाडीह से चारेडीह आदिवासी टोला तक करीब दो किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास रविवार को झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं जामताड़ा विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने किया। सड़क निर्माण की आधारशिला रखे जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से सड़क सुविधा से वंचित इस क्षेत्र के लोगों को अब बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है।शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जामताड़ा के विकास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ने जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुलाडीह और चारेडीह शहर से सटे हुए क्षेत्र हैं, लेकिन सड़क सुविधा के अभाव में यहां के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सरकार की प्राथमिकता है कि विकास की रोशनी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्रों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाए। मंत्री ने चुनाव पूर्व के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि जब वह चुनाव प्रचार के दौरान इस गांव पहुंचे थे, तब स्थानीय मुखिया ने उन्हें खटिया पर बैठाकर गांव की समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने उनसे सड़क की मांग तक नहीं की और केवल अपना समर्थन एवं विश्वास जताया। इस बात ने उन्हें काफी प्रभावित किया। डॉ. अंसारी ने कहा कि आदिवासी समाज का दिल बहुत बड़ा होता है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों ने पहले विश्वास जताया और बाद में विकास की उम्मीद रखी। उस समय जब उन्हें गांव के रास्तों से पैदल चलना पड़ा, तभी उन्होंने महसूस किया कि इस क्षेत्र में सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उसी समय उन्होंने सड़क निर्माण कराने का संकल्प लिया था, जो आज पूरा हो रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आने वाले दिनों में जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र में और भी विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा। मौके पर कांग्रेस की जिला अध्यक्ष दीपिका बेसरा, कार्यकारी जिला अध्यक्ष विजय दुबे, बीरबल अंसारी, विनोद छतरिया, इरशाद-उल-हक अर्शी, भागीरथ पंडित, मुखिया दिनेश मुर्मू, तनवीर आलम, मुस्तकीम अंसारी, ताहिर अंसारी, मुश्ताक अंसारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से इस क्षेत्र में बेहतर सड़क की मांग की जा रही थी। सड़क बनने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंच भी बेहतर हो सकेगी।

15 दिवसीय बालिका ग्रीष्मकालीन कला प्रशिक्षण शिविर का समापन

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

कला ज्योति संस्कार शाला गयाजी द्वारा आयोजित 24वें बालिका ग्रीष्मकालीन नाट्य, नृत्य, मूर्तिकला, चित्रकला एवं लेखन कला के 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को स्थानीय रामचंद्र सिंह बनमली बाबा कन्या प्लस-2 उच्च विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ।

शिविर का आयोजन 17 मई से 30 मई 2026 तक किया गया, जिसमें छात्राओं के सृजनात्मक एवं सर्वांगीण विकास पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मूर्तिकला, स्थापत्य कला, ललित कला, अभिनय कला तथा लेखन कला की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शिविर में रिशा कुमारी, शिल्पा कुमारी, दीपिका कुमारी, नेहा कुमारी, साक्षी कुमारी, राखी कुमारी, श्रुति कुमारी, सलोनी सिंह, नंदनी कुमारी, राजनंदनी कुमारी, फ्रूटी कुमारी, हनी बरनवाल, खुशी कुमारी, रश्मि सिन्हा सहित कई छात्राओं ने भाग लिया।

समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्रा रश्मि कुमारी ने कहा कि 15 दिनों के प्रशिक्षण के बाद उन्हें आगे भी इस प्रकार की गतिविधियों से जुड़े रहने की इच्छा है। इस पर वरिष्ठ रंगकर्मी एवं शिविर प्रशिक्षक शंभू सुमन तथा शंभू प्रसाद ने आश्वस्त किया कि कला एवं रचनात्मक गतिविधियों में रुचि रखने वाले बच्चों के लिए वर्षभर निःशुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को संडे क्लब के माध्यम से कला ज्योति संस्कार शाला में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या अलका सिन्हा ने कहा कि 15 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर से छात्राओं को काफी लाभ मिला है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निरंतर संचालन की आवश्यकता पर बल दिया। इस पर प्रशिक्षक शंभू सुमन ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया।

समापन समारोह में रवि रंजन कुमार, संजीत कुमार, वंदना दास गुप्ता, स्वाति गोस्वामी, खुशबू कुमारी, ज्ञान ज्योति, साजिया प्रवीण, दीपक कुमार तिवारी, चंदन कुमार, धीरज कुमार, संगीता कुमारी, खुशबू पटेल, स्मृति कुमारी, अनामिका कुमारी तथा अखिलेश चौधरी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए।

पहली रोटी गाय की मूल मंत्र लेकर सभी गौ माता के लिए की गई रोटी की व्यवस्था

झुमरी तिलैया – मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया के तत्वाधान में गौशाला जाकर गौ सेवा का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 41 किलो गुड़, और सभी गौ माता के लिए दो रोटी की व्यवस्था सदस्यों के सहयोग से गौशाला में जाकर गौ माता को खिलाने का पुण्य काम किया पुरुषोत्तम मास में यह पहली गौ सेवा की गई जिसे अध्यक्ष मोहित संघई ने सभी सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद दिया और कहा इस तरह के सेवा कार्य मंच के सभी सदस्य निरंतर करते रहेंगे और गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त करते रहेंगे इसी दौरान उन्होंने अगले महीने होने वाले गौ सेवा पर जोर दिया और कहा पुरुषोत्तम मास में अगली गौ सेवा भव्य रूप से किया जाएगा जिसमें बेसहारा गौ माता जो गली-गली घूम घूम कर अपना भरण पोषण करती है उन सभी गौ माता के लिए उचित खाने की सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसी कार्य को देखकर कोडरमा गौशाला समिति की ओर से एक मोमेंटो देकर मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया शाखा को सम्मानित किया गया यह सम्मान गौशाला समिति के सचिव अरुण मोदी ने किया और कहा मारवाड़ी युवा मंच का समर्पण देखकर यह लगता है की आने वाली पीढ़ी गौ सेवा और गौशाला के कार्य के लिए बिल्कुल तैयार है और आने वाले सत्र में सभी मिलकर गौशाला के लिए एक नया कीर्तिमान हासिल करेंगे और सभी सदस्य गौमाता का आशीर्वाद प्राप्त करते रहेंगे।

सस्ती लोकप्रियता नहीं, इस बार रामगढ़ रचेगा इतिहासः

'मां छिन्नमस्तिका' की पावन धरती पर आ रहे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबी, स्वागत की तैयारी देख उड़ जाएंगे विरोधियों के होश!

रामगढ़ जिला संवाददाता डीके राठौड़

रामगढ़, 31 मईः रामगढ़ की राजनीति में इस वक्त की सबसे बड़ी हलचल रामगढ़ से सामने आ रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबी जी का मां छिन्नमस्तिका की पावन धरती रजरप्पा में ऐतिहासिक और भव्य आगमन होने जा रहा है। इस महा-आगमन को लेकर आज रामगढ़ के सांसद कार्यालय (नई सराय माइंस रेस्क्यू) में संध्या 3:00 बजे एक बेहद महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल समीक्षा बैठक बुलाई गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए ऐसी रणनीतियां तैयार की गईं जो पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन चुकी हैं।

टोल प्लाजा से रजरप्पा दरबार तक थमेगी रफ्तार, भगवा रंग में रंगेगा रामगढ़!

बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किसी साधारण नेता की तरह नहीं, बल्कि एक जननायक की तरह होगा। जैसे ही नितिन नबी जी का काफिला रामगढ़ जिला के टोल प्लाजा पर दस्तक देगा, वहां से लेकर रजरप्पा मंदिर दरबार तक का पूरा इलाका भाजपा के झंडों, गगनचुंबी बैनरों और स्वागत द्वारों से पाट दिया जाएगा। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग मोर्चों पर स्वागत की ऐसी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि देखने वाले दंग रह जाएंगे।

झारखंडी संस्कृति और पारंपरिक वेशभूषा से सजेगा भव्य मंच

इस बार का स्वागत सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी बेजोड़ होने वाला है। राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन पूरी तरह से झारखंडी पारंपरिक वेशभूषा, मांदर की थाप और स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार किया जाएगा। रामगढ़ जिला इस ऐतिहासिक स्वागत में अपनी सबसे अहम और मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह कमर कस चुका है।

दिग्गजों की मौजूदगी में बनी 'महा-रणनीति'

यह महत्वपूर्ण बैठक संजीव कुमार बावला जी की अध्यक्षता और नेतृत्व में संपन्न हुई। मंच का कुशल संचालन महामंत्री जगेसर प्रजापति जी ने किया, जबकि बैठक की समाप्ति की घोषणा रंजन फौजी ने की।

इस बैठक में भाजपा के तमाम शीर्ष स्थानीय नेताओं और रणनीतिकारों ने शिरकत की। बैठक में मुख्य रूप सेः पूर्व महामंत्री निरंजन,रंजन फौजी. रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल विजय जायसवाल, प्रोफेसर संजय सिंह, बलराम सत्यजीत सिंह कुशवाहा ग्रामीण मंडल सांसद प्रतिनिधि दिलीप सिंह।

उपाध्यक्ष रेखा देवी, मंत्री किरण देवी, रिति श्रीवास्तव,
शंकर करमाली, कमलेश बेड़िया, मीडिया प्रभारी भीमसेन चौहान, आईटी प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू, और सोशल मीडिया प्रभारी कुणाल दास।

ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा पर रामेश्वर मोदी मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान, श्रद्धालुओं ने किया जाप व दीपदान

झुमरीतिलैया – ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा का पावन पर्व रविवार को धार्मिक आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के रामेश्वर मोदी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, दीपदान, मंत्र जाप एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूर्णिमा के महत्व को ध्यान में रखते हुए भगवान विष्णु, सत्यनारायण एवं हनुमान जी की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की। गुरु कृपा शांति भवन के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में दीपदान, "हरे राम हरे कृष्ण" महामंत्र का सवा घंटे तक सामूहिक जाप तथा हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान का संचालन गोपेश्वर पंडित द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पूजा-अर्चना में भाग लिया।

कार्यक्रम में सुनीली अठघरा, दीपा गुप्ता, प्रतिमा बर्णवाल, प्रेमलता देवी, उषा देवी, नीलम देवी, बबीता अठघरा, सविता भारद्वाज, रेनू तर्वे, पूजा चौरसिया, पूनम देवी, संध्या सेठ, इंदु कंधवे, ममता कंधवे, रंजीता कंधवे, अनीता भदानी, कुमकुम भदानी, सरोज देवी, रीना सिंह एवं सविता मिश्रा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धार्मिक विद्वान पंडित विजयकांत उपाध्याय ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस वर्ष पूर्णिमा पर अनुराधा नक्षत्र सहित कई शुभ योगों का संयोग बना, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा के दिन भगवान सत्यनारायण की विधिवत पूजा एवं कथा श्रवण करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और वैभव की प्राप्ति होती है।उन्होंने बताया कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इस पर्व को वट पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। श्रद्धालु इस दिन पवित्र नदियों में स्नान कर दान-पुण्य करते हैं तथा चंद्रमा से संबंधित वस्तुएं जैसे चावल, दही, शक्कर, चांदी, वस्त्र एवं फूल आदि का दान करते हैं। मान्यता है कि इससे कुंडली में चंद्रमा मजबूत होता है और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि तथा मानसिक शांति का विस्तार होता है।

भारतीय नागरिकता की पहचान को सुरक्षित करने के लिए झामुमो की अहम बैठक, पंचायतों तक पहुंचेगा अभियान

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) खलारी प्रखंड कमेटी की ओर से रविवार को नेहरू क्लब, खलारी में एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक प्रखंड अध्यक्ष श्यामजी महतो के नेतृत्व में भारतीय नागरिकता की पहचान (एस आई आर- बीएलए 1, बीएलए 2) को लेकर बुलाई गई थी। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड उपाध्यक्ष कलीम रिजवी ने की, जबकि मंच संचालन कुन्दन कुमार चौहान द्वारा किया गया।बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि क्षेत्र के जिन लोगों को पहले से भारतीय नागरिकता प्राप्त है, उन्हें सुरक्षित और दस्तावेज के स्तर पर मजबूत करना झामुमो परिवार की प्राथमिकता है संगठन के सदस्यों ने जिम्मेदारी लेते हुए संकल्प लिया कि इस अभियान को हर पंचायत और ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया जाएगा ताकि किसी भी वैध नागरिक को परेशानी न हो।अगर किसी भी ग्रामीण को अपनी नागरिकता की पहचान या संबंधित दस्तावेजों से जुड़ी कोई भी समस्या या दिक्कत आ रही है, तो वे सीधे झारखंड मुक्ति मोर्चा खलारी प्रखंड परिवार के पदाधिकारियों और कार्यकताओं से संपर्क कर सकते हैं।संगठन पूरी मजबूती के साथ उनकी समस्याओं का निदान कराएगा।इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से झारखंड आंदोलनकारी जैनुल खान, मुबारक अंसारी, कोषाध्यक्ष सुभाष प्रजापति, सह सचिव मो. नसीम अंसारी, अमर भोगता, सरफराज खान, राजेश प्रसाद, छोटू राम, पवन उरांव, अजमुल अंसारी, रमेश तुरी, अख्तर खान, फारुख नवाब और आशिफ अंसारी शामिल हुए महिला विंग की ओर से पूर्व महिला मोर्चा अध्यक्ष रितम कुमारी और सुरैया परवीन ने भी अपने विचार रखे। इसके अलावा सतीश गंझू, नेहाल कुमार, मनीषा देवी, ज्योति शर्मा, राधिका देवी और कृष्णा कुमार सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

20वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता में रामगढ़ को 2 अंकों से हरा कर रांची बनी चैंपियन

खूंटी ने स्पोर्ट्स एकेडमी जामताड़ा को 13 अंकों से हराकर तीसरा स्थान किया हासिल

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा शहर स्थित गांधी मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 20वीं राज्य स्तरीय जूनियर बालिका खो-खो प्रतियोगिता 2026-27 का रविवार को रंगारंग माहौल में समापन हो गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन खेले गए रोमांचक मुकाबलों में रांची की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रामगढ़ को 2 अंकों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में खूंटी ने ऑल स्पोर्ट्स एकेडमी जामताड़ा को 13 अंकों से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। समापन समारोह में मुख्यालय डीएसपी नीलम कुजूर, साइबर डीएसपी अमित रविदास तथा थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत जिला खो-खो संघ के अध्यक्ष डॉ. डी.डी. भंडारी, महासचिव नंदन कुमार सिंह, सदस्य सादिक अंसारी, आकाश साव एवं सरोज यादव ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र देकर किया। प्रतियोगिता में रांची ने प्रथम, रामगढ़ ने द्वितीय तथा खूंटी और जामताड़ा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यालय डीएसपी नीलम कुजूर ने कहा कि खेलों से उनका विशेष लगाव रहा है और खेल बालिकाओं के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जामताड़ा जैसे जिले में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन होना पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।साइबर डीएसपी अमित रविदास ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजनों से जिले में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलता है।साथ ही खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन जिले की खेल अधोसंरचना के विकास में भी सहायक सिद्ध होंगे। प्रतियोगिता में झारखंड के 16 जिलों से आई बालिका खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों और ऑफिशियल्स सहित लगभग 300 लोगों ने भाग लिया।आयोजन भारतीय खो-खो संघ के दिशा-निर्देशों के तहत पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार तथा जिला प्रशासन जामताड़ा के सहयोग से संपन्न कराया गया। राज्य खो-खो संघ के सचिव संतोष प्रसाद ने कहा कि जिला प्रशासन, खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय तथा जिला खो-खो संघ के संयुक्त प्रयास से प्रतियोगिता का सफल आयोजन संभव हो पाया। मौके पर राज्य खो-खो संघ के उपाध्यक्ष नवीन कुमार, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. संजीव कुमार, ताकिब अंसारी, चंचल राय, दीनबंधु सिंह, भूपेश गुप्ता, गौरव जोशी, प्रतीक डोकानिया, सलिल कुमार, दीपक रजक सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं संघ के सदस्य उपस्थित थे।

मैथन मैराथन संपन्नः 15 प्रतिभागी हुए पुरस्कृत, खेल और स्वास्थ्य का दिया गया संदेश

गौतम कुमार, संवाददाता कुमारधुबी : मैथन मैराथन का आयोजन आज किया गया। जिसमें करीब उत्तर प्रदेश बिहार झारखंड बंगाल महाराष्ट्र के छात्र-छात्राएं जो प्रतिभागी थे उन्होंने भाग लिया करीब साढ़े तीन सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय पुलिस उपाधीक्षक लालेश्वर महतो एवं डीवीसी के उप महाप्रबंधक सुखमय नायक द्वारा हरी झंडी दिखाकर लेफ्ट बैंक से किया गया जिसका समापन चार नंबर क्लब में हुआ। इस दौड़ में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरुष महिला दोनों में आने वाले छात्राओं को नगद राशि के साथ-साथ पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनबाद मेयर संजीव कुमार सिंह के साथ विशिष्ट अतिथि में वरीय पुलिस उपाध्यक्ष लालेश्वर महतो, डीवीसी उप महाप्रबंधक सुखमय नायक, प्रखंड प्रमुख संगीता महतो,20 सूत्री उपाध्यक्ष प्रखंड एग्यारकुंड मोहम्मद अशरफ आलम, रंजीत महतो उर्फ महाकाल, प्रेम सिंह मुखिया, संजय सिंह सहित अन्य रहे। विशिष्ट अतिथियों द्वारा विजई प्रतियोगी छात्र -छात्राओं को पुरस्कृत किया गया और बताया गया कि खेलकूद से अच्छे बच्चों के मन में अच्छे विचार आते हैं और दौड़ वगैरा करने से मन स्वस्थ रहता है।

भविष्य में मैथन में ऐसा आयोजन लगातार किया जाएगा। कार्यक्रम वाई ए सी क्लब द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से क्लब के मेंबर में प्रमोद पासवान रंजीत झा शिवम सिंह, राकेश मंडल विक्रम कुमार, कृष्ण कुमार , पंकज कुमार सिंह, पीयूष शर्मा संध्या, विकाश किस्कू, सानू,जितेंद्र कुमार, अनीता दास, अर्चना, प्रीति, रमाकांत तिवारी, राजन, संजय सिंह आदि थे। पुरुष प्रतिभागी में अजय कुमार पटेल प्रथम स्थान और महिला प्रतिभागी में पूजा सिंह प्रथम स्थान आई।

नशा मुक्ति के लिए कुजू ओपी में ग्रामीणों ने लिया संकल्प

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया

कुजू /रामगढ़: विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर कुजू ओपी पुलिस ने रविवार को 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत ओपी परिसर में स्थानीय ग्रामीणों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को नशापान से दूर रहने की सख्त सलाह दी और इसके सेवन से होने वाली गंभीर शारीरिक व मानसिक परेशानियों से अवगत कराया। पुलिस ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि नशापान से न केवल स्वास्थ्य का नुकसान होता है, बल्कि आर्थिक रूप से भी व्यक्ति और उसका परिवार बर्बाद हो जाता है।

भावी पीढ़ी को स्वस्थ बनाने का संकल्प

अभियान के दौरान पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों ने एकजुट होकर देश और प्रदेश की भावी पीढ़ी को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने का बीड़ा उठाया। बैठक के समापन पर पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर सभी उपस्थित लोगों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लिया। इस मौके पर क्षेत्र को पूरी तरह से नशा मुक्त बनाने और युवाओं को इसके दुष्परिणामों के प्रति लगातार जागरूक करने की बात कही गई। मौके पर पु अ नि ओंकार पाल, आशीष कुमार गौतम सहित ,प्रदीप गुप्ता कई पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे ।

कुमारधुबीः ऐतिहासिक औघड़ डंगाल मंदिर में बनेगा भव्य सनातन धर्मशाला, श्रद्धालुओं की मुराद होगी पूरी

संवाददाता समामा औसाल/गौतम कुमार, कुमारधुबी : कुमारधुबी के ऐतिहासिक औघड़ डंगाल मंदिर से जुड़ी एक बड़ी और सुखद खबर सामने आई है। श्रद्धालुओं की वर्षों पुरानी मांग अब जल्द पूरी होती नजर आ रही है। मंदिर परिसर के समीप एक भव्य और आधुनिक सनातन धर्मशाला का निर्माण कराया जाएगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

कुमारधुबी स्टेशन के नजदीक स्थित औघड़ डंगाल मंदिर क्षेत्र धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। प्रतिदिन यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वहीं सावन, महाशिवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान भक्तों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में ठहरने और विश्राम की समुचित व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इसी समस्या को देखते हुए समाजसेवी अमन सिंह ने मंदिर परिसर में आयोजित बैठक के दौरान सनातन धर्मशाला निर्माण की घोषणा की। उन्होंने बताया कि धर्मशाला में श्रद्धालुओं के ठहरने, विश्राम करने और धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं और स्थानीय लोगों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।

"औघड़ डंगाल मंदिर हमारी आस्था का केंद्र है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले, इसके लिए भव्य सनातन धर्मशाला का निर्माण कराया जाएगा। हम चाहते हैं कि यह स्थान धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का मजबूत केंद्र बने।"

धर्मशाला निर्माण की पहल का स्थानीय लोगों ने भी जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही औघड़ डंगाल मंदिर की पहचान और अधिक मजबूत होगी।

यदि यह योजना तय समय पर धरातल पर उतरती है, तो आने वाले दिनों में औघड़ डंगाल मंदिर परिसर श्रद्धालुओं के लिए और भी सुविधाजनक एवं आकर्षक धार्मिक स्थल बनकर उभरेगा।

पवित्र त्रित्व पर्व पर 84 बच्चों ने ग्रहण किया प्रथम परमप्रसाद

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर : मांडर पल्ली में रविवार को पवित्र त्रित्व पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 84 बच्चों ने प्रथम परमप्रसाद ग्रहण कर अपने विश्वास जीवन की एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा का शुभारंभ किया ।इस अवसर पर विशेष मिस्सा अनुष्ठान का भी आयोजन हुआ, पल्ली पुरोहित फादर बिपिन कंडुलना ने मिस्सा अनुष्ठान सम्पन्न कराया,अपने संदेश में फा. बिपिन कंडुलना ने कहा कि हमें येसु के प्रेम को अपने जीवन में उतारना है और उनके दिखाए मार्ग पर चलना है। उन्होंने प्रथम परमप्रसाद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संस्कार विश्वासियों को प्रभु येसु के साथ गहरे आध्यात्मिक संबंध में जोड़ता है तथा ईसाई जीवन को सुदृढ़ बनाता है। पूरे समारोह का वातावरण प्रार्थनामय एवं भक्तिपूर्ण रहा। प्रथम परमप्रसाद ग्रहण करने वाले बच्चों के साथ-साथ उनके परिवारों में भी विशेष खुशी और उत्साह देखने को मिला। इन बच्चों को तैयार करने में सिस्टर रेशमा खेस्स, मिस रश्मि, सोनिया लकड़ा और प्रेम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।मौके पर फादर जोनिस गाड़ी, फादर पीटर सांगा, फादर स्टीफन टोप्पो, फादर संजय, फादर आशुतोष कुजूर सहित सैकड़ों की संख्या मे मशीही विश्वासी शामिल थे,

एसआईआर मैपिंग कार्य में तेजी, वार्ड 22 में विशेष शिविर का आयोजन,

मतदाता सूची के सत्यापन, संशोधन एवं नाम जोड़ने को लेकर लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

रफ़्तार मिडिया हजारीबाग सुमन सिन्हा

हजारीबाग निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) मैपिंग अभियान के तहत हजारीबाग नगर निगम के वार्ड संख्या 22 में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वार्ड पार्षद मिताली रश्मि के कार्यालय परिसर में लगाया गया, जहां क्षेत्र के बड़ी संख्या में मतदाता अपने मतदाता संबंधी विवरणों के सत्यापन एवं अद्यतन के लिए पहुंचे।

शिविर में बूथ संख्या 316, 317, 319, 320 एवं 321 के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) उपस्थित रहे।

उनके द्वारा मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, विवरणों में संशोधन करने, त्रुटियों को दूर करने तथा आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन का कार्य किया गया। साथ ही निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

वार्ड पार्षद मिताली रश्मि ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा कि जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है अथवा जिनके विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, वे इस अभियान का लाभ उठाकर समय रहते आवश्यक सुधार करा लें।

शिविर के दौरान स्थानीय नागरिकों ने निर्वाचन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। अधिकारियों ने बताया कि एसआईआर मैपिंग अभियान के माध्यम से मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने का कार्य लगातार जारी है।

अभिषेक बनर्जी पर हमले के विरोध में आसनसोल-कुल्टी में तृणमूल का जोरदार प्रदर्शन

रफ्तार मीडिया संवाददाता सालानपुर

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में आसनसोल और कुल्टी में पार्टी ने बड़े स्तर पर प्रदर्शन किया। आसनसोल में निकाले गए जुलूस और धरना कार्यक्रम में जिला तृणमूल अध्यक्ष और पांडवेश्वर से पूर्व विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती, पूर्व विधायक हरेराम सिंह और आसनसोल के महापौर तथा बाराबनी से पूर्व विधायक विधान उपाध्याय समेत जिला नेतृत्व मौजूद रहा। कार्यकताओं ने अभिषेक बनर्जी पर हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर कुल्टी विधानसभा के नियामतपुर न्यू रोड पर कुल्टी ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस की ओर से भी धरना आयोजित किया गया। तृणमूल के प्रदेश नेता उज्ज्वल चटर्जी धरने में शामिल हुए। धरने के बाद प्रदर्शनकारियों ने न्यू रोड चौराहे पर टायर जलाकर सड़क जाम करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद तृणमूल कार्यकताओं और समर्थकों ने न्यू रोड चौराहे से नियामतपुर चौराहे तक विरोध मार्च निकाला। पार्टी नेतृत्व का दावा है कि विपक्षी दल के राजनीतिक कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए अभिषेक बनर्जी को परेशान किया गया। तृणमूल नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। दिनभर के कार्यक्रमों के दौरान दोनों इलाकों में कुछ समय के लिए राजनीतिक तनाव का माहौल बन गया।

इंटर कला में जिले में दूसरा स्थान पाने वाले दोलत कुमार महतो को विधायक जयराम महतो ने किया सम्मानित

तोपचांची/रफ्तार मीडिया

तोपचांची प्रखंड के दुमदुमी पंचायत के प्रतिभाशाली छात्र दोलत कुमार महतो को इंटर कला संकाय में धनबाद जिले में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर डुमरी विधायक जयराम महतो ने सम्मानित किया। इस अवसर पर जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष मोतीलाल महतो, प्रखंड अध्यक्ष संतोष महतो सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दोलत कुमार महतो ने इंटर कला परीक्षा में 448 अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि पर विधायक जयराम महतो ने उन्हें सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि तोपचांची क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कोई कमी नहीं है। यहां के होनहार बच्चे भविष्य में आईएएस, आईपीएस सहित विभिन्न उच्च पदों पर पहुंचकर क्षेत्र और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने दौलत कुमार महतो के सफलता का श्रेय उनके शिक्षकों और कोचिंग संस्थानों को देते हुए कहा कि शिक्षकों की मेहनत और मार्गदर्शन के कारण ही तोपचांची जैसे सुदूर क्षेत्र के बच्चे धनबाद जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

विधायक ने दौलत कुमार महतो को हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि उनकी पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर वे उनके साथ खड़े रहेंगे और हर संभव मदद करेंगे।

सुर-संगमः मिहिजाम में रबीन्द्र-नजरुल संध्या पर बच्चों ने बांधा समां

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

रविवार शाम 7 बजे बेसिक स्कूल प्रांगण में रबीन्द्र-नजरुल संध्या पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झारखंड बंगाली समिति, नगर परिषद शाखा मिहिजाम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नन्हे-मुन्हे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बच्चों ने रबीन्द्र संगीत और नजरुल गीत पर आधारित आकर्षक नृत्य व गायन प्रस्तुत किए। कवि गुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर और विद्रोही कवि काजी नजरुल इस्लाम की रचनाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को संगीतमय बना दिया। बच्चों की जीवंत प्रस्तुति देख दर्शक तालियां बजाने को मजबूर हो गए। इस अवसर पर मिहिजाम नगर परिषद अध्यक्षा, उपाध्यक्ष, जेएमएम के वरिष्ठ नेता, पूर्व अध्यक्ष, विभिन्न वार्डों के पार्षदगण और कई समाजसेवी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग परिवार सहित पहुंचे और देर रात तक कार्यक्रम का आनंद लिया। आयोजकों ने बताया कि रबीन्द्र-नजरुल की विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए हर साल यह संध्या आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

बेरोजगारी के खिलाफ लेबर यूनियन का पहलः 60 युवाओं संग मुफ्त जॉब कोचिंग की शुरूआत

रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

मजदूर परिवारों के युवाओं को रोजगार की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लेबर यूनियन ने रविवार को ऐतिहासिक पहल की। पूर्व महासचिवों एस. आर. दास और जपेश भट्टाचार्य की स्मृति में यूनियन कार्यालय में निःशुल्क नौकरी परीक्षा तैयारी शिविर शुरू हुआ। पहले चरण में 60 छात्र-छात्राओं ने प्रशिक्षण लेना शुरू किया। मुख्य अतिथि शंकर शर्मा ने शिविर का उद्घाटन कर छात्रों को लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सही दिशा में प्रयास से सफलता तय है और इस सामाजिक कार्य में हरसंभव सहयोग देंगे। अभिरूप चौधुरी ने बताया कि यह केंद्र आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का मुफ्त अवसर देगा। महासचिव राजीव गुप्ता ने कहा कि कारखानों में भर्ती न होने से बेरोजगारी और कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ रहा है। इसे राज्य की जिम्मेदारी मानकर यूनियन ने सामाजिक दायित्व निभाया है। प्रशिक्षण की कमान सरकारी अधिकारी पायल साहा और सृजनी चक्रवर्ती के हाथ में है। पहले दिन ही छात्रों में जबरदस्त उत्साह दिखा। यूनियन ने तीन महीने बाद दूसरा बैच शुरू करने की घोषणा की।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।